{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शुक्रवार 27 फरवरी 2026
फाल्गुन शुक्ल 09 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 155
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	82,248.61
निफ्टी	-	25,496.55
सोना	-	1,61,020
चांदी	-	2,85,000
डॉलर	-	91.05

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता

रांची। झारखंड से भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। उन्होंने ये प्रतिक्रिया उस उपलब्धि पर दी, जिसमें पीएम मोदी इंस्टाग्राम पर 100 मिलियन फॉलोअर्स का आंकड़ा पार करने वाले दुनिया के पहले नेता बने है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि इंस्टाग्राम को युवाओं का सबसे सक्रिय प्लेटफॉर्म माना जाता है और इस मंच पर पीएम मोदी के 100 मिलियन फॉलोअर्स होना इसका प्रमाण है कि वे विश्व के सबसे बड़े यूथ आइकॉन बन चुके हैं। देश ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में लोग पीएम मोदी के नेतृत्व और विजन से पूरी तरह से प्रभावित हैं। भारत-इजरायल संबंधों पर शाहदेव ने कहा कि दोनों देशों के रिश्ते लंबे समय से मजबूत रहे हैं और इजरायल भारत का ऑल वेदर फ्रेंड है। उन्होंने कहा कि जब भी इजरायल को जरूरत पड़ी, भारत उसके साथ खड़ा रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि पीएम मोदी ने हमास के हमले की कड़ी निंदा की थी।

द केरल स्टोरी 2 पर रोक

तिरुवनंतपुरम। केरल हाई कोर्ट ने गुरुवार को फिल्म द केरल स्टोरी 2-गोज बियॉन्ड की रिलीज पर अंतरिम रोक लगा दी है। केरल हाई कोर्ट ने गुरुवार को फिल्म केरल स्टोरी 2 की रिलीज पर 15 दिनों के लिए रोक लगा दी। कोर्ट ने कहा कि पहली नजर में ऐसा लगता है कि सेंसर बोर्ड ने फिल्म को सर्टिफिकेट देते हुए सोच-समझकर काम नहीं लिया। जस्टिस बेचू कुरियन थॉमस ने फिल्म की रिलीज को चुनौती देने वाली दो याचिकाओं पर यह आदेश दिया। फिल्म 27 फरवरी को रिलीज होने वाली थी। कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा कि फिल्म से सामाजिक सौहार्द न बिगड़े, यह पक्का करने के लिए बनाई गई गाइडलाइंस का सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने पालन नहीं किया।

9 साल की छात्रा की हार्ट अटैक से मौत

नागौर। राजस्थान के नागौर के प्राइवेट स्कूल में 9 साल की छात्रा की हार्ट अटैक से मौत हो गई। वह ग्राउंड में खेलते समय गिर गई थी। स्कूल स्टाफ उसे हॉस्पिटल लेकर पहुंचा, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना नागौर के गोटन कस्बे के गोटन इंटरनेशनल स्कूल में 23 फरवरी की सुबह करीब 7.48 बजे हुई थी। इसका वीडियो गुरुवार को सामने आया है। छात्रा के बड़े भाई की भी 4 महीने पहले ऐसे ही हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। स्कूल डायरेक्टर रामकुंवार ओला ने बताया- तालनपुर के रहने वाले राजेंद्र बापेडिया की बेटी दिव्या पांचवीं क्लास की स्टूडेंट थी। सामान्य दिनों की तरह 23 फरवरी की सुबह भी स्कूल आई थी। प्रेयर (प्रार्थना) होने में अभी समय था।

कुछ ना कहना

भारत सेमीफाइनल से एक जीत दूर

नेट रन रेट में हुआ बड़ा सुधार; अब वेस्टइंडीज से पाना होगा पार

चेन्नई । दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को हराकर भारत के लिए राह आसान की थी। अब बारी थी भारतीय टीम की जिसके लिए जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच जीतना काफी जरूरी था। भारत ने इस मैच में बल्ले और गेंद दोनों से दमदार प्रदर्शन किया जिससे सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली टीम ने सेमीफाइनल की ओर एक कदम बढ़ा लिए। भारत को अगर टी20 विश्व कप के अंतिम चार में पहुंचना है तो उसे सुपर आठ के आखिरी मैच में वेस्टइंडीज को हराना होगा।

दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल में पहुंचा

ग्रुप-1 से दक्षिण अफ्रीका ने क्वालिफाई कर लिया है। इससे पहले ग्रुप-2 से इंग्लैंड की टीम ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। वहीं, भारत अगर अपने अगले मैच में वेस्टइंडीज को मात दे देता है तो वह भी सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा। जिम्बाब्वे इस हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गई है।

जिम्बाब्वे का सफर समाप्त

भारत की जीत से जिम्बाब्वे का सफर टी20 विश्व कप में समाप्त हो गया है। ग्रुप-1 से सेमीफाइनल की दौड़ में दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और भारत शामिल है। दक्षिण अफ्रीका ने लगातार दो मैच जीतकर स्थिति मजबूत कर ली है। अब अगर भारत अपना आखिरी मैच जीत जाए और दक्षिण अफ्रीका भी जिम्बाब्वे को हरा दे तो ग्रुप-1 से भारत और दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल में पहुंच जाएंगे।

भारत ने विशाल लक्ष्य का किया बचाव

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में चार विकेट पर 256 रन बनाए। यह टी20 विश्व कप में भारत का सर्वोच्च स्कोर है। भारतीय टीम इस लक्ष्य का बचाव करने में सफल रही और जिम्बाब्वे की टीम को 72 रनों से हराया। जिम्बाब्वे के लिए ब्रायन बेनेट ने शानदार पारी खेली, लेकिन टीम 20 ओवर में छह विकेट पर 184 रन ही बना सकी।

न्यायपालिका में भ्रष्टाचार का चैप्टर मामला- केंद्र की सॉरी पर सीजेआई की दो टूक

नाम बताओ एक्शन हम लेंगे

नई दिल्ली। एनसीईआरटी की आठवीं कक्षा की किताब में न्यायपालिका में करप्शन के बारे में अध्याय रखे जाने पर सर्वोच्च न्यायालय ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। सुप्रीम कोर्ट में इसे लेकर सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल ने एनसीईआरटी की ओर से माफी मांगे जाने की बात कही। इस पर सीजेआई ने दो टूक कहा कि नाम बताओ, एक्शन हम लेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी साफ कहा है कि हम इस मामले को बंद नहीं करेंगे। सीजेआई ने कहा कि इस मामले में न्यायिक दखल की सख्त जरूरत है। यह आलोचना को दबाने की इच्छा से नहीं, बल्कि शिक्षा की ईमानदारी बनाए रखने के लिए है। जब छात्र सार्वजनिक जीवन और संस्थागत ढांचे की बारीकियों को समझना शुरू करते हैं, तो इस उम्र में उन्हें एकतरफा बातों के सामने लाना गलत है।

सीजेआई ने कहा कि इससे बुनियादी गलतफहमियां पैदा होती हैं और इस तरह वे उस जिम्मेदारी को समझने से बचते हैं, जिसके लिए न्यायपालिका काम करती है। चीफ जस्टिस ने कहा कि कारण बताओ नोटिस की बजाय क्यों न कोर्ट की अवमानना का मुकदमा चलाने की प्रक्रिया शुरू की जाए? सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल माफी स्वीकार करने से इनकार करते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया।

पीएम मोदी पर हमलावार राहुल गांधी ने कहा...

ये इंडिया है, नॉर्थ कोरिया नहीं

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता विपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने यूथ कांग्रेस मेंबर्स के खिलाफ एक्शन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की सरकार और नॉर्थ कोरिया के तानाशाही शासन एक जैसा है। ये इंडिया है, नॉर्थ कोरिया नहीं।

राहुल गांधी ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रोटेस्ट डेमोक्रेसी की आत्मा है। यह कोई अपराध नहीं है। उन्होंने पूछाज् जब आदिवासी अपने जल, जंगल, जमीन के हक के लिए खड़े हुए, तब उन पर भी शक की नजर डाली गई। यह कैसा लोकतंत्र है, जहां पीएम मोदी सवालों से डरते है? जहां असहमति को कुचलना शासन का स्वभाव बनता जा रहा है?

दरअसल, दिल्ली में आयोजित एआई समिट के दौरान यूथ कांग्रेस मेंबर्स ने शर्ट उतार कर प्रदर्शन किया था। इस बारे में दिल्ली पुलिस 3 सदस्यों को गिरफ्तार करने शिमला पहुंची थी। इसके बाद हिमाचल पुलिस ने दिल्ली पुलिस को उन्हें ले जाने से रोक लिया था। राहुल गांधी ने ये बातें गिरफ्तार तीन यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं को दिल्ली वापस लाने की इजाजत मिलने के बाद कही।

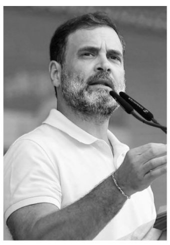

राहुल गांधी ने पोस्ट कर लिखा कि सोचिए मुद्दा कोई भी हो, अगर आप सत्ता के खिलाफ संवैधानिक तरीके से आवाज उठाते हैं, तब लाठी, मुकदमा और जेल, यह लगभग तय है। पेपर लीक से त्रस्त युवाओं ने अपने भविष्य के लिए आवाज उठाई, जवाब में उन्हें लाठियों से मारा गया।

देश की गौरवशाली महिला पहलवानों ने बीजेपी के प्रभावशाली नेता पर लगे गंभीर आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग की। लेकिन महिला पहलवानों की पुकार को बदनाम किया गया, आंदोलन को कुचला कर सड़कों से जबरन हटाया गया।

एक बलात्कार पीड़ित के समर्थन में इंडिया गेट पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन हुआ। न्याय की मांग को व्यवस्था के लिए असुविधा मानकर हटाया गया। युवा कांग्रेस ने देश का अहित करने वाले यूएस ट्रेड डील का शांतिपूर्ण विरोध किया, तब उन्हें देशविरोधी बताकर गिरफ्तार किया। जब आम लोग जहरीली हवा के खिलाफ खड़े हुए, तब पर्यावरण की चिंता को भी राजनीति कहकर दबा दिया गया। जब किसानों ने अपने अधिकारों के लिए आंदोलन किया, तब उन्हें देशविरोधी बताया गया। आंसू गैस, रबर की गोलियां, पानी की बौछारें और लाठियां, यही संवाद का माध्यम बना।

सुरक्षाबलों ने दो नक्सलियों को किया ढेर

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में दो वर्दीधारी नक्सलियों को मार गिराया। दोनों के शव बरामद कर लिए गए हैं। मौके से एसएलआर और इंसास समेत अन्य हथियार भी जब्त किए गए हैं। एसपी डॉ. जितेंद्र यादव ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। जांगला थाना क्षेत्र के इंद्रावती नदी के जंगलों में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इसके बाद सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम को सर्चिंग के लिए रवाना किया गया। जवानों को देखते ही नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में सुरक्षाबलों ने भी मोर्चा संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की। एसपी डॉ. जितेंद्र यादव ने बताया कि मुठभेड़ के बाद चलाए गए सर्च अभियान में दो वर्दीधारी माओवादियों के शव बरामद हुए। मौके से एक एसएलआर, एक इंसास राइफल, एक 12 बोर राइफल, विस्फोटक सामग्री और दैनिक उपयोग के सामान भी जब्त किए गए हैं।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की मुश्किलें बढ़ीं

पीड़ित बच्चों की मेडिकल रिपोर्ट में यौन उत्पीडऩ की पुष्टि!

वाराणसी। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद, उनके शिष्य मुकुंदानंद और अन्य आरोपितों के खिलाफ दर्ज मामले की जांच में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। पुलिस ने दोनों नाबालिग पीड़ितों का बेली अस्पताल में मेडिकल परीक्षण कराया था। गुरुवार को अस्पताल प्रशासन ने रिपोर्ट बंद लिफाफे में पुलिस को सौंप दी। सूत्रों के अनुसार मेडिकल रिपोर्ट में बच्चों के साथ यौन उत्पीडऩ की पुष्टि हुई है। हालांकि इस संबंध में पुलिस अधिकारी आधिकारिक बयान देने से बच रहे हैं। अब जांच अधिकारी मेडिकल रिपोर्ट को केस डायरी में शामिल कर आगे की कार्रवाई करेंगे।

पहले सीएचसी, फिर बेली अस्पताल में हुआ परीक्षण

बुधवार को झूंसी पुलिस दोनों नाबालिगों को मेडिकल परीक्षण के लिए पहले सीएचसी, बनी सरायइनायत ले गई थी। वहां चिकित्सकों ने बच्चों की उम्र को देखते हुए उन्हें बेली अस्पताल रेफर कर दिया। बेली अस्पताल में मेडिकल परीक्षण के बाद गुरुवार को रिपोर्ट पुलिस को प्राप्त हुई। अस्पताल और पुलिस सूत्रों का कहना है कि प्रारंभिक निष्कर्षों में यौन उत्पीडऩ की पुष्टि के संकेत मिले हैं, लेकिन पुलिस अधिकारी और डॉक्टर इस पर आधिकारिक टिप्पणी से परहेज कर रहे हैं।

कोर्ट में दर्ज हुए पीड़ितों के बयान

मेडिकल परीक्षण से पहले दोनों नाबालिगों को अदालत में पेश कर उनके बयान दर्ज कराए गए थे। अदालत के समक्ष बच्चों ने कथित घटना का विवरण देते हुए मुकुंदानंद समेत कई लोगों पर यौन उत्पीडऩ के आरोप लगाए। बयान दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच को और तेज कर दिया है।

आरोपितों के खिलाफ साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया तेज

पुलिस ने पहले पीड़ितों के बयान दर्ज किए और फिर उनका मेडिकल परीक्षण कराया। अब मेडिकल रिपोर्ट को विवेचना का हिस्सा बनाया जा रहा है। इसके साथ ही आरोपितों के खिलाफ वैज्ञानिक और अन्य साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है, ताकि जांच किसी भी स्तर पर कमजोर न पड़े। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद, मुकुंदानंद और तीन अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ जांच जारी है।

कोर्ट के आदेश पर दर्ज हुआ मुकदमा

झूंसी थाने में यह मुकदमा कोर्ट के आदेश पर दर्ज किया गया था। यह कार्रवाई श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट के अध्यक्ष आशुतोष ब्रह्मचारी (निवासी मथुरा-वृंदावन) की तहरीर पर की गई। आरोप है कि महाकुंभ और माघ मेले के दौरान नाबालिग लडक़ों के साथ दुष्कर्म किया गया। पुलिस ने संबंधित धाराओं, जिनमें पॉक्सो एक्ट और धमकी की धाराएं शामिल हैं, के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

ईडी ने चिदंबरम के खिलाफ प्रॉसिक्यूशन सैंक्शन को स्पेशल कोर्ट के सामने रखा

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री पी। चिदंबरम की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एयरसेल-मैक्सिस और आईएनएक्स मीडिया केस से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में चिदंबरम के खिलाफ प्रॉसिक्यूशन सैंक्शन को स्पेशल कोर्ट के सामने रखा है। प्रॉसिक्यूशन सैंक्शन असल में किसी सक्षम अथॉरिटी की ओर से मुकदमा चलाने की मंजूरी देने वाला आदेश होता है। इस मामले में ईडी ने ट्रायल तेज करने के लिए दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट के सामने इसे पेश किया है। यह मामला आईएनएक्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड को दी गई एफआईपीबी मंजूरी से जुड़ा है। आरोप है कि जब पी ।चिदंबरम देश के वित्त मंत्री थे, तब आईएनएक्स मीडिया को विदेशी निवेश की मंजूरी दी गई थी। जांच में सामने आया था कि इस मंजूरी के बदले में कथित तौर पर रिश्वत ली गई थी। ये रिश्वत सीधे तौर पर नहीं, बल्कि उनके बेटे कार्ति चिदंबरम से जुड़ी कंपनियों की जरिए ली गई थी। जांच में सामने आया है कि कथित अवैध रकम शेल कंपनियों के जरिए घुमाई गई। इसमें एडवांटेज स्ट्रैटजिक कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड (एएससीपीएल) जैसी कंपनियों का नाम सामने आया है, जो कार्ति चिदंबरम के नियंत्रण में बताई गई हैं।

मणिपुर हिंसा जांच समिति को 3 साल से नहीं मिली पेमेंट

नाराज सुप्रीम का आदेश- 10-10 लाख दे केंद्र

नई दिल्ली। मणिपुर में वर्ष 2023 में हुई हिंसा से जुड़े मामलों की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट में एक अहम तथ्य सामने आया, जिस पर अदालत ने कड़ी नाराजगी जताई। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ को बताया गया कि मणिपुर हिंसा की जांच और राहत कार्यों की निगरानी के लिए गठित अदालत-नियुक्त समिति को 2023 से अब तक कोई भुगतान नहीं किया गया है। सुनवाई के दौरान यह जानकारी दी गई कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर बनी इस समिति के किसी भी सदस्य को अब तक प्रतिपूर्ति (रीइंबर्समेंट) की राशि नहीं मिली है। इस पर सीजेआई ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अदालत के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद समिति के सदस्यों को भुगतान न होना गंभीर विषय है। पीठ ने कहा कि अंतरिम राहत के तौर पर समिति के तीनों सदस्यों को फिलहाल 10-10 लाख रुपये दिए जाएं। अदालत ने स्पष्ट किया कि यह राशि अभी केंद्र सरकार जारी करेगी और बाद में राज्य सरकार इसके हिस्से का भुगतान साझा करेगी। साथ ही, न्यायालय ने यह भी कहा कि समिति के सदस्यों को दिए जाने वाले अंतिम मानदेय पर आगे विचार कर निर्णय लिया जाएगा।

दिल्ली हाईकोर्ट का सैनिकों के हक में फैसला, कहा-

लाइफस्टाइल डिसऑर्डर बताकर दिव्यांगता पेंशन नहीं रोक सकते

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को अहम फैसला सुनाते हुए कहा कि सशस्त्र बलों के कर्मियों की दिव्यांगता पेंशन को सिर्फ यह कहकर नहीं रोका जा सकता कि बीमारी लाइफस्टाइल डिसऑर्डर है या वह पीस एरिया में तैनाती के दौरान हुई। हाई कोर्ट ने कहा कि गैर-ऑपरेशनल क्षेत्रों में भी सैन्य सेवा तनावपूर्ण होती है और इससे गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। बता दें कि सेना में पीस पोस्टिंग का मतलब है कि सैनिक या अधिकारी की पोस्टिंग बॉर्डर पर नहीं बल्कि शांत और सुरक्षित शहरों या छावनियों में होती है।

जस्टिस वी. कामेश्वर राव और जस्टिस मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की डिवीजन बेंच ने आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल (एएफटी) के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें भारतीय वायुसेना के रिटायर्ड अधिकारी की दिव्यांग पेंशन याचिका खारिज कर दी गई थी। वे हाई ब्लड प्रेशर (हाइपरटेंशन) और कोरोनरी आर्टरी डिजीज से पीड़ित हैं। कोर्ट ने साफ कहा कि यह मायने नहीं रखता कि बीमारी फील्ड एरिया में हुई या पीस पोस्टिंग में।

एक याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग से मांगा जवाब, कहा

चुनावी खर्च की सीमा तय हो

नई दिल्ली। चुनाव खर्च की सीमा तय करने की मांग वाली याचिका पर, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया है। यह जनहित याचिका गैर सरकारी संगठन कॉमन कॉज की ओर से दायर की गई है, जिसमें चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा धनबल के बेलगाम इस्तेमाल को चुनौती दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले को छह हफ्ते सुनवाई का निर्देश दिया है और संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने तर्क दिया कि चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा धनबल का अनियंत्रित इस्तेमाल लोकतंत्र की बुनियाद को प्रभावित करता है और चुनावी प्रक्रिया को असंतुलित करता है।

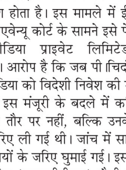

उन्होंने अदालत को याद दिलाया कि इलेक्टोरल बॉन्ड मामले में सुप्रीम कोर्ट पहले ही यह मान चुका है कि अनियंत्रित धनबल लोकतांत्रिक प्रक्रिया को विकृत करता है और मतदाताओं के सूचना के अधिकार को प्रभावित करता है। सुनवाई के दौरान जस्टिस जॉय माल्या बागची ने धनबल के दुरुपयोग को रोकने से जुड़ी व्यावहारिक चुनौतियों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अमेरिका जैसे देशों में भी चुनावी खर्च की सीमाएं मौजूद हैं, लेकिन वहां भी खर्च को उम्मीदवारों के मित्रों, सहयोगियों या तीसरे पक्षों के माध्यम से किया जाने जैसी समस्याएं सामने आती रही हैं।

तीसरे पक्ष की रिपोर्टों पर भरोसा नहीं कर सकता

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को चुनाव आयोग को चुनाव में होने वाले अत्यधिक खर्च पर अंकुश लगाने के लिए एसओपी में सुझावों को शामिल करने पर विचार करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने जनहित याचिका को भी एक अभ्यावेदन के रूप में मानने को कहा है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जोयमाल्य बागची और जस्टिस एनवी अंजारी की पीठ ने टिप्पणी की थी कि कोर्ट चुनाव में होने वाले अत्यधिक खर्च पर तीसरे पक्ष की रिपोर्टों पर भरोसा नहीं कर सकता, क्योंकि चुनाव आयोग ने भी इन रिपोर्टों का खंडन किया है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता एक आइआइटी स्नातक हैं, उनके द्वारा दिए गए सुझाव विचारणीय हैं।

1 मार्च से सिम कार्ड के बिना नहीं चलेगा वॉट्सएप

सरकार ने डेडलाइन बढ़ाने से मना किया; वेब वर्जन हर 6 घंटे में लॉग-आउट होगा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने साफ कर दिया है कि सिम बाइंडिंग के नियमों को लागू करने की 28 फरवरी की डेडलाइन नहीं बढ़ाई जाएगी। नए नियमों के तहत फोन में सिम कार्ड न होने पर वॉट्सएप जैसे मैसेजिंग एप काम नहीं करेंगे। कंप्यूटर पर लॉगिन वॉट्सएप भी 6 घंटे में लॉग-आउट हो जाएगा। जब आप किसी एप को सिम बाइंडिंग से जोड़ते हैं, तो वह एप तभी खुलेगा जब आपका रजिस्टर्ड सिम कार्ड उसी फोन के अंदर मौजूद होगा। यह नियम 1 मार्च 2026 से प्रभावी होगा।

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि फिलहाल नियमों को मानने की समय-सीमा आगे बढ़ाने पर कोई विचार नहीं है। उन्होंने कहा कि ये नियम राष्ट्रीय सुरक्षा और धोखाधड़ी रोकने के लिए लागू किए गए हैं और सुरक्षा के मुद्दों पर सरकार कोई समझौता नहीं करेगी।

मार्च के बाद यूजर्स को क्या करना होगा?

यूजर्स को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनका वॉट्सएप जिस नंबर पर है, वह सिम उसी फोन में लगा हो। अगर सिम कार्ड फोन से बाहर निकाला तो मैसेजिंग ऐप काम करना बंद कर सकता है।

टेक कंपनियों और संस्थाओं का इस पर क्या रुख है?

इंडस्ट्री एसोसिएशन आईएएमएआई ने सरकार को चेतावनी दी है कि हर 6 घंटे में लॉग-आउट करने का नियम प्रोफेशनल्स के लिए परेशानी भरा होगा जो काम के लिए वॉट्सएप वेब पर निर्भर हैं। साथ ही उन परिवारों को भी दिक्कत होगी जो एक ही अकाउंट शेयर करते हैं। केंद्र सरकार के आदेश के मुताबिक कंपनियों को 120 दिन के भीतर इसको लेकर रिपोर्ट देनी होगी।

चोरों ने भी संवेदनशीलता दिखाई, अर्थी उठते ही घर में चोरी की !!

इधर घर से उठी पिता की अर्थी, उधर घर में घुस गए चोर : ताला खोलकर, नगदी सहित सोने चांदी के जेवरात किए पार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एक ओर पुलिस प्रशासन द्वारा पूरे जिले में उचित कानून व्यवस्था और मुस्तेद प्रशासन होने का दावा किया जा रहा है।तो वहीं दूसरी ओर नगर सहित पूरे जिले में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है।जिसपर अंकुश लगाना पुलिस प्रशासन के लिए टेढ़ी खीर साबित हो रहा है। जहा चोरों के हौसले इतने बुलंद हैं कि उन्हें ना तो पुलिस का डर है और ना ही कानून की परवाह। जो बेखौफ होकर आए दिनों चोरी की वारदात को अंजाम दे रहे हैं।लगातार बढ़ते जा रहे चोरी के इन मामलों के चलते जिले का क्राइम ग्राफ लगातार बढ़ते जा रहा है।इसी बीच अब चोर रात के साथ साथ दिनदहा? चोरी की वारदातों को अंजाम देने से नही चूक रहे है।इसी बीच ग्रामीण थाना नवेगांव क्षेत्र के ग्राम कोसमी वार्ड नंबर 15 से एक दुखद और चौंकाने वाली घटना सामने आई।जहा ट्रांसपोर्ट व्यापार से जुड़े हरिनखेड़े परिवार में पिता के निधन के बाद अंतिम संस्कार के लिए एक तरफ घर से उनकी अर्थी उठी, तो वहीं दूसरी ओर अज्ञात चोरों ने उनके सूने मकान को निशाना बना लिया।जहां अज्ञात चोरों ने घर में प्रवेश कर बैड के लाकर से अलमारी की चाबी निकालकर, अलमारी के भीतर रखे नगदी व सोने चांदी के जेवरात पार कर दिए और दिनदहाड़े चोरी की वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए।

क्या है पूरा मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम कोसमी वार्ड नं 15 निवासी जय भवानी ट्रांसपोर्ट के संचालक एवं स्वाभिमान पंवार क्षत्रीय समिति कोसमी के पूर्व अध्यक्ष श्री लोकचन्द हरिनखेड़े का 24 फरवरी सोमवार को स्वर्गवास हो गया था।जिनकी अंतिम यात्रा 25 फरवरी दिन बुधवार की सुबह 10:30 बजे जागपुर मोक्षधाम के लिए उनके घर से निकाली गई थी।अंतिम संस्कार के लिए मृतक के तीनों पुत्र संजय ,विजय और अजित हरिनखेड़े सहित उनका पूरा परिवार व अन्य रिश्तेदार अर्थी को कांधा देकर पीछे पीछे चल रहे है।वही महिलाए, अर्थी को थोड़ा दूर तक विदा के लिए मोहल्ले तक निकली थी।इसी मौके का फायदा उठाकर अज्ञात चोर उनके घर मे घुस गए,जहा चोरों ने मृतक के पुत्र विजय हरिनखेड़े के घर आलमारी का हैंडल तोड़कर चोरी का असफल प्रयास किया तो वही मृतक के दूसरे पुत्र संजय हरिनखेड़े के मकान में घुसकर, ताला तोड़कर नगद 5 हजार रु सहित सोने चाँदी के आभूषण पार कर दिए।

रेकी कर, चोरी की वारदात को दिया अंजाम

परिजनों को घटना की जानकारी तब लगी जब महिलाए कुछ दूर तक अर्थी को विदा देने के बाद घर लौटी। घर के भीतर आलमारी खुली दिखने, व सामान बिखरा देख परिजनों के होश उड़ गए।जब उन्होंने आलमारी की तलाशी ली तो वहां रखे नगदी रु व सोने चाँदी के जेवरात नही थी।आशंका जताई जा रही है कि चोरों ने पहले से रेकी कर घटना को अंजाम दिया होगा।उधर बाजू घर मे रहने वाले दूसरे भाई के घर भी लकड़ी की अलमारी का कुंदा तोड़ा गया। लेकिन ताला ना खुलने पर चोर वहां से भाग गए।

पहले सीसीटीवी कैमरे किए बंद, फिर की चोरी

बताया गया की चोरी की उक्त घटना को अंजाम देने के लिए अज्ञात शातिर चोरों ने मोहल्ले के एक मकान के सामने लगे सीसीटीवी कैमरे को बंद कर दिया था। ताकि उनकी काली करतूत मोहल्ले के मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैंद ना हो सके।जहां कैमरे बंद कर चोरी की उक्त घटना को अंजाम दिया गया है। बताया गया की चोरी की घटना को अंजाम देने के बाद बा-कायदा सीसीटीवी कैमरे पुनः शुरू कर दिए गए। जिसके चलते चोरी के दरमियान की फुटेज, सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड नहीं हो सकी।

लाखो रु के गहनों पर किया हाथ साफ

परिजनों से मिली जानकारी के मुताबिक अज्ञात चोरों ने दिनदहाड़े घर में घुसकर घर की चाबी निकालकर चोरी की उक्त घटना को अंजाम दिया है। जहां चोरों ने पहले अलमारी का ताला खोला और वहां रखे 5000 नगद सहित सोने की 1 जोड़ी कान के, बच्ची की 01 जोड़ी चांदी की पायल, 01 जोड़ी चांदी के कड़े, 01 बड़ी एक पायल चांदी की,01 चांदी की चेन, सोने का मंगलसूत्र, सोने की तीन अंगूठी, सोने का एक पेंडल, और सोने के 12 दाने वाली एक जोड़ी मंन गट्ठू पार कर दिए, जबकि उसी जगह पर रखे 5रु नोट के कुछ बंडल वहीं छोड़ दिए और घर के पीछे वाले कमरे का दरवाजा खोलकर बाहर भाग गए।अंदेशा जताया जा रहा है कि कोई जानकर ने ही इस चोरों की वारदात को अंजाम दिया होगा।

मामले की जांच में जुटी पुलिस

उधर मामले की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मौका स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी एकत्र की, तो वहीं पर पीड़ितों के बयान दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के मुताबिक मामले की जांच शुरू कर दी गई है।पुलिस द्वारा जल्द ही इस मामले में लिप्त आरिपियो को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किए जाने की बात कही गई है।

कन्हारटोला व सरेखा में स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

388 से अधिक हितग्राहियों ने पाया स्वास्थ्य लाभ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप के मार्गदर्शन में बालाघाट के शहरी स्लम वार्ड क्रमांक 04 कन्हारटोला एवं वार्ड क्रमांक 31 सरेखा में व्यापक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप के मार्गदर्शन तथा जिला अर्बन नोडल अधिकारी एवं जिला क्षय अधिकारी के निर्देशन में संपन्न हुआ। आयोजन शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम, जिला क्षय केन्द्र एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त प्रयास से किया गया।

शिविर का उद्देश्य शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत प्रदाय की जाने वाली 12 प्रकार की स्वास्थ्य सेवाओं को स्लम क्षेत्र के हितग्राहियों तक पहुंचाना एवं उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना रहा। जिला क्षय केन्द्र द्वारा एआई मोबिलिटी वैन में उपलब्ध एक्स-रे मशीन से चिन्हित 58 हितग्राहियों के एक्स-रे किए गए। वहीं जनरल ओपीडी में 330 से अधिक लोगों की जांच कर आवश्यक दवाइयों का वितरण किया गया। शिविर में टीबी जांच, मातृ-शिशु स्वास्थ्य परामर्श, सामान्य रोग जांच, पोषण संबंधी मार्गदर्शन सहित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं।

कार्यक्रम में वार्ड क्रमांक 04 के पार्षद विनोद बसेने, महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी शैलेन्द्र चौकसे एवं सेक्टर सुपरवाइजर श्रीमती नेहा ठाकुर का विशेष सहयोग रहा। इस स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से शहरी स्लम क्षेत्र के सैकड़ों नागरिकों को घर के समीप ही निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं, जिससे क्षेत्रवासियों में संतोष एवं जागरूकता का माहौल देखा गया।

सुरेंद्र गुड्डा मरकाम को प्रदेश मंत्री बनाए जाने पर बैहर में हुआ स्वागत

पद्मेश न्यूज। बैहर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सुरेंद्र गुड्डा मरकाम को अनुसूचित जनजाति मोर्चा का प्रदेश मंत्री नियुक्त किए जाने पर नगर बैहर में भव्य स्वागत किया गया। बस स्टैंड पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़कर और नारों के साथ उनका अभिनंदन किया। इस दौरान उनकी पत्नी यशवंती मरकाम नगर परिषद अध्यक्ष साथ में रही।

कार्यक्रम के दौरान सुरेंद्र उर्फ गुड्डा मरकाम को मंच पर ले जाकर नापतोल की रस्म निभाई गई, जिसमें उनका वजन 65 किलो निकला। इसके पश्चात पुष्पमालाओं, फूलों एवं केसरिया वस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने संघर्ष करो, हम तुम्हारे साथ हैं,

भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद और वंदे मातरम के उद्घोष लगाए तथा फल वितरण भी किया गया।

ज्ञात हो कि श्री मरकाम पूर्व में अनुसूचित जनजाति मोर्चा, बालाघाट के जिलामहामंत्री पद पर कार्यरत थे। अब उन्हें प्रदेश मंत्री की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी, मंडल कार्यकर्ता, नगर परिषद प्रतिनिधि एवं बस स्टैंड के व्यापारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

स्वागत समारोह में इकवंती टेकाम (पूर्व सरपंच एवं जिला पंचायत सदस्य), सुरेश यादव, बाबूलाल टीकम (पूर्व सरपंच कोहका), श्रीमती संध्या परते, पार्षद सुरपति यादव, कुमारी कीर्ति शुक्ला, श्रीमती रेखा भगत (पूर्व पार्षद), नीरू मेरावी, सुनील बधावन, जुगल किशोर पांडे, संकेत राठौड़ (भाजपा मंडल बैहर), आरसी नागरे (सेवानिवृत्त परिक्षेत्राधिकारी), देवानंद भालेकर (सेवानिवृत्त पंचायत निरीक्षक), शिवनाथ यादव (पूर्व पार्षद), श्रीमती हमीदिया बेगम (पार्षद), अर्जुन जायसवाल (पूर्व मंडल अध्यक्ष), भीकू भाई शुक्ला सहित अनेक कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे।स्वागत सभा के पश्चात श्री मरकाम ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे प्रदेश स्तर पर रहते हुए जिले एवं बैहर की समस्याओं के समाधान के लिए सदैव सजग रहेंगे और हर संभव प्रयास करेंगे।

टीबी मुक्त अभियान के अंतर्गत 2740 मरीजों को फूड बास्केट का वितरण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। टीबी (क्षय रोग) के उन्मूलन के लिए बालाघाट जिले में भी टीबी मुक्त अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत टीबी के मरीजों की पहचान कर उनका उपचार कराया जा रहा है। टीबी के संभावित मरीजों की स्क्रीनिंग के मामले में बालाघाट जिला प्रदेश मे प्रथम स्थान पर है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने बताया कि टीबी मुक्त अभियान के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में जिले के 04 लाख 54 हजार 680 मरीजों की स्क्रीनिंग का लक्ष्य दिया गया है। इस लक्ष्य के विरूद्ध 21 फरवरी 2026 तक जिले में 04 लाख 57 हजार 66 मरीजों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है, इस प्रकार टीबी के संभावित मरीजों की पहचान के लिए स्क्रीनिंग के मामले में बालाघाट जिला प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। इनमें से 01 लाख 37 हजार 950 मरीजों की एक्स-रे मशीन से स्क्रीनिंग की गई है। डॉ. परेश उपलप ने बताया कि बालाघाट जिले में वर्तमान में टीबी के 3036 मरीज है। इन मरीजों का उपचार किया जा रहा है। इन मरीजों को नियमित रूप से दवा का सेवन के लिए प्रेरित करने 1586 निक्षय मित्र पंजीकृत किये गए है। इनके द्वारा टीबी के मरीजो से सतत संपर्क एवं संवाद कर उन्हें नियमित रूप से दवा एवं पौष्टिक आहार लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। टीबी के मरीजों को जन सहयोग से फूड बास्केट भी प्रदाय किये जा रहे है। वर्ष 2025-26 में जिले के 2740 टीबी मरीजों को फूड बास्केट प्रदाय किये जा चुके है। फूड बास्केट में मरीजों को पौष्टिक खाद्य सामग्री प्रदाय की जाती है, जिससे मरीज जल्द स्वस्थ हो सके।

होली की आहट से बाजारों में रौनक, रंग-गुलाल और खास पिचकारियों से सजी दुकानें

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जैसे-जैसे रंगों का त्योहार होली नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे शहर में उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिल रहा है। बाजारों में रौनक बढ़ गई है और जगह-जगह रंग-गुलाल, पिचकारियों व होली से जुड़े सजावटी सामान की दुकानें सज चुकी हैं। इस वर्ष बाजार में पारंपरिक रंगों के साथ-साथ हर्बल और विशेष सुगंधित गुलाल की भी मांग देखी जा रही है। बच्चों के लिए कार्टून थीम, टैंक और प्रेशर गन जैसी आकर्षक पिचकारियां उपलब्ध हैं, जो खासा आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। इसके अलावा होली मुकुट, रंगीन चश्मे और थीम आधारित एक्सेसरीज़ भी बाजार में नई रंगत घोल रही हैं।

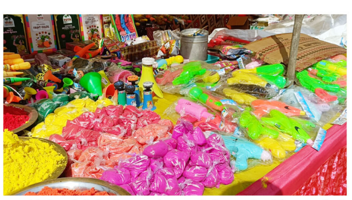

रंगों के पर्व होली की आहट के साथ ही शहर के बाजार सजने लगे हैं। रंग-गुलाल, पिचकारियां, मुखौटे और आकर्षक मुकुटों से दुकानें गुलजार हैं। दुकानदारों का कहना है कि इस बार कुछ विशेष रंगों, खिलौनों और मुकुटों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है, फिर भी ग्राहकों का उत्साह बरकरार है और खरीदारी अभी से शुरू हो गई है। हर वर्ष की तरह इस बार भी सामाजिक संस्थाएं और जागरूक नागरिक केमिकल-मुक्त रंगों के उपयोग की अपील कर रहे हैं, ताकि त्वचा और पर्यावरण पर दुष्प्रभाव न पड़े। बाजार में प्राकृतिक और सुगंधित गुलाल की मांग बढ़ती दिखाई दे रही है। जिले में होली का त्योहार विशेष उमंग के साथ मनाया जाता है। शहर के अलग-अलग चौक-चौराहों और गली-मोहल्लों में होलिका दहन की तैयारियां चल रही हैं। यहां होली का उत्सव करीब पांच दिनों तक अलग-अलग मान्यताओं और परंपराओं के साथ मनाया जाता है। पहले दिन होलिका दहन के साथ रंगों की धूम शुरू होती है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में कीचड़ होली तक भी देखी जाती है। फागुन गीतों की गूंज से माहौल और भी रंगीन हो उठता है। ग्रामीण अंचलों से लेकर शहर तक रंग-गुलाल की बौछार के बीच लोग अपने-अपने अंदाज में त्योहार मनाते हैं। शहर में तरह-तरह की डिजाइन वाली पिचकारियां, रंगीन मुखौटे और अलग-अलग शेड के गुलाल ग्राहकों को आकर्षित कर रहे हैं। दुकानदारों के मुताबिक, जैसे-जैसे तिथि नजदीक आएगी, बाजार की रौनक और बढ़ेगी। दुकानदारों का कहना है कि त्योहार नजदीक आते ही ग्राहकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। खासकर बच्चों और युवाओं में नई डिजाइन की पिचकारियों और विशेष रंगों को लेकर उत्साह दिखाई दे रहा है। शहर में होली की तैयारियां जोरों पर हैं और बाजारों की चहल-पहल यह संकेत दे रही है कि इस बार भी रंगों का यह पर्व पूरे उल्लास और उमंग के साथ मनाया जाएगा।

पीजी कालेज में विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट का आयोजन आज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट द्वारा माय भारत पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकृत छात्र-छात्राओं के लिए 50 इयर्स ऑफ इमरजेंसी ,लेसंस ?ॉर इंडियन डेमोक्रेसी विषय पर विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2026 का आयोजन 27 फरवरी शुक्रवार को किया गया

है। प्रातः 09:30 बजे महाविद्यालय के वर्चुअल हॉल में यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में संपन्न होगा।कार्यक्रम की मुख्य थीम 50 इयर्स ऑफ इमरजेंसी ,लेसंस फॉर इंडियन डेमोक्रेसी卐 भारतीय लोकतंत्र के इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं से सीख लेते हुए युवाओं में संवैधानिक मूल्यों, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एवं लोकतांत्रिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूकता विकसित करने पर केंद्रित है।इस अवसर पर सभी पंजीकृत प्रतिभागी निर्धारित विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। प्रत्येक प्रतिभागी को तीन मिनट का समय दिया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक चेतना, संसदीय परंपराओं की समझ, तार्किक चिंतन, प्रभावी अभिव्यक्ति एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करना है।महाविद्यालय परिवार ने सभी प्रतिभागियों से आग्रह किया है कि वे अपने वक्तव्य का पूर्वाभ्यास कर निर्धारित तिथि एवं समय पर अनिवार्य रूप से उपस्थित हों।यह आयोजन युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं से जोड़ते हुए उन्हें जागरूक, जिम्मेदार एवं सक्रिय नागरिक के रूप में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लॉजी, जिला बालाघाट

आम सूचना

क्रमांक/0064/अपील/2025-26

अपीलार्थी अमित कुमार पिता भाऊराम जाति कलार निवासी ग्राम घोटीघुसमारा तहसील लॉजी जिला बालाघाट (म0प्र0)......अपीलार्थी

विरूद्ध

01. उत्तरवादी श्रीमति दमयंती पति मयाराम मुरकुटे जाति कलार निवासी ग्रांम वार्ड नम्बर 02 आवास कालोनी लॉजी तहसील लॉजी जिला बालाघाट (म0प्र0)
02. श्रीमति निरजा पति गिरिश दुरूगकर जाति कलार निवासी वार्ड नम्बर 32 निर्मल नगर बालाघाट तहसील व जिला बालाघाट (म0प्र0)
03. श्रीमति रुपलता खानोरकर पति जयप्रकाश खानोरकर जाति कलार निवासी ग्राम वार्ड नम्बर 13 सुन्दरटोला लॉजी तहसील लॉजी जिला बालाघाट (म0प्र0)...................उत्तरवादी

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि अमित कुमार पिता भाऊराम जाति कलार निवासी ग्राम घोटीघुसमारा तहसील लॉजी जिला बालाघाट (म0प्र0) अधिनस्थ न्यायालय का राजस्व प्रकरण कमांक /0087/अ-27/ वर्ष 2024-2025 मौजा साडरा में पारित आदेश दिनांक 28.03.2025 से परिवेदित होकर म0प्र0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 44 (1) के तहत् अपील आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त अपील आवेदन पत्र में जिस किसी को भी आपत्ती हो तो वह इस इश्तेहार जारी होने के दिनाक से प्रकरण में नियत आगामी दिनांक 11/03/2026 के पूर्व अथवा उक्त दिनांक को अपनी आपत्ति अभिभाषक के माध्यम अथवा लिखित रूप से न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि पश्चात प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक **20.02.2026** को मेरे हस्ताक्षर व पद मुद्रा से जारी किया गया ।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व
लांजी जिला बालाघाट (म.प्र.)

समर्थ ढेंगरे ने रेलवे वेस्टर्न जोन मुंबई में ग्रहण किया कार्यभार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के एक ओर होनहार बेटे इंजीनियर समर्थ(बाबी) ढेंगरे का भारतीय रेल विभाग वेस्टर्न जोन मुंबई में जूनियर इंजीनियर के पद पर चयन हुआ है,यहा चयन के बाद की सारी औपचारिकता

पूर्ण कर उन्होंने अपने पद का प्रभार संभाल लिया है। बता दें कि समर्थ की प्रारंभ शिक्षा मेथोडिस्ट मिशन इंग्लिश स्कूल,10,12 वी बालाघाट इंग्लिश स्कूल, नागपुर के रायसोनी कालेज में इंजीनियरिंग में बीई एवं जीईटी की परीक्षा उत्तीर्ण कर आईआईटी दिल्ली से एम टेक (मेकेनिकल) में उत्तीर्ण किए, इंजीनियर समर्थ द्वारा इस सफलता के लिए श्रेय तथागत बुद्ध,बोधिसत्व डा.बाबासाहेब आंबेडकर एवं सभी महापुरुषों की प्रेरणा,सभी गुरुजन,वरिष्ठ,माता पिता का आशीर्वाद तथा निरंतर अभ्यास को दिया गया है। विदित हो कि इंजीनियर समर्थ दि बुद्धिस्ट सोसायटी आफ इंडिया मप्र राज्य शाखा केअध्यक्ष डॉ. चरनदास ढेंगरे के छोटे सुपुत्र हैं,जो बचपन से मेघावी रहे।इनके चयन होने पर धम्म संस्था दि बुद्धिस्ट सोसायटी आफ इंडिया,समस्त आंबेडकर बौद्ध समाज, परिवार, सभी स्नेही साथियों में हर्ष की लहर व्याप्त हैं।इनकी सफलता पर संस्था के धर्मेंद्र कुरील पूर्व प्रदेश सचिव, प्रदेश उपाध्यक्ष हेमलता डोंगरे, आरके कटाने प्रदेश सचिव, राजकपूर कामडे प्रदेश सचिव, अशोक कुमार मेश्राम जिलाध्यक्ष,महेश सहारे प्रदेश अध्यक्ष आदिवासी गोवारी समाज बालाघाट एवं सभी पदाधिकारी,प्रमिला चौहान कोषाध्यक्ष,जिला उपाध्यक्ष खुशियाल मेश्राम,देवानंद रंगारे-शैलेश सुखदेवे, जिला सचिव एनके मेश्राम, केके भालाधारे, आरडी देशभरतार, जिला शाखा एवं सभी तहसील शाखाओं के सभी पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त किया है।

Happy Birthday

सबकी प्यारी
प्रिंसा ठाकुर
को आज 27 फरवरी 2026
को 05 वें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाऐं

श्रीमती जानकी-जीएस नगपुरे (नानी-नाना)
शैल-बीजी ठाकुर (दादी-दादा)
प्रिंसी - प्रवीण ठाकुर (मम्मी-पापा)
डॉ. मिनल नगपुर (मौसी)
व समस्त स्नेहीजन बालाघाट मण्डला

निविदा

जनपद पंचायत खैरलांजी काम्पलेक्स में नव-निर्मित दुकान क्रमांक 01 से 25 तक की ई-टेण्डर/नीलामी की कार्यवाही की जा रही है। जिसमे निर्धारित शर्तो के अनुसार नीलामी की कार्यवाही में सम्मिलित होने वाले समस्त निविदाकार को सूचित किया जाता है कि प्रमाणित दस्तावेजो सहित mptenders पोर्टल (www.mptenders.gov.in) पर ऑनलाईन निविदाये दिनांक 26/02/2026 से 18/03/2026 को सायं 5:30 बजे तक समस्त आवश्यक जानकारी सहित ऑनलाईन टेण्डर कर सकते है। निविदाये दिनांक 19/03/2026 को अपरान्ह 01:00 बजे ज.पं. कार्यालय खैरलांजी में खोली जावेगी। निविदा सामग्री का विवरण ऑनलाईन पोर्टल (www.mptenders.gov.in) पर उल्लेखित होगा। जनपद पंचायत काम्पलेक्स में निर्मित दुकानों से संबंधित निविदा संबंधी अन्य जानकारी / विवरण कार्यालयीन समय में जनपद पंचायत कार्यालय खैरलांजी से प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत खैरलांजी

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

गबन प्रकरणों व ई-पैक्स क्रियान्वयन पर अहम निर्णय

डीएलआईएमसी बैठक में बैंक की वित्तीय स्थिति

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर एवं बैंक प्रशासन श्री मृणाल मीना की अध्यक्षता में 26 फरवरी को जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की जिला स्तरीय मॉनिटरिंग एवं समन्वय समिति (डीएलआईएमसी) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में बैंक की वित्तीय स्थिति एवं अन्य प्रशासनिक विषयों पर गहन चर्चा कर आवश्यक निर्णय पारित किए गए। इस दौरान जिले के अंतर्गत

विभिन्न सहकारी समितियों में गबन/धोखाधड़ी की राशियों के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई। सभी लंबित प्रकरणों में राशि की वसूली सुनिश्चित करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। बैठक में ई-पैक्स (श्व-क्लष्टर) के अंतर्गत नवीन गठित समितियों को ईआरपी आईडी उपलब्ध कराने, समितियों में समस्त कार्य रियल टाइम में संचालित करने तथा निर्धारित समयावधि में 93 पैक्स को ई-पैक्स घोषित किए जाने पर प्रोत्साहन राशि प्रदान करने का निर्णय लिया गया। इस संबंध में नाबार्ड द्वारा संस्था प्रबंधक एवं डाटा ऑपरेटर को ढाई-ढाई हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान किए जाने की स्वीकृति दी गई, जिसे प्रशासक एवं कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा अनुमोदित किया गया। बैठक में प्रशासनिक पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन एवं सहकारी समितियों के सुदृढ़ीकरण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक बालाघाट के सीईओ अभिनव सिंह बघेल, उपायुक्त सहकारिता राजेश उईके तथा प्रबंधक (लेखा) पी. जोशी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

4 आरोपी गिरफ्तार : कब्जे से 7 टायर, 65 लिटर डीजल, 3 सबमर्सिबल पंप जप्त

बालाघाट पुलिस ने चोरी के तीन अलग-अलग मामलों में चोरी का किया खुलासा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना नवेगांव एवं लामता पुलिस ने चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए 3 अलग-अलग प्रकरणों का सफलतापूर्वक खुलासा किया है। पुलिस ने कुल 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी का माल एवं वारदात में प्रयुक्त वाहन जप्त किए हैं।

टायर चोरी का खुलासा-7 टायर जप्त,एक आरोपी गिरफ्तार

24 फरवरी को आवेदक दिलीप बनोटे एवं कमलेश उर्फ कमल किशोर बनोटे निवासी ग्राम खुरसोड़ी एवं नैतरा निवासी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी दुकानों से मोटरसाइकिल एवं स्कूटी के नए टायर चोरी हो गए हैं।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले और संदिग्धों की तलाश की। जांच के दौरान एक संदिग्ध युवक को मोटरसाइकिल से टायर ले जाते पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपी ने चोरी करना स्वीकार किया।गिरफ्तार आरोपीअभिषेक कुथे 19 वर्ष ग्राम मौदा थाना किरनापुर निवासी से

7 नग टायर जिनमे 6 मोटरसाइकिल 1 स्कूटी के जप्त किये गये।घटना में प्रयुक्त स्कूटी भी जप्त की गई।

जप्त टायरों की कीमत कुल कीमत लगभग 35 रुपये बताई गई है।

डीजल चोरी का भी खुलासा-65 लीटर डीजल जप्त-दो गिरफ्तार

25 फरवरी को ग्राम कोसमी निवासी मुकेश माहुले ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि सुबह ट्रक के टैंक से डीजल चोरी करते दो व्यक्तियों को उसने देखा था। पूछताछ के दौरान आरोपी फरार हो गए थे।पुलिस टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी किया गया 65 लीटर डीजल एवं घटना में प्रयुक्त स्कूटी जप्त की गई। इस मामले में शेख हाशिम 21 वर्ष,रोहित उर्फ हरेश भुरे 20 वर्ष दोनों वार्ड नं. 04 बैहर चौकी बालाघाट निवासी को गिरफ्तार किया गया। जिससे जप्त 65 लीटर डीजल की कीमत 6 हजार रुपये औरस्कूटी सहित कुल कीमत लगभग 36हजार रुपये बताई गई।

लामता पुलिस ने किया सबमर्सिबल मोटर पंप चोरी का खुलासा:3 पम्प जप्त

25 फरवरी को ग्राम ढुटी निवासी खुमराज राहंगडाले ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि अज्ञात व्यक्ति ने पंप हाउस का ताला तोड़कर सबमर्सिबल मोटर पंप चोरी कर लिया।

जांच के दौरान संदेही सुकदेव हिरवाने 30 वर्ष मोतेगांव थाना लामता निवासी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। जिसने सबमर्सिबल पम्प चोरी करना स्वीकार किया।

जिसकी निशानदेही पर 3 सबमर्सिबल मोटर पंप और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जप्त की गई।जिनकी कुल कीमत लगभग 1लाख 70 हजार रुपये बताई गई हैं।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी लामता निरीक्षक नितिन पटले, थाना प्रभारी नवेगांव (ग्रामीण) उपनिरीक्षक अमित अग्रवाल सहित पुलिस टीम के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नाराज कलेक्टर ने ताबड़तोड़ आदेश दिये।।

सुपरवाईजर फिल्ड भ्रमण कर एएनएम के कार्यों की निगरानी करें

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीणा ने सीएचएमओ को निर्देशित किया कि हेल्थ सुपरवाइजर, एमपीडब्लू तथा एलएचव्ही के साथ पृथक से बैठक कर इनका फिल्ड भ्रमण का कार्यदायित्व तय करें एवं उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। जिससे उनकी विभाग में जिम्मेदारी तय कर उनके कार्य का साताहिक विश्लेषण किया जा सकें। गर्भवती माताओं के पंजीयन एवं डाटा एंट्री में संतोषजनक कार्य नही किये जाने पर बालाघाट की एएनएम रीना रंगारी एवं ए श्रीवास्तव, मझगांव परसवाडा की एएनएम लीना लिल्हारे, कटंगी की एएनएम ज्योति नागदेवे, परसवाडा की एएनएम शीला उइके, मोरवाही किरनापुर की एएनएम यमुना कर्राहे, लालबर्रा की एएनएम श्रीमती तांबे, किरनापुर की एएनएम नीतकला गौतम एवं बैहर की एएनएम हरला गोस्वामी के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए।

इस दौरान बताया गया कि 01 अप्रैल 2025 से 24 फरवरी 2026 तक जिले में 27 हजार 128 गर्भवती माताओं का पंजीयन किया गया है। इनमें से 660 गर्भवती माताओं को हाईरिस्क वाली माताओं के रूप में चिन्हित किया गया है। 01 अप्रैल 2025 से 24 फरवरी 2026 तक जिले में 22 हजार 561 शिशुओ का जन्म हुआ है और इनकी अनमोल पोर्टल पर एंट्री की गई है। इन शिशुओ के स्वास्थ्य परीक्षण एवं टीकाकरण के लिए एएनएम एवं आशा कार्यकर्ता द्वारा होम विजिट की जा रही है। बैठक में सिकल सेल जांच एवं टीबी के मरीजों के उपचार की भी समीक्षा की गई।

कलेक्टर श्री मीना ने बैठक में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया कि त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए खाद्य सामग्री विक्रय करने वाले

प्रतिष्ठानों की सतत जांच की जाए और खाद्य सामग्री के नमूने परीक्षण के लिए प्रयोगशाल भेजे जाए। इसी प्रकार औषधि निरीक्षकों को निर्देशित किया गया कि वे नियमित रूप से जिले में संचालित मेडिकल स्टोर्स की जांच करे और नियमों का उल्लंघन पाये जाने पर मेडिकल स्टोर्स के लायसेंस निरस्त करने की कार्यवाही करें।

बच्चों के पोषण स्तर पर निगरानी रखी जाए

महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यो की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने बाल विकास परियोजना अधिकारियों को निर्देशित किया कि गंभीर कुपोषित बच्चों के उपचार एवं उन्हें कुपोषण से बाहर निकालने पर विशेष ध्यान दिया जाए। चिन्हित गंभीर कुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्रो में भर्ती कराया जाए। पोषण पुनर्वास केंद्रो का कोई भी बेड खाली नही रहना चाहिए। जो बच्चें कुपोषण की श्रेणी से बाहर आ गए है उनका नियमित रूप से फालोअप लिया जाए। 03 से 06 वर्ष आयु के सभी बच्चों के पोषण स्तर पर पोषण ट्रेकर एप्प के माध्यम से निगरानी रखी जाए। जिले में एक ही परिसर में स्थित आंगनवाडी एवं प्राथमिक शाला की मैपिंग कर आंगनवाडी के 03 से 06 वर्ष आयु के बच्चों को शाला पूर्व शिक्षा दिलाने के निर्देश दिये गए। इस दौरान बताया गया कि जिले की 69 हजार 284 बच्चों को शाला पूर्व शिक्षा दी जा रही है। इनमें से 11 हजार 803 बच्चें स्कूल जा रहे है।

चिकित्सकों एवं स्टॉफ की जियोलॉजिकल लोकेशन के साथ उपस्थिति दर्ज की जाए

आयुष विभाग के कार्यो एवं गतिविधियों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने आयुष चिकित्सकों एवं स्टॉफ की जियोलॉजिकल लोकेशन के साथ संस्था में उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने जिले की सभी आयुष संस्थाओं में आयुष जन आरोग्य समिति गठित करने एवं संस्था में उपचार के लिए आने वाले मरीजों से निर्धारित न्यूनतम शुल्क लिये जाने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री मीना ने कहा कि आयुष संस्थाओं में प्रतिदिन उपचार कराने वाले मरीजों का डाटा एकत्र किया जाए, जिससे यह पता लगाया जा सकेगा कि आयुष ओपीडी प्रारंभ होने से जिला एवं खण्ड चिकित्सालय की ओपीडी में मरीजों की संख्या में कितनी कमी आयी। जिला आयुष अधिकारी को निर्देशित किया गया कि जिले में बन रहे आयुष संस्थानों के भवनों का नियमित रूप से निरीक्षण करे और उनकी गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दे। इस दौरान बताया गया कि जिले के सभी 56 आयुष्मान आरोग्य मंदिर में जनआरोग्य समिति का गठन कर लिया गया है और उनके खाते खुलवाए जा चुके है। जिले की आयुष संस्थाओं में नवम्बर माह में 26 हजार, दिसम्बर माह में 31 हजार 712 एवं जनवरी 2026 में 30 हजार 64 मरीजों का उपचार किया गया है।

2 दिवसीय प्रवास पर बालाघाट पहुचे पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह

पार्टी कार्यकर्ताओं से मिले विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुऐ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह दो दिवसीय प्रवास पर गुरुवार को बालाघाट पहुंचे। बालाघाट प्रवास के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री ने किरनापुर, वारासिवनी, लालबर्रा और बालाघाट मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं से मुलाकात कर संवाद किया। संगठन की स्थिति और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने का आव्हान किया।वही आगामी चुनाव को देखते हुए उन्होंने कार्यकर्ताओं से अभी से सक्रिय होकर बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त करने पर जोर दिया।तो वही स्थानीय विभिन्न मद्दों को जोर शोर से उठाने, मिलजुलकर काम करने, पार्टी व संगठन को मजबूत बनाकर नए सदस्य जोड़ने की भी बात कही।वही स्थानीय मुद्दों से लेकर प्रदेश व देश के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर,आम जनता को पार्टी की रीति नीति से अवगत कराकर, अधिक से अधिक सदस्य बनाने पर जोर दिया।सर्किट हाउस और विधायक अनुभा मुंजारे के निवास पर पहुचजर पार्टी पदाधिकारियों से मुलाकात कर कुछ से विश्राम किया और भरवेली के लिए रवाना हो गए।हालांकि बालाघाट प्रवास के दौरान

उन्होंने मीडिया को कोई बयान नही दिया बताया गया वे 27 फरवरी शुक्रवार को बालाघाट नगर में रहेंगे और पूर्व से निर्धारित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे।इस दौरान ही उनके मीडिया से मुलाकात किए जाने की भी बात कही जा रही है।

दिग्गी राजा आज विभिन्न कार्यक्रमों में होंगे शामिल

प्राप्त जानकारी के अनुसार पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह 27 फरवरी की सुबह करीब 10.30 बजे जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरसवार के निवास स्थान पर पहुंचकर सौजन्य भेंट देंगे। इसके बाद सुबह करीब 11.30 बजे वे कार से प्रस्थान कर बैहर तहसील के ग्राम सोनगुड्डा पहुंचेंगे, जहां पर पंचायत कांग्रेस समिति का गठन और मनरेगा बचाओ अभियान के बारे में जानकारी देंगे। दोपहर करीब 3 बजे सोनगुड्डा से प्रस्थान कर शाम करीब 4 बजे बैहर पहुंचेंगे।जहा सर्किट हाउस बैहर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं से संवाद कर कान्हा नेशनल पार्क के लिए रवाना होंगे, जो नेशनल पार्क के किसली रेस्ट हाउस में विश्राम करेंगे।जिसके उपरांत अगली सुबह वे अपने आगामी कार्यक्रम के लिए बालाघाट से प्रस्थान करेंगे।

एकलव्य विद्यालय बैहर एवं उकवा में बनाया जा रहा है हर्बल गार्डन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। विद्यालयीन बच्चों में पोषण, स्वास्थ्य और औषधीय पौधों के प्रति जागरूकता बढाने के उद्देश्य से भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय औषधि पादप बोर्ड द्वारा एकलव्य माडल आवासीय विद्यालयों में पोषण वाटिका (हर्बल गार्डन) की स्थापना की जा रही है। इस योजना के अंतर्गत बालाघाट जिले के एकलव्य माडल आवासीय विद्यालय बैहर एवं एकलव्य माडल आवासीय विद्यालय उकवा में पोषण वाटिका बनायी जा रही है।

जिला आयुष अधिकारी डॉ. मिलिंद चौधरी ने बताया कि एकलव्य माडल आवासीय विद्यालय बैहर में पोषण वाटिका के लिए 300 वर्गमीटर भूखण्ड एवं एकलव्य माडल आवासीय विद्यालय उकवा में 500 वर्ग मीटर भूखंड का चिन्हांकन किया गया है। इसमें से प्रत्येक पोषण वाटिका स्थापना के लिए प्रथम वर्ष में 04 लाख 50 हजार रुपए, द्वितीय वर्ष में 01 लाख 25 हजार रुपए एवं तृतीय वर्ष में 01 लाख 25 हजार रुपए की राशि दी जाएगी। इन पोषण वाटिकाओं में स्वास्थ्य एवं पोषण के उपयोगी सब्जियों, फलों एवं औषधीय पौधों को लगाया जाएगा। इस पोषण वाटिका की सुरक्षा एवं देखरेख विद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा की जाएगी।

सभी न्यायालय परिसरों में हुआ व्यापक सुरक्षा मॉक ड्रिल एवं सघन निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में कानून-व्यवस्था की किसी भी संभावित स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने तथा सुरक्षा व्यवस्था की तत्परता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला पुलिस बालाघाट द्वारा 26 फरवरी को जिले के प्रमुख न्यायालय परिसरों में व्यापक सुरक्षा मॉक ड्रिल एवं सघन निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान बी.डी.डी.एस. टीम ने आवश्यक उपकरणों के साथ जिला एवं सत्र न्यायालय बालाघाट, कटंगी न्यायालय, बैहर न्यायालय तथा वारासिवनी न्यायालय परिसर का गहनता से निरीक्षण किया।

जिला एवं सत्र न्यायालय बालाघाट में सघन जांच

जिला एवं सत्र न्यायालय बालाघाट के संपूर्ण प्रांगण सभी न्यायालय कक्ष (चैंबर्स), कार्यालयों, विधिक सेवा प्राधिकरण भवन, लाइब्रेरी, अभिलेख कक्ष (रिकॉर्ड रूम) एवं बार रूम सहित अन्य स्थानों की बारीकी से तलाशी ली गई। निरीक्षण के दौरान किसी भी प्रकार का विस्फोटक या ज्वलनशील पदार्थ

प्राप्त नहीं हुआ और पूरा परिसर सुरक्षित पाया गया।निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (नक्सल अभियान) राकेश पंद्रो, सीएसपी मयंक तिवारी एवं थाना कोतवाली का पुलिस स्टाफ उपस्थित रहा। इसी प्रकार कटंगी न्यायालय में एसडीओपी कटंगी विवेक शर्मा उपस्थित रहे। बैहर न्यायालय में थाना प्रभारी बैहर जयंत मर्सकोले पुलिस बल सहित मौजूद रहे।

मॉक ड्रिल के दौरान रहक्क का अभ्यास

मॉक ड्रिल के दौरान संदिग्ध वस्तु की पहचान, परिसर की घेराबंदी, सुरक्षित निकासी तथा आपातकालीन प्रतिक्रिया की मानक कार्यप्रणाली का अभ्यास कराया गया। न्यायालयीन स्टाफ को भी आपात स्थिति में बरती जाने वाली सावधानियों एवं सुरक्षा उपायों की जानकारी दी गई।जिला पुलिस बालाघाट द्वारा इसी प्रकार की सुरक्षा समीक्षा एवं मॉक ड्रिल समय-समय पर आयोजित की जाती रहेंगी, ताकि किसी भी आपात परिस्थिति में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

शिक्षकों की कमी से पहली चरण में असर, अर्थशास्त्र विषय में धीमी रफ्तार

बोर्ड परीक्षाओं के बीच मूल्यांकन कार्य शुरू

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं का सिलसिला लगातार जारी है। इसी बीच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन का कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार अभी मूल्यांकन का प्रथम चरण ही शुरू हुआ है, लेकिन शिक्षकों की कमी के कारण कार्य प्रभावित होता नजर आ रहा है। सूत्रों के मुताबिक, परीक्षा ड्यूटी में लगे अधिकांश शिक्षक सुबह की पाली में परीक्षा केंद्रों पर अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। ऐसे में अपेक्षित संख्या में शिक्षक मूल्यांकन केंद्रों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। विभाग को मूल्यांकन कार्य के लिए पर्याप्त शिक्षकों की उपलब्धता में कठिनाई महसूस हो रही है। बताया जा रहा है कि प्रथम चरण में विशेष रूप से अर्थशास्त्र विषय की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन पर असर पड़ा है। समय पर पर्याप्त मूल्यांकनकर्ता उपलब्ध नहीं होने से प्रक्रिया की गति धीमी हुई है।

22 फरवरी से जिले में कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य प्रारंभ हो चुका है। फिलहाल प्रथम चरण में कक्षा 12वीं के चार विषय अंग्रेजी, भौतिक शास्त्र, अर्थशास्त्र और कृषि संकाय की कॉपियों का मूल्यांकन किया जा रहा है। विभागीय सूत्रों के अनुसार, अभी दोनों कक्षाओं की बोर्ड परीक्षाएं भी जारी हैं, जिसके कारण मूल्यांकन कार्य को अपेक्षित

गति नहीं मिल पा रही है। जिन शिक्षकों को परीक्षा केंद्रों में ड्यूटी पर लगाया गया है, उन्हीं शिक्षकों को मूल्यांकन का दायित्व भी सौंपा गया है। एक ही समय में दो जिम्मेदारियां होने के कारण मूल्यांकन प्रभावित हो रहा है।

अर्थशास्त्र विषय में सबसे ज्यादा असर

सूत्रों की मानें तो कक्षा 12वीं के अर्थशास्त्र विषय के मूल्यांकन में सबसे अधिक धीमापन देखने को मिल रहा है। मूल्यांकन केंद्रों पर इस विषय के शिक्षक बहुत कम संख्या में पहुंच रहे हैं, जिसके कारण कॉपियों की जांच की रफ्तार लगभग नगण्य है। विभाग का कहना है कि परीक्षा कार्य समाप्त होते ही संबंधित शिक्षक पूरी तरह मूल्यांकन में लग सकेंगे, जिससे कार्य में तेजी आएगी।

कड़ी निगरानी में हो रहा मूल्यांकन

जिस प्रकार परीक्षा केंद्रों पर नकल रोकने के लिए सख्त इंतजाम किए गए हैं और मोबाइल सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण प्रतिबंधित किए गए हैं, उसी तरह मूल्यांकन केंद्रों पर भी सख्ती बरती जा रही है। मूल्यांकन कक्ष में मोबाइल फोन ले जाना प्रतिबंधित है और पूरा कार्य सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में कराया जा रहा है, ताकि पारदर्शिता और गोपनीयता बनी रहे।

जल्द शुरू होगा 10वीं का मूल्यांकन

जानकारी के अनुसार, जल्द ही कक्षा 10वीं की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन भी शुरू किया जाएगा। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि जैसे ही परीक्षाओं का दौर समाप्त होगा, मूल्यांकन कार्य स्वत: ही रफ्तार पकड़ लेगा और निर्धारित समयसीमा में परिणाम जारी करने का प्रयास किया जाएगा।

अल्पप्रवास पर लालबर्रा पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

विश्राम गृह में पुर्व मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों से की भेट, कार्यकर्ताओं को दिया एकजुटता का मंत्र

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह का गुरूवार को शाम 4 बजे लालबर्रा आगमन हुआ। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का विश्राम गृह पहुंचने पर कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। जिसके बाद विश्राम गृह में आयोजित मुलाकात के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने क्षेत्र भर से पहुंचे कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से बारी-बारी से मुलाकात की और उन्होंने कार्यकर्ताओं का हाल-चाल जाना और संगठन की गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की। वहीं कार्यकर्ताओं से कहा कि वर्तमान समय में संगठन को और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता है, सभी एकजुट होकर जनता के बीच जाये और संगठन को मजबूत करें। वहीं उपस्थित कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों ने भी पुर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को अपनी समस्या एवं मांगों से अवगत करवाया। जिसमें यूथ कांग्रेस के पदाधिकारियों ने पूर्व मुख्यमंत्री को एक मांग पत्र सौंपा है और शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा का नाम पूर्व जिला पंचायत सभापति स्वर्गीय पंडित भीकमचंद शर्मा के नाम पर करने की मांग की गई है। जिस पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कार्यकर्ताओं को आश्वस्त किया कि वे इस मांग को पूरा करवाने का हरसंभव प्रयास करेंगे। विश्राम गृह में कार्यकर्ता व पदाधिकारियों से मुलाकात करने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री का काफिला पांढरवानी सरपंच अनीस खान के निवास पहुंचा। जहां उन्होने परिजनों से भेंट कर उनका हाल-चाल जाना, जिसके बाद वे बालाघाट के लिए रवाना हो गये।

वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं से सौजन्य भेंट

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह वरिष्ठ कांग्रेसी ज्ञानचंद शर्मा के निवास स्थान पहुंचे जहां उन्होने ज्ञानचंद शर्मा सहित अन्य वरिष्ठ कांग्रेसियों से सौजन्य भेंट (मुलाकात कर) उनका हाल-चाल जाना। इस दौरान उपस्थित कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का आत्मीय स्वागत कर सम्मान किया। जिसके बाद वरिष्ठ कांग्रेसियों के साथ बैठकर पूर्व मुख्यमंत्री ने पार्टी की गतिविधियों और स्थानीय मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर लांजी पूर्व विधायक सुश्री हीना कावरे, वरिष्ठ कांग्रेसी ज्ञानचंद शर्मा, दीपक अग्रवाल, शिवकुमार गोलछा, पूर्व जिला पंचायत सदस्य मधुसूदन शर्मा, ढालसिंह बिसेन, प्रदीप ढांडे, विनोद सोनी, बालकृष्ण बिसेन, प्रशांत चंद्रवार सहित अन्य कांग्रेसीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

संगठित है हमारा संगठन - दिग्विजय

म.प्र. के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने बताया कि यह मेरा एक निजी पारिवारिक दौरा था और काफी समय बाद लालबर्रा आया हूं। इस अवसर पर स्थानीय कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात की और क्षेत्र की राजनीतिक स्थिति का जायजा लिया। श्री सिंह ने बताया कि कार्यकर्ताओं ने कई महत्वपूर्ण विषय उनके समक्ष रखे हैं, जिन्हें वे गंभीरता से देख रहे हैं। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री से कार्यकर्ताओं के संगठित नही होने की बात कही गई तो उन्होने कहा कि सभी एकजुट है, यदि कही कोई मनमुटाव की स्थिति आती भी है तो हम उसका समाधान मिलकर निकाल लेते है, कांग्रेस पार्टी का संगठन संगठित है।

ये रहे उपस्थित-

पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह के स्वागत के अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष, बैहर विधायक संजय उइके, बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, पूर्व सांसद बोधसिंह भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार, अनुपसिंह बैस, ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा अध्यक्ष मनीराम भोयर, खमरिया मंडल अध्यक्ष दमनसिंह राहंगडाले, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर, उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र ढांडे, पांढरवानी सरपंच अनीस खान, किसान कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष मुनेन्द्र ठाकरे, उपाध्यक्ष दिनेश मरार, नगर कांग्रेस अध्यक्ष अमीनुद्दीन हन्फी, शैलेष सोनी, विधायक प्रतिनिधि सुमित स्वामी, शैलेष केकती, कमल शांडिल्य, संतोष पांडे, पप्पू गोंड, देवराज ठकरेले, अशोक जैन, जुगल भैरम, आशीष बिसेन सहित कांग्रेस पार्टी के समस्त विंगों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

लालबर्रा महाविद्यालय का नाम स्व. पं. भीकमचंद शर्मा के नाम करने की मांग की

यूथ कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। क्षेत्रीय विकास और शिक्षा के क्षेत्र में दानदाताओं के सम्मान को लेकर एक बार फिर स्वर मुखर होने लगे हैं। 26 फरवरी को अल्पप्रवास पर लालबर्रा पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री, राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह से कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुलाकात की। इस दौरान युथ कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने पुर्व मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा का नामकरण क्षेत्र के प्रमुख दानदाता स्व. पंडित भीकमचंद शर्मा के नाम पर करने की मांग की है। वहीं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन के माध्यम से पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को अवगत करवाया कि वर्ष 2014 के उच्चतम न्यायालय के नियमानुसार, यदि कोई दानदाता किसी शैक्षणिक संस्थान के लिए भूमि दान करता है, तो उस संस्थान का नामकरण संबंधित दानदाता के नाम पर किया जाना चाहिए। चूंकि लालबर्रा महाविद्यालय के लिए भूमि स्व. पंडित भीकमचंद शर्मा के परिवार द्वारा दान की गई थी। अतः नियमतः महाविद्यालय का नाम उनके नाम पर होना चाहिए। साथ ही यह भी कहा कि इस मामले में राजनीति भी गरमाई हुई है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि पूर्व में वर्तमान विधायक और समिति अध्यक्ष द्वारा विधानसभा सत्र के दौरान इस मुद्दे को उठाया गया था। आरोप है कि भारतीय जनता पार्टी के नेताओं द्वारा कूटनीतिक तरीके से महाविद्यालय का नाम पंडित दीनदयाल उपाध्याय करने का प्रयास किया गया। इस प्रयास के विरूध्द अनिल शर्मा एवं शर्मा परिवार ने माननीय आयुक्त उच्च शिक्षा विभाग एवं उच्च न्यायालय गये थे। जिसके बाद न्यायालय ने संज्ञान लेते हुए इस प्रस्ताव पर स्थगन दे दिया है। इसलिए हम सभी की मांग है कि लालबर्रा शासकीय महाविद्यालय का नाम स्व. पंडित भीकमचंद शर्मा के नाम होना चाहिए। ज्ञापन सौंपने के दौरान यूथ कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष अंकित पिपलोद, पिछड़ा वर्ग कांग्रेस जिलाध्यक्ष मनीष कुशवाहा, दीपक तोमर, ओपी बिसेन, रोहित सांखला, पप्पू यादव, सिध्दार्थ खंडाते, रविन्द्र उइके सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

निःशुल्क लर्निंग लाइसेंस पाकर महिलाओं के चेहरे खिले, बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणजन

बम्हनी में 'संकल्प से समाधान' शिविर का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। परिवहन विभाग द्वारा संचालित संकल्प से समाधान अभियान के तहत गुरूवार को ग्राम पंचायत बम्हनी में एक विशाल शिविर का आयोजन किया गया। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी दूर स्थित इस ग्राम में आयोजित शिविर में क्षेत्रीय ग्रामीणों का भारी उत्साह देखने को मिला, जहां सैकड़ों की संख्या में आवेदकों ने पहुंचकर अपनी समस्याओं और दस्तावेजों का निराकरण करवाया गया। इस अवसर पर बम्हनी, अमोली, अतरी, घोटी, टेंगनीकला, देवरी और ददिया ग्राम के बडी संख्या में ग्रामीणजन पहुंचे और लोगों ने लर्निंग लाइसेंस बनाने के लिए आवेदन किया। जिसके बाद परिवहन विभाग के द्वारा दस्तावेजों की जांच की और तकनीकी प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद महिलाओं का निःशुल्क लर्निंग लाइसेंस बनाया गया एवं टु व्हीलर व फोर व्हीलर वाहन के लिए पुरूष वर्ग से शुल्क लेकर लर्निंग लाइसेंस बनाया गया एवं 15 दिवस के अंदर हेवी लाइसेंस बनाकर दिये जायेगें। वहीं परिवहन विभाग के द्वारा संकल्प से समाधान शिविर के माध्यम से महिलाओं के लिए विशेष सौगात शासन की मंशा के अनुरूप चलाया जा रहा है। इस अभियान में महिला सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया गया। शिविर में उपस्थित महिलाओं के लिए लर्निंग लाइसेंस के आवेदन पूरी तरह निःशुल्क भरे गये। आयोजित शिविर में टू-व्हीलर (दोपहिया) के लिए पुरूष वर्ग से 275 रूपये, फोर व्हीलर के लिए 425 रूपये का शुल्क का भुगतान ऑनलाईन के माध्यम से करवाया गया। इस तरह के शिविरों से ग्रामीणों को जिला मुख्यालय के चक्कर काटने से मुक्ति मिल रही है और उनके काम गांव में ही पारदर्शी तरीके से हो रहे हैं। चर्चा में बम्हनी सरपंच बीआर ढबाले ने बताया कि संकल्प से समाधान अभियान के तहत पंचायत भवन में गुरूवार को परिवहन विभाग के द्वारा एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महिलाओं की लर्निंग लाइसेंस निःशुल्क एवं पुरूष वर्ग से टु-व्हीलर के लिए निर्धारित 275 रूपये, फोर व्हीलर के लिए 425 रूपये ऑनलाईन शुल्क लिया गया है। बड़ी संख्या में बम्हनी, अमोली सहित अन्य ग्राम के युवा, महिलाएं व ग्रामीणजनों ने लर्निंग लाइसेंस बनाये है। साथ ही उन्हे अन्य योजनाओं की भी जानकारी दी गई है। इस अवसर पर परिवहन विभाग जबलपुर एवं बालाघाट के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

चलित मृदा परीक्षण वैन से 200 किसानों की मिट्टी का हुआ निःशुल्क मृदा परीक्षण

किसानों की मृदा का हुआ परीक्षण, वितरित किये गये मृदा स्वास्थ्य कार्ड

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी दूर ग्राम पंचायत खमरिया स्थित जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक शाखा खमरिया के बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित में बुधवार को इफ्को के सौजन्य से एक वृहद मृदा परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में इफको द्वारा संचालित चलित मृदा परीक्षण वैन के माध्यम से क्षेत्र के लगभग 200 किसानों की कृषि भूमि की मिट्टी का निःशुल्क परीक्षण कर उन्हें मौके पर ही मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किये गये। चर्चा में संस्था प्रबंधक एम.पी. ठाकरे ने बताया कि जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित शाखा खमरिया के अंतर्गत आने वाली विभिन्न समितियों के किसानों ने निःशुल्क मृदा परीक्षण शिविर में अपने-अपने खेतों की मिट्टी का प्रशिक्षण करवाया है। जिसमें मुख्य रूप से खमरिया, चिल्लौद, मांझापुर, निलजी, नेवरगांव वा, डोकरबंदी, बल्हारपुर और गारापुरी समिति के कृषकों के खेतों की मिट्टी की जांच की गई। वहीं मिट्टी परीक्षण के पश्चात विशेषज्ञों ने मिट्टी में मौजूद पोषक तत्वों की जानकारी साझा की और आवश्यक उर्वरकों के संतुलित उपयोग की सलाह किसानों को दी है। वहीं इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से इफको के जिला अधिकारी वैदिक अगाध एवं क्षेत्रीय अधिकारी रत्नेश शुक्ला उपस्थित रहे। उन्होने किसानों से सीधा संवाद करते हुए कृषि भूमि से जुड़ी समस्याओं का समाधान बताया। अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि वैज्ञानिक पध्दति से खेती करने और मिट्टी की सेहत के अनुसार खाद डालने से न केवल लागत कम होगी, बल्कि पैदावार में भी गुणात्मक सुधार आयेगा। इस मृदा परीक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने में स्थानीय बैंक और समिति के अधिकारियों का विशेष योगदान रहा। वहीं उपस्थित किसानों ने इफको की इस पहल की सराहना करते हुए इसे खेती के भविष्य के लिए अत्यंत लाभकारी बताया है। इस अवसर पर मुख्य रूप से दीपक देशमुख शाखा प्रबंधक, एस.डी. बोपचे पर्यवेक्षक, एल.पी. सोनगड़े, एम.पी. ठाकरे संस्था प्रबंधक, युगलकिशोर बिसेन, आर.एस. बोरकर, विनोद ठाकरे एवं बी.के. राणा सहित समिति के समस्त कर्मचारी, क्षेत्र के प्रगतिशील कृषक एवं ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

गढ़वाल समाज की बैठक संपन्न, विभिन्न बिन्दुओं पर की गई चर्चा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत पनबिहरी स्थित गढ़वाल समाज मंगल भवन में गत दिवस गढ़वाल समाज की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। यह बैठक समाज के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में लालबर्रा क्षेत्र के विभिन्न मंडलों में होने वाली गतिविधियों सहित संगठन को मजबूत करने एवं समाजोत्थान सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई और आगामी कार्यक्रमों की रणनीति तैयारी की गई है। उल्लेखनीय है कि समाज की संरचना ग्राम समिति, मंडल एवं अखिल भारतीय स्तर पर महासभा के रूप में संगठित है। समाज का सर्वोंच निकाय 'अखिल भारतीय गढ़वाल महासभा' है, देशभर में समाज के 52 मंडल कार्यरत हैं, जिनका मूल आधार बालाघाट-सिवनी क्षेत्र को माना जाता है। वहीं बैठक का मुख्य उद्देश्य लालबर्रा एवं वारासिवनी क्षेत्र के मंडलों को जोड़कर 'लालबर्रा क्षेत्रीय गढ़वाल समाज' का गठन करना रहा। वहीं प्रस्तावित समिति में लालबर्रा अंतर्गत पांढ़रवानी, बोरी, नगपुरा, गर्रा, कनकी तथा वारासिवनी अंतर्गत वारासिवनी, धानीटोला एवं बेनी मंडलों को शामिल करने का सुझाव रखा गया है। कार्यक्रम संयोजक राजेश नागवंशी ने बैठक का उद्देश्य के बारे में उपस्थितजनों को अवगत करवाते हुए कहा कि क्षेत्रीय स्तर पर एक समन्वित समिति बनने से मंडलों के बीच तालमेल, कार्यक्रमों का बेहतर संचालन एवं समाजहित के निर्णयों के क्रियान्वयन में गति आयेगी। साथ ही उपस्थित प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखे और अधिकांश ने क्षेत्रीय समिति की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की है। वहीं बैठक के दौरान कटंगटोला निवासी लिखीराम हरिन्द्रवार ने लालबर्रा-वारासिवनी के मंडलों को मिलाकर क्षेत्रीय समिति बनाने का खुलकर विरोध किया। साथ ही यह भी कहा कि लालबर्रा क्षेत्र में पूर्व से पांच मंडलों की एक पंजीकृत ब्लॉक समिति कार्यरत है, उनका कहना था कि नई क्षेत्रीय समिति बनाने के स्थान पर उसी संरचना को विस्तारित कर अन्य मंडलों उसमें आकर जुड़ जाये। इस पर संयोजक राजेश नागवंशी ने कहा कि उनके साथ हुई पूर्व चर्चा में क्षेत्रीय समिति गठन पर सहमति बनी थी और उसी आधार पर बैठक आहूत की गई है। फिर अब वे विरोध क्यों कर रहे है, यह बात समझ से परे है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उद्देश्य किसी संस्था का विरोध नहीं, बल्कि व्यापक समन्वय स्थापित करना है। वहीं लालबर्रा क्षेत्र ऐतिहासिक रूप से गढ़वाल समाज के अधिवेशनों के लिए सुविख्यात रहा है। बड़ी पनबिहरी की अमराई में पूर्व में दो-दो एवं तीन-तीन दिवसीय अधिवेशन आयोजित होते रहे हैं, जिनमें पारित प्रस्तावों की पुस्तिकाएं भी प्रकाशित की जाती थीं। ऐसे में यहां क्षेत्रीय समिति गठन की पहल को समाज की संगठनात्मक परंपरा का विस्तार माना जा रहा है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से भुनेन्द्र सिलेकर (मंडल अध्यक्ष बोरी), सदाशिव भारद्वाज (मंडल अध्यक्ष कनकी), प्रदीप सुर्यवंशी, शिवलालअजीत, राजेन्द्र गोलेश्वर (प्रभारी मंडल अध्यक्ष, धानीटोला), तरूण बनवारी (मंडल अध्यक्ष वारासिवनी), अनिल ब्रम्हे (पूर्व मंडल अध्यक्ष, पांढ़रवानी), सुनील ब्रम्हे, अनिरूध्द बेलजी, पद्युमन बघेल (मंडल सचिव नगपुरा), कन्हैयालाल धानेश्वर (मंडल अध्यक्ष नगपुरा), राजेन्द्र ब्रम्हे, धर्मेन्द्र बनवाले, प्रहलाद बनवाले, शरद धानेश्वर (पूर्व मंडल सचिव, पांढ़रवानी), राजकुमार अजीत (मोहगांव-जाम), विष्णुदास ब्रम्हे (बघोली), हरिशंकर बनवारी उर्फ मुन्ना (नगपुरा), पीतमलाल, नितिन बनवाले (नेवरगांव), मुकेश सिल्हारे (नेवरगांव), आनंदमूर्ति नागेश्वर (मंडल सचिव गर्रा), मनीष गोलू ब्रम्हे (छोटी पनबिहरी), विकास स्वामी (छोटी पनबिहरी) एवं अरूण गोयल सहित विभिन्न मंडलों का प्रतिनिधि एवं स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का नगर आगमन हुआ

बालाघाट से मेरा आत्मीय लगाव रहा है- दिग्विजयसिंह

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर में २६ फरवरी को मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मुख्यमंत्री राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह का नगर आगमन हुआ। श्री सिंह का यह आगमन पारिवारिक निजी एवं राजनीतिक रूप से रहा। जिसमें वह बालाघाट से सीधे सड़क मार्ग होते हुए वारासिवनी पहुंचे। जहां उनके द्वारा पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष धवल मॉडल के निवास पर पहुंचकर पारिवारिक जनों से मुलाकात कर श्री मॉडल के जेष्ठ पुत्र के द्वितीय पुण्यतिथि पर शोक व्यक्त किया। तत्पश्चात श्री मॉडल के निवास से उनका काफिला सीधे विधायक जनसंपर्क कार्यालय पहुंचा। जहां कांग्रेसियों के द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री श्री सिंह का स्वागत किया गया। जहाँ उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर नवीन ऊर्जा भरने का कार्य किया। इसके बाद यह काफिला वारा के लिये रवाना हुआ तो दीनदयाल चौक पर सर्व ब्राह्मण समाज के द्वारा काफिला रुकवा कर दिग्विजय सिंह का स्वागत कर राज्य सभा सांसद निधि देने के लिए आभार व्यक्त किया गया। इसके बाद यह काफिला सीधे वारा निवासी स्व.उमाशंकर धार्मिक के निवास पर पहुंचा जहां। श्री सिंह के द्वारा छायाचित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित कर श्री सिंह का काफिला लालबर्रा के लिए रवाना हो गया। इस अवसर पर बैहर विधायक व कांग्रेस जिला अध्यक्ष संजय उइके ,पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष सुश्री हिना कावरे ,बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ,जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार ,पूर्व सांसद बोधसिंह भगत ,जिला पंचायत सदस्य लोमहर्ष बिसेन, सेवादल जिलाध्यक्ष रेश्मा कुमरे ,अनुपसिंह बैस, स्वप्निल डोंगरे सहित अन्य कांग्रेसीजन मौजूद रहे।

प्रेसवार्ता में बोले पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह

विधायक जनसंपर्क कार्यालय में कार्यकर्ताओं में पूर्व सीएम राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह के द्वारा ऊर्जा का संचार करने के बाद प्रेस वार्ता को संबोधित किया गया। जिसमें श्री सिंह के द्वारा कहाँ कि बालाघाट से मेरा आत्मीय संबंध रहा है वहीं जिले की किसी ग्राम पंचायत में कांग्रेस कमेटी की बैठक में जाकर देखने की कैसा चल रहा है। इसी के साथ हिना कावरे के भाई के विवाह धवल मॉडल के बेटे के देहांत में मैं नहीं आ पाया था और अलग अलग मुझे जाना था तो यह सोचकर पारिवारिक निजी कार्यक्रम ज्यादा राजनीति कार्यक्रम कम है।

सरकार एक हाथ से जेब का पैसा निकाल रहे हैं दूसरे हाथ से डाल रहे है

दिग्विजय सिंह ने कहाँ कि राज्यसभा सीट से हटाने के मायने मेरे लिए है कि नए लोगों को अब मौका मिलना चाहिए। मैं पांच बार विधायक दो बार लोकसभा सांसद दो बार राज्यसभा सांसद रहा अब नए लोगों को आगे आना चाहिए। आगे जहां पार्टी कहें वहां मैं काम करूंगा। लाड़ली बहन योजना की बात यह है कि एक हाथ से जेब का पैसा निकाल रहे हैं दूसरे हाथ से डाल रहे हैं। आज प्रदेश में बिजली की दरें देखें कितना बिल आ रहा है कमलनाथ जी के समय बिजली के बिल ३०० रूपये तक आते थे आज हजारों रुपए आ रहे हैं। उसी के साथ किसानों के हाथ को भी आप देखे कि उनकी बिजली की कीमत बढ़ती जा रही है, खाद महंगा हो रहा है कृषि उपज की कीमत कम हो रही है एमएसपी पर खरीदी हो नहीं पा रही। यह केवल एक प्रचार तंत्र है योजना में बेनिफिट डालते हैं खाते में जबकि योजना तो कांग्रेस पार्टी की थी हम लागू नहीं कर पाए नुकसान तो कुछ होता है।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता जिनको पार्टी मैं सब मिला वह पार्टी छोड़कर चले गये

श्री सिंह ने कहाँ कि किसको मालूम था कि ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसे वरिष्ठ कांग्रेस नेता जिनको पार्टी मैं सब मिला वह पार्टी छोड़कर जाएंगे साथ में विधायकों को भी लेकर जाएंगे। जिस प्रकार का एक राशि का आवंटन करोड़ों में हुआ यह उम्मीद नहीं की जा सकती। एप्स्टीन फाइल का जवाब तो मोदी जी देंगे फाइल में उनके बारे में आया है उनके पेट्रोलियम मंत्री का उल्लेख है। राजनीतिक मंच की बात नहीं है जहां संगठन का काम होता है मैं एक कार्यकर्ता हूं इसलिए साथ बैठता हूं। वह एक पब्लिक मीटिंग थी राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे जी वहां आए थे इसलिए वहां बैठना उचित था।

हमारे देश के हर व्यक्ति की जानकारी अमेरिका के पास जा चुकी है

श्री सिंह ने कहाँ कि एआई सबमिट बुलाई गई देश की सबसे बड़ी पूंजी डाटा है सबसे ज्यादा डाटा भारत के पास है यह जनसंख्या पर निर्भर करता है। वह डाटा अमेरिका को बेचा गया आज आपके बैंक खाते में कितना पैसा है कौन से बैंक में आपका खाता है । आपका आधार कार्ड यह सभी जानकारी अमेरिका के पास जा चुकी है। इसको लेकर हम आंदोलन प्रदर्शन भी नहीं कर सकते क्या और आंदोलन करने कोई जगह निश्चित है तो वह बताएं।

गरीब और अमीर की खाई को बांटने की आवश्यकता है

श्री सिंह ने कहां की मुफ्त की रेवड़ी ना कहे जहां आवश्यकता होती है गरीबों के हित में देना चाहिए। यह मुफ्त की रेवड़ी नहीं है संविधान में भी है कि गरीब अमीर की खाई को बांटने की आवश्यकता है। आज गरीब अमीर की खाई बढ़ती जा रही है गरीब और गरीब अमीर और अमीर हो रहा है। देश के २०० परिवार ऐसे हैं जिनके पास देश की ४० प्रतिशत संपत्ति है। ऐसी हालत में आवश्यकता इस बात की है कि जो गरीब है उन्हें कैसे आगे लाकर शिक्षित कर रोजगार दे यह सरकार का प्रयास होना चाहिए। पत्रकार प्रोटेक्शन एक्ट अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू हो इसके पक्ष में हम हैं।

ट्रक की टक्कर से सीसीटीवी कैमरा पोल क्षतिग्रस्त

नगर पालिका ने चालानी कार्यवाही कर छोड़ा ट्रक

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के जयस्तंभ चौक पर लगे सीसीटीवी कैमरे और पोल को अज्ञात ट्रक के द्वारा टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया गया। मौके पर पुलिस के द्वारा ट्रक को रुकवाकर नगर पालिका को घटना की जानकारी दी गई। जिस पर नगर पालिका अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा मौका निरीक्षण कर ट्रक मालिक से समझौता कर चालानी कार्यवाही कर २६ फरवरी को ट्रक को छोड़ दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर क्षेत्र में लगातार अपराधीक गतिविधियां तेज हो गई थी। जिसमें अपराधियों को पकड़ना असंभव होता जा रहा था और समय समय पर चौक चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने की मांग की जा रही थी। जिस पर नगर पालिका परिषद के द्वारा नगर को सीसीटीवी कैमरो की सौगात दी गई। जिसमें विभिन्न चौक चौराहों पर यह सीसीटीवी कैमरे लगाए गए जिसका कंट्रोल रूम पुलिस थाने में रखा गया। जिसका बीते दिनों १२ फरवरी को लोकार्पण किया गया था। ऐसे में २५ फरवरी की दरमियानी रात ट्रक क्रमांक एमपी ५० जेड़ ई ७२३५ मार्ग से आ रहा था। जो टर्निंग काटते समय जय स्तंभ चौक स्थित सीसीटीवी कैमरे के पोल को टक्कर मार कर तिरछा कर दिया तो वहीं कैमरा भी तोड़ दिया। यह देख आसपास के लोगों के द्वारा ट्रक चालक पर आक्रोश व्यक्त किया गया तो वहीं पुलिस के द्वारा तत्काल ट्रक को थाने के सामने खड़ा करवा दिया। यह नगर पालिका की शासकीय संपत्ति क्षतिग्रस्त करने का मामला होने से घटना की जानकारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्य प्रकाश उके को दी गई। जिसके बाद अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण कर ट्रक को अपनी सुरक्षा में लेकर नगर पालिका के माध्यम से कार्यवाही की गई। इस दौरान इतने बड़े ट्रक में अकेला ड्राइवर होने और हेल्पर नदारत होने की बात को लेकर ट्रांसपोर्टर और थाना प्रभारी पवन यादव के मध्य भी दूरभाष पर हॉटटॉक हुई। अंत में नगर पालिका के द्वारा ट्रांसपोर्टर से समझौता कर चालानी कार्यवाही के बाद ट्रक को छोड़ दिया गया।

इनका कहना हैं

यह मामला रात में ही मुझे संज्ञान में आया तो हमने इसमें ट्रांसपोर्टर से बात की। उन्होंने कहा कि जो भी क्षतिपूर्ति हुई है वह उसे पूरी करेंगे इसमें थाना प्रभारी भी मौके पर आए थे। ट्रांसपोर्टर से जो समझौते वाली बात हुई है जहां भी क्षति हुई है उसकी पूर्ति वह करेंगे। इसमें हमने चालान की कार्यवाही किया है जिसकी राशि वह जमा करने वाले हैं ट्रक को छोड़ दिया गया है।

सूर्य प्रकाश ओके
मुख्य नगर पालिका अधिकारी वारासिवनी

पुलिस ने अव्यवस्थित वाहनों पर की कार्यवाही दी समझाईस

चालानी कार्यवाही से माल वाहक वाहनों में मचा हड़कंप

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के मुख्य मार्ग पर अव्यवस्थित एवं अवैध रूप से खड़े होकर यातायात बाधित कर रहे वाहनों पर पुलिस के द्वारा कार्यवाही कर समझाइस देने का कार्य किया गया। यह कार्यवाही पुलिस प्रशासन के द्वारा दीनदयाल चौक से नेहरू चौक के मध्य मुख्य मार्ग पर भ्रमण कर किया गया। तो वहीं डायल ११२ एवं पुलिस वाहन के माध्यम से विभिन्न सड़कों का भ्रमण कर लोगों को समझाइस दी जाती रही। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर में कहीं भी कभी भी नगरवासी सहित ट्रांसपोर्ट संचालकों के द्वारा छोटे बड़े सभी प्रकार के वाहनों को खड़ा कर दिया जाता है। इसमें कुछ वाहन थोड़ी देर खड़े रहते हैं तो कुछ लंबे समय तक खड़े रहते हैं और कई बार दुर्घटनाएं एवं यातायात भी बाधित होता है। ऐसे में बढ़ते सड़क हादसों की रोकथाम के लिए वारासिवनी पुलिस के द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन पर थाना प्रभारी पवन यादव के नेतृत्व में नगर के विभिन्न सड़कों का भ्रमण कर किया गया। जिसमें नेहरू चौक ,जय स्तंभ चौक, सहित अन्य स्थानों पर अनियंत्रित एवं अव्यवस्थित रूप से खड़े वाहन पर चालानी कार्यवाही की गई। तो वहीं निजी वाहन चालकों को समझाइस भी दी जाती रही। इसी के साथ नगर के रामपायली रोड, बालाघाट रोड,लालबर्रा रोड,कटंगी रोड पर डायल ११२ एवं पुलिस वाहन के द्वारा भ्रमण कर माइक के माध्यम से वाहनों को हटाने के लिए निर्देशित किया गया। इस दौरान लोगों को समझाइस देने के साथ ही अगली बार कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई। इस कार्यवाही के दौरान देखने में आया कि माल वाहक वाहनों पर हुई कार्यवाही के चलते नगर के विभिन्न स्थानों पर मालवाहक वाहन मालिकों में हड़कंप मच गया। जो अपने वाहनों को स्वयं ही हटाकर सुरक्षित स्थान पर खड़ा कर दिया तो वही नगर के मुख्य मार्ग से सभी माल वाहक वाहन कुछ समय के लिए नदारत नजर आयें। इसी के साथ मार्ग किनारे निवासरत लोगों के द्वारा सड़क या डिवाइडर के पास वाहन को खड़े नही करने के लिए समझाइस दी जाती रही। इस प्रकार पुलिस प्रशासन के द्वारा पूरे नगर का भ्रमण कर दुर्घटना की संभावनाओं को समाप्त करने के प्रयास के साथ करीब आधा दर्जन वाहनों पर चालानी कार्यवाही भी की गई। इस अवसर पर पुलिस प्रशासन मौजूद रहा।

6 वाहनों पर की चालानी कार्यवाही बाकि को समझाइस दी-पवन यादव

थाना प्रभारी पवन यादव ने बताया कि आज यह रूटीन प्रकिया के तहत पूरे नगर का भ्रमण किया गया है। इसमें यह जो नेहरू चौक के आसपास और मुख्य मार्ग पर अवैध रूप से वाहन लगाए जाते हैं। जिस कारण से मार्ग में यातायात बाधित होता है वहीं किसी भी समय सड़क पर वाहनों को खड़ा कर लोडिंग अनलोडिंग की जाती है। ऐसे वाहनों पर चालानी कार्यवाही की गई है वहीं अन्य वाहन मालिकों को ऐसे स्थान पर वाहन खड़ा ना करने के लिए समझाइस दी गई है की उनके वाहन खड़े करने से आवागवन बाधित ना हो। इस दौरान ६ वाहनों पर चालानी कार्यवाही की गई है और यह कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी। ताकि नगर के विभिन्न स्थानों पर यातायात बाधित नही हो दुर्घटना की स्थिति ना बने।

बिसापुर गांव में तेंदुए का हमला आंगन में आकर तेंदूआ ने घायल किया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कटंगी वन परिक्षेत्र में आने वाले ग्राम बीसापुर में तेंदुए के हमले में एक व्यक्ति घायल हो गया। 25 फरवरी की रात 8ः30 बजे करीब यह घटना उस समय हुई जब यह व्यक्ति खाना खाने के बाद अपने घर के सामने टहल रहा था। घायल व्यक्ति दिनेश पिता दिलीप उइके के 28 वर्ष को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। इस घटना के बाद इस ग्राम बीसापुर में दहशत का वातावरण निर्मित हो गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनेश अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता है। 25 फरवरी की रात्रि 8ः30 बजे करीब दिनेश घर में खाना खाने के बाद आंगन में टहल रहा था इस समय अचानक बस्ती में वन्य प्राणी तेंदुआ पहुंचा और दिनेश पर हमला कर दिया।

तेंदुए ने दिनेश के सिर पर पंजे से वार किया और जबड़े से उसके दाहिने हाथ की कलाई पकड़ ली। अचानक हुए हमले से दिनेश ने जोर-जोर से चिल्लाना शुरू कर दिया। उसकी आवाज सुनकर उसका भाई पवन सिंह तुरंत मौके पर पहुंचा और शोर मचाया। हल्ला-गुल्ला सुनते ही तेंदुआ मौके से भाग गया। इसके बाद मोहल्ले के लोग एकत्र हो गए। तेंदुआ की हमले में घायल दिनेश को 108 एंबुलेंस से कटंगी के अस्पताल में भर्ती किया गया था जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है दिनेश का उपचार जिला अस्पताल में किया जा रहा है।

बढ़ते साइबर अपराध से सुरक्षा के लिए महकेपार में चलाया अभियान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/खैरलांजी। अंचल की बहुउद्देशीय संस्था प्रयास के द्वारा जन जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत साइबर क्राइम विषय पर महकेपार के बाजार चौक प्रांगण में आये दिन बढ़ते हुए साइबर धोखाधड़ी के मामलों को देखते हुए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें सर्वप्रथम अतिथिगणों के द्वारा सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजा.अर्चना की गई। तत्पश्चात उपस्थित अतिथिगणों का संस्था के पदाधिकारियों के द्वारा स्वागत सत्कार किया गया। साथ ही उपस्थित अतिथिगणों ने आये दिन बढ़ते हुए साइबर ठगी के मामलें, मोबाईल के दुरूपयोग एवं अन्य समसामयिक मुद्दों पर अपने अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर युवचंद सोनवाने ,विनोद पंचभाई ,राज राहंगडाले ,दीपक पुष्पतोडे ,दीपक गभने,प्रकाश सोनवाने ,धीरेन्द्र सोनवाने ,मोरेश्वर बाघमारे ,आशीष वासनिक, विनोद भूतांगे, रामकृष्ण परते,सुरेन्द्र गजभियेए ,रंजीत भालेराय,शुभम गेडाम,महेश धुर्वे ,अक्षय खैरे सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

१०० जोड़ो की सीमा खत्म कर सभी गरीब वर्ग को सामूहिक विवाह में शादी करने मिले मौका-विवेक पटेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। महंगाई के इस दौर में चाहे गरीब हो या बीपीएल वाला हो, सब चाहते है कि मेरे बेटा बेटी की शादी सामूहिक विवाह में हो। इस बार सरकार के द्वारा १०० जोड़ो की लिमिट रखी गई है। मेरे विधानसभा क्षेत्र में अगले माह सामूहिक विवाह होना है। मेरे पास क्षेत्र के बहुत से आवेदन आ रहे है। मगर शासन के द्वारा सिर्फ १०० जोड़ो की लिमिट रखी है उस लिमिट को फ्री किया जाए। जितने भी जोड़े सामूहिक विवाह में शादी करना चाहते है उनका आवेदन लिया जाए। ये शासन की अच्छी योजना है इसका लाभ हर गरीब वर्ग के व्यक्ति को मिलना चाहिए। इस महंगाई के दौर में हर गरीब व्यक्ति सामूहिक विवाह में शादी करना चाहता है यह उद्बोधन वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र के विधायक विवेक पटेल ने विधानसभा के बजट में प्रस्तुतीकरण के पश्चात विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष अपनी बात रखी। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवार का सहारा बनी मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत कई गरीब वर्ग के परिवारों को लाभ नहीं पा रहा है। लगातार प्रदेश में बढ़ती महंगाई के कारण ग़रीब वर्ग के लोग अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा नहीं दे रहे है दो वक्त के भोजन के लिए कम उम्र में ही अपने बच्चों को मजदूरी के लिए भेज देते है। जिससे उन्हें दो वक्त का भोजन मिल सके ऐसे में गरीब वर्ग के लोगों को शादी करने के लिए कर्ज लेना पड़ता है और कई बार वे कर्ज भी नहीं चुका पाते। ऐसे में सामूहिक विवाह गरीब वर्ग के लिए एक अच्छी योजना है मगर शासन भी अब उस योजना को धीरे धीरे ग्रहण लगा रही है। हजारों गरीब वर्ग के लोग इस योजना से वंचित रह रहे है ,मगर शासन को इनका थोड़ा भी ख्याल नहीं है। प्रदेश की भाजपा सरकार गरीब वर्ग के साथ नहीं है।

आवश्यकता है
वारासिवनी कार्यालय में केबल में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता
- संपर्क करें -
पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेंड, वारासिवनी

बालाघाट एक्सप्रेस
संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

â^Ø×ß ßÌ ØSØ ÎØ ÎÙá âßÎÐ
·¤×R¤ÏÖ ßàÙ ØSØ â âÏÏ - ·¤‰ØÌ ÕÏÐÐ

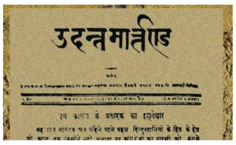

एक महीने के भीतर एक के बाद एक निजी चार्टर्ड विमान हादसों के बाद डीजीसीए द्वारा नियमों को सख्त किया जाना देश के विमानन क्षेत्र को अधिक विश्वसनीय बनाने की दिशा में एक अहम पहल है। जरूरी है कि लगातार निगरानी के जरिये सुधारों की प्रक्रिया को सतत जारी रखा जाए।

वही भरोसा पुनः स्थापित हो

इस देश में विमानन क्षेत्र की वृद्धि जितनी तेजी से हो रही है, उतनी ही चिंताजनक रूप से हादसों की संख्या भी बढ़ रही है। पिछले ही महीने एक विमान हादसे में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का निधन हुआ था और अब झारखंड में एक एयर एंबुलेंस के दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार सभी लोगों की जान चली गई। इसके कुछ ही घंटे बाद अंडमान व निकोबार द्वीप समूह में पवन हंस का एक हेलिकॉप्टर समुद्र में गिर गया, गनीमत है कि इसमें सवार सभी सात लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। ये ऐसे उदाहरण हैं, जो विमानन सुरक्षा की कमजोर कड़ियों को ही उजागर करते हैं। ऐसे में, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा नॉन शेड्यूल्ड ऑपरेटर, जिनमें चार्टर्ड विमान, एयर एंबुलेंस इत्यादि आते हैं, के लिए नियमों को सख्त किया जाना स्वागतयोग्य कदम तो खैर है ही, यह विमानन क्षेत्र को अधिक विश्वसनीय बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल भी है। बेहतर होता कि यह कदम पहले ही उठा लिया जाता। खैर, डीजीसीए का यह कहना महत्वपूर्ण है कि सुरक्षा में चूक के लिए केवल पायलटों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, इसके बजाय संस्थागत स्तर पर भी जवाबदेही तय होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि भारत विश्व के सबसे तेजी से बढ़ते विमानन बाजारों में से एक है, जिसे हवाई यात्रियों की संख्या में निरंतर वृद्धि, नए एयरपोटों के निर्माण और निजी विमानन कंपनियों के विस्तार ने अभूतपूर्व गति दी है। इस तीव्र विस्तार के समानांतर सुरक्षा मानकों का सुदृढ़ीकरण नितांत जरूरी था। दुर्भाग्यवश, हालिया हादसे कहीं न कहीं निगरानी और अनुपालन के स्तर पर शिथिलता का ही संदेश देते हैं। नए नियमों के तहत सुरक्षा को व्यावसायिक हितों से ऊपर रखने और विमानन सेवा संचालकों को विमान की उम्र, रखरखाव की स्थिति व पायलट के अनुभव की जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश महत्वपूर्ण हैं। यह समझना होगा कि विमान हादसे महज आंकड़े नहीं होते, ऐसी हर दुर्घटना के पीछे एक मानवीय त्रासदी छिपी होती है।

इसलिए, सुरक्षा से कोई समझौता स्वीकार्य नहीं हो सकता। यह भी ध्यान रखना होगा कि विमानन क्षेत्र में सुरक्षा कोई एक बार की कार्रवाई नहीं, बल्कि एक सतत प्रक्रिया है। हादसों के बाद नियमों को पहले भी कठोर किया जाता रहा है, लेकिन समय के साथ उनका प्रभाव कमजोर पड़ता जाता है। ऐसे में, डीजीसीए को सतत रूप से निगरानी, संसाधनों की उपलब्धता और ऑडिट की गुणवत्ता सुनिश्चित करनी होगी। विमानन क्षेत्र में विश्वास ही सबसे बड़ी पूंजी है और डीजीसीए के नए नियम लोगों के उसी भरोसे को पुनर्स्थापित करने की दिशा में अहम साबित होंगे, ऐसी उम्मीद की जानी चाहिए।

इसलिए गर्म नहीं हो रही धरती

-डाइटमार मुलर (प्रोफेसर, सिडनी यूनिवर्सिटी)

प्रचलित धारणा है कि धरती के गर्म होने के लिए वाहनों का धुआं, एसी-फ्रिज और औद्योगिक उत्सर्जन जिम्मेदार हैं, पर एक हालिया शोध बताता है कि धरती के तापमान को नियंत्रित करने वाली ताकतें हमारी सोच से कहीं अधिक जटिल हैं, जो पृथ्वी की उत्पत्ति के समय से ही काम कर रही हैं।

हमारी पृथ्वी ने अपने लंबे इतिहास में जलवायु के कई चरम दौर देखे हैं। कभी यह ठिठुरती हुई आइसहाउस बन गई, तो कभी तपते हुए ग्रीनहाउस में तब्दील हो गई। वैज्ञानिक लंबे समय से जलवायु के इन उतार-चढ़ावों का सीधा संबंध वायुमंडल में मौजूद कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा से जोड़ते आए हैं। लेकिन, ताजा शोध ने इस धारणा को नया मोड़ दे दिया है। अब यह पता चला है कि इस कार्बन का स्रोत और इसे नियंत्रित करने वाली ताकतें हमारी पुरानी सोच से कहीं अधिक जटिल हैं।

ऐतिहासिक रूप से अब तक यही माना जाता रहा है कि वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड को घोलने के लिए मुख्य रूप से ये वालामुखी ही जिम्मेदार थे, लेकिन हमारा शोध बताता है कि मध्य समुद्र की पर्वतमालाएं और महाद्वीपीय दरारें, यानी वे, स्थान जहां टेक्टोनिक प्लेटें एक-दूसरे से दूर फैलती हैं, पूरे भूगर्भीय समय के दौरान पृथ्वी के कार्बन हकीकत तो यह है कि पृथ्वी की सतह पर टेक्टोनिक प्लेटों की हलचल जलवायु को आकार देने में एक ऐसी बड़ी भूमिका निभाती है, जिसे अब तक नजरअंदाज किया गया था। कार्बन केवल उन जगहों से नहीं निकलता, जहां प्लेटें आपस में टकराती हैं, बल्कि वे स्थान भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जहां ये प्लेटें एक दूसरे से दूर खिंचती हैं। कम्युनिकेशंस, अर्थ एंड एन्वॉयरन्मेंट जर्नल में प्रकाशित हमारा नया अध्ययन इस रहस्य से पर्दा उठाता है कि पिछले 54 करोड़ वर्षों में पृथ्वी की टेक्टोनिक्स प्लेटों ने वैश्विक जलवायु को गढ़ने में वास्तव में किस तरह मदद की है। जहां पृथ्वी की टेक्टोनिक प्लेटें आपस में टकराती हैं, वहां वालामुखियों की लंबी श्रृंखलाएं बन जाती हैं, जिन्हें वॉल्केनिक आर्क्स (वालामुखीय चाप) कहा जाता है। इन वालामुखियों से जुड़ी पिघलने की प्रक्रिया चट्टानों के भीतर हजारों वर्षों से कैद कार्बन को मुक्त कर देती है और उसे धरती की सतह पर ले आती है।

चक्र को संचालित करने में कहीं अधिक निर्णायक भूमिका निभाती रही हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि दुनिया के महासागर वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड की विशाल मात्रा को सोख लेते हैं और उसे समुद्र तल पर मौजूद कार्बन-समृद्ध चट्टानों के भीतर जमा कर देते हैं। हजारों वर्षों में, यह प्रक्रिया समुद्र की गहराई में सैकड़ों मीटर मोटी कार्बन-समृद्ध तलछट की परतें पैदा कर देती है। जैसे-जैसे ये चट्टानें टेक्टोनिक प्लेटों के साथ पूरी पृथ्वी पर घूमती हैं, वे अंततः सबडक्शन जोन से टकराती हैं। सबडक्शन जोन वे जगहें हैं, जहां प्लेटें आपस में मिलती हैं। यहां पहुंचकर ये चट्टानें अपने भीतर दबे कार्बन डाइऑक्साइड के भंडार को वापस वायुमंडल में मुक्त कर देती हैं। इसे डीप कार्बन साइकिल (गहरा कार्बन चक्र) के रूप में जाना जाता है।

हम टेक्टोनिक प्लेटों पर जमा कार्बन की हलचल को फिर से गढ़कर, पिछले 54 करोड़ वर्षों की प्रमुख ग्रीनहाउस (गर्म) और आइसहाउस (ठंडी) जलवायु परिस्थितियों की सटीक भविष्यवाणी करने में सफल रहे। ग्रीनहाउस काल के दौरान, जब पृथ्वी अधिक गर्म

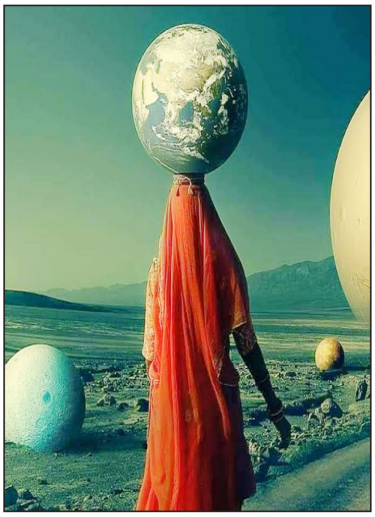

थी, चट्टानों में कैद होने वाले कार्बन की तुलना में वायुमंडल में अधिक कार्बन मुक्त हुआ। इसके विपरीत, आइसहाउस जलवायु के दौरान, महासागरों में कार्बन जमा होने की प्रक्रिया हावी रही, जिससे वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर गिर गया और वैश्विक शीतलन (कूलिंग) की शुरुआत हुई। हमारे अध्ययन का सबसे बड़ा निष्कर्ष यह है कि वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड को नियंत्रित करने में गहरे समुद्र की तलछट की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। जैसे-जैसे टेक्टोनिक प्लेटें धीरे-धीरे खिसकती हैं, वे अपने साथ कार्बन-समृद्ध तलछट ले जाती हैं, जो अंततः सबडक्शन की प्रक्रिया के माध्यम से पृथ्वी के गर्भ में वापस लौट जाती हैं। हम यह स्पष्ट करते हैं कि यही प्रक्रिया यह तय करने वाला सबसे बड़ा कारक है कि पृथ्वी ग्रीनहाउस (गर्म) अवस्था में रहेगी या आइसहाउस (ठंडी) स्थिति में।

ऐतिहासिक रूप से, वालामुखीय चापों से निकलने वाले कार्बन को वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड के सबसे बड़े स्रोतों में से एक माना जाता रहा है। लेकिन, हमारे शोध के अनुसार यह प्रक्रिया पिछले 12 करोड़ वर्षों में ही प्रभावी हुई है, और इसका श्रेय जाता है प्लेक्टिक कैल्सीफायर्स को। ये नन्हे समुद्री जीव फाइटोप्लांकटन परिवार से ताल्लुक रखते हैं, जिनकी मुख्य खूबी घुले हुए कार्बन को कैल्साइट में बदलना है। ये जीव वायुमंडलीय कार्बन की विशाल मात्रा को सोखकर उसे समुद्र तल पर जमा होने वाली कार्बन-समृद्ध तलछट में बदलने के लिए जिम्मेदार हैं।

प्लॅक्टिक कैल्सीफायर्स का विकास लगभग 20 करोड़ साल पहले हुआ था और ये करीब 15 करोड़ साल पहले दुनिया के महासागरों में फैल गए थे। इसलिए, पिछले 12 करोड़ वर्षों में वालामुखीय चापों से वायुमंडल में जो भारी मात्रा में कार्बन निकला है, वह दरअसल इन्हीं नन्हे जीवों द्वारा बनाई गई कार्बन-समृद्ध तलछट का परिणाम है। इससे पहले के कालखंड में हमने पाया कि वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड में मुख्य योगदान मध्य-समुद्र की पर्वतमालाओं और महाद्वीपीय दरारों, यानी वे क्षेत्र, जहां टेक्टोनिक प्लेटें एक-दूसरे से दूर खिंचती हैं, से निकलने वाले कार्बन का था। हमारे ये निष्कर्ष इस बात पर एक नया नजरिया पेश करते हैं कि कैसे पृथ्वी की टेक्टोनिक प्रक्रियाओं ने हमारी जलवायु को गढ़ा है और भविष्य में भी वे इसे प्रभावित करती रहेंगी। ये नतीजे बताते हैं कि पृथ्वी की जलवायु केवल वायुमंडलीय कार्बन से ही संचालित नहीं होती, बल्कि यह पृथ्वी की सतह से होने वाले कार्बन उत्सर्जन और समुद्र तल की तलछट में उनके कैद होने के बीच के जटिल संतुलन से प्रभावित होती है।

यह शोध भविष्य के जलवायु मॉडलों के लिए भी महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, विशेष रूप से बढ़ते कार्बन डाइऑक्साइड स्तर को लेकर वर्तमान चिंताओं के संदर्भ में। अब हम जानते हैं कि हमारे पैरों के नीचे खिसकती टेक्टोनिक प्लेटों से प्रभावित पृथ्वी का प्राकृतिक कार्बन चक्र, ग्रह की जलवायु को नियंत्रित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

भूगर्भीय समय के इस गहरे परिप्रेक्ष्य को समझना हमें भविष्य के जलवायु परिदृश्यों और मानवीय गतिविधियों के निरंतर पड़ने वाले प्रभावों की बेहतर भविष्यवाणी करने में मदद कर सकता है।

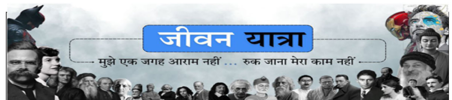

यदि आप हर दिन खुद को केवल एक फीसदी बेहतर बनाने का संकल्प लें, तो साल के अंत तक आप पहले से 37 गुना बेहतर इन्सान बन चुके होंगे। यह प्रमाण है कि आपकी वर्तमान स्थिति आपकी आदतों का ही प्रतिबिंब है।

जेम्स क्लियर

हर दिन थोड़ा-थोड़ा बेहतर होते जाएं

अक्सर हम अपने जीवन में किसी बड़े बदलाव का इंतजार करते हैं, यह सोचकर कि एक चमत्कारी दिन आएगा और सब कुछ बदल जाएगा। लेकिन महानता की नींव उन छोटे-छोटे बदलावों या आदतों में छिपी होती है, जिन्हें हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। ये एटॉमिक, यानी सूक्ष्म आदतें ही हमारे भविष्य की वह ईंटें हैं, जो समय के साथ एक अजेय किले का निर्माण करती हैं।

यदि आप हर दिन खुद को केवल एक फीसदी बेहतर बनाने का संकल्प लें, तो साल के अंत तक आप पहले से 37 गुना बेहतर इन्सान बन चुके होंगे। यह गणितीय सत्य इस बात का प्रमाण है कि आपकी वर्तमान स्थिति आपके चरित्र का अंतिम परिणाम नहीं है, बल्कि आपकी आदतों का प्रतिबिंब है। इसलिए, यदि आप परिणाम को बदलना चाहते हैं, तो लक्ष्यों को छोड़कर अपनी रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करना शुरू करें। एक विजेता और एक हारने वाले, दोनों का लक्ष्य एक ही होता है, लेकिन जीतता वही है, जिसके पास बेहतर योजना होती है। बदलाव की इस यात्रा में सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव है आपकी पहचान। यह कभी न कहें कि मैं यह काम छोड़ने की कोशिश कर रहा हूं, बल्कि यह कहें कि मैं यह काम नहीं करता। जब आप अपनी आदतों को अपनी पहचान से जोड़ लेते हैं, तो अनुशासन बोझ नहीं, बल्कि आपका स्वभाव बन जाता है। इस स्वभाव को बनाए रखने के लिए आपको अपने परिवेश या वातावरण को इस तरह तैयार करना चाहिए कि अच्छी आदतें अपनाना आसान हो जाए और बुरी आदतें मुश्किल। प्रेरणा तो केवल शुरुआत करने के लिए होती है, पर माहौल निरंतरता प्रदान करता है। एक दिन की चूक विफलता नहीं होती, लेकिन बार-बार की चूक आदत को कमजोर कर सकती है। इसलिए नियम यह होना चाहिए कि किसी आदत को अमल में लाने में कभी दो बार चूक न हो। आदतों के निर्माण में दो मिनट का नियम भी एक क्रांतिकारी विचार है। इसके तहत, किसी भी नए काम को इतना छोटा कर दें कि उसे शुरू करने में आपको दो मिनट से कम समय लगे। उदाहरण के लिए, अगर आपकी इछा एक साल में 50 किताबें पढ़ने की है, तो इसे कम करके हर दिन एक पेज पढ़ने का लक्ष्य रखें। यह छोटा-सा कदम उस प्रतिरोध को खत्म कर देता है, जो आपको कुछ नया शुरू करने से रोकता है। एक बार जब आप मैदान में उतर जाते हैं, तो गति अपने आप बन जाती है।

याद रखें कि सफलता कोई मंजिल नहीं, बल्कि एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और आदतें उसे मजबूत बनाती हैं। आज से ही उस एक फीसदी सुधार की ओर कदम बढ़ाएं, क्योंकि बूंद-बूंद से ही सागर भरता है और आपकी एक छोटी-सी सही आदत आपके जीवन की सबसे बड़ी जीत बन सकती है। अपने भीतर के उस एटॉमिक बदलाव को जागृत करें।

एटॉमिक हैबिट्स के अनूदित अंश

सूत्र- छोटी शुरुआत से डरें नहीं

सफलता लक्ष्य पाने में नहीं, बल्कि सही आदतों को विकसित करने में छिपी होती है। जब आप अपने व्यवहार को अपनी पहचान का हिस्सा बना लेते हैं, तो अनुशासन स्वभाव बन जाता है। अनुकूल वातावरण अच्छी आदतों को मजबूत करता है, जबकि छोटी शुरुआत निरंतरता की राह खोलती है।

दूसरा पहलू

यह ऐतिहासिक मामला है, जिसमें पाकिस्तान अपने मूल के बिहारी मुस्लिमों को लेने को, तो बांग्लादेश उन्हें अपनाने को तैयार नहीं है।

बांग्लादेश और बिहारी मुसलमान

तारिक रहमान के बीती 17 फरवरी को बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद से पाकिस्तान ने उससे (बांग्लादेश) रिश्ते सुधारने की कोशिशें तेज कर दी हैं। हालांकि, पाकिस्तान की तरफ से इसकी पहल 2024 में शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद ही शुरू हो गई थी, पर क्या यह दोस्ती बांग्लादेश में फंसे पाकिस्तानी मूल के बिहारी मुसलमानों को वापस ले जाने में मदद करेगी? फिलहाल इसकी कोई उम्मीद नहीं दिखती।

1971 के युद्ध में ज्यादातर बिहारी मुस्लिमों ने पाकिस्तान का साथ दिया। इस कारण स्वतंत्र बांग्लादेश में उन्हें देशद्रोही करार दिया गया।

दरअसल, बिहारी मुसलमानों का यह मुद्दा 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम से गहराई से जुड़ा है। भारत-पाकिस्तान विभाजन के बाद, भारत के बिहार प्रांत, खासकर दरभंगा, पटना और सिवान जिलों, से लाखों उर्दू-भाषी मुसलमान पूर्वी पाकिस्तान (आज का बांग्लादेश) में जाकर बस गए थे। वे पाकिस्तान के प्रति वफादार थे और बंगाली राष्ट्रवाद का विरोध करते थे। 1971 के युद्ध में अधिकांश बिहारियों ने पाकिस्तानी सेना का साथ दिया, जिसके कारण स्वतंत्र बांग्लादेश में उन्हें देशद्रोही करार दिया गया। युद्ध के बाद हजारों की हत्या हुई, और बचे हुए लोगों को राहत शिविरों में ठूंस दिया

गया। वे पाकिस्तान जाना चाहते थे, लेकिन पाकिस्तान ने उन्हें पूरी तरह अपनाने से इन्कार कर दिया। 1971 के बाद लाखों बिहारियों ने पाकिस्तानी नागरिकता की मांग की, लेकिन वे रायविहीन हो गए। आज उनकी संख्या विभिन्न रिपोर्टों में तीन से चार लाख के बीच बताई जाती है। फिर, 1973-74 में भारत, पाकिस्तान व बांग्लादेश के बीच त्रिपक्षीय समझौता हुआ, जिसमें पाकिस्तान ने 1.7 लाख बिहारियों को अपनाया, किंतु 1981 तक केवल 1.63 लाख ही वहां पहुंच सके। जनरल जिया-उल-हक ने 1984 में वादा किया था कि वह उन्हें पाकिस्तान ले जाएंगे, पर यह वादा कभी पूरा नहीं हुआ। 2015 में पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट कहा कि बिहारी मुसलमान अब बांग्लादेश सरकार की जिम्मेदारी हैं। इन्हें स्ट्रैंडेड पाकिस्तानी भी कहा जाता है। 2008 में ढाका हाईकोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले में बिहारी मुसलमानों (खासकर 1971 के बाद जन्मे) को बांग्लादेशी नागरिकता प्रदान की। इससे उन्हें वोट देने जैसे कुछ अधिकार भी मिले, लेकिन व्यावहारिक बदलाव बहुत कम आया। आज भी वे ढाका (जैसे जिनेवा कैंप), फरीदपुर, खुलना, चटगांव आदि के शिविरों में गरीबी, बेरोजगारी और सामाजिक बहिष्कार का शिकार हैं। रेड क्रॉस और कुछ मिशनरी संस्थाएं मदद करती हैं, पर उर्दू भाषा और सांस्कृतिक अंतर के कारण भेदभाव जारी है। अब तक की सभी बातचीत में यह मुद्दा नेपथ्य में ही रहा। यह दक्षिण एशिया का एक अनसुलझा मानवीय संकट बना हुआ है, जिस पर ध्यान देने की जरूरत है।

2008 में ढाका हाईकोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले में बिहारी मुसलमानों को बांग्लादेशी नागरिकता प्रदान की, पर असल में बदलाव बहुत कम आया।

-विवेक शुक्ला

मुद्दा

सुप्रीम कोर्ट का संपत्ति व किरायेदारी कानून को सुदृढ़ करने वाला निर्णय भारतीय संदर्भ में महत्वपूर्ण है, जहां किरायेदारी विवाद दशकों तक चलते हैं।

किरायेदार मकान मालिक नहीं हो सकता

दशकों से भारतीय रियल एस्टेट परिदृश्य पर एक लगातार मंडराता हुआ खतरा बना हुआ है। डर यह है कि कोई दीर्घकालिक किरायेदार एक दिन जागकर उस संपत्ति पर अपना मालिकाना हक जता सकता है. जिसमें वह रह रहा है। इस संदर्भ में संपत्ति और किरायेदारी कानून के मूलभूत सिद्धांतों को सुदृढ़ करने वाला एक ऐतिहासिक फैसला, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने ज्योति शर्मा बनाम विष्णु गोयल और अन्य प्रकरण में दिया है।

यह मामला 1953 में शुरू हुए सत्तर वर्षों से अधिक के किरायेदारी संबंध से जुड़ा हुआ था। इसमें मूल किरायेदार के उत्तराधिकारियों ने मकान मालिक के कानूनी वारिस के स्वामित्व अधिकारों को चुनौती दी थी। मकान मालिक ने वैध रूप से प्रमाणित वसीयत के माध्यम से संपत्ति विरासत में प्राप्त की थी। दो न्यायाधीशों की पीठ ने तीन निचली अदालतों के एकमत निर्णयों को पलटते हुए उन्हें विकृत और मात्र अनुमानों पर आधारित बताया। न्यायालय ने भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की धारा 116 के तहत किरायेदार के विबंधन सिद्धांत का हवाला देते हुए इस बात पर बल दिया कि आधी सदी से अधिक समय तक लगातार किराया भुगतान मकान मालिक के स्वामित्व की स्पष्ट स्वीकृति है। निर्णय में यह भी स्पष्ट किया गया कि बेदखली के मुकदमों में स्वामित्व का प्रमाण, स्वामित्व घोषणा मुकदमों में अपेक्षित कठोर मानकों को पूरा करने की आवश्यकता नहीं है। प्रमाणित वसीयत को कानूनी वैधता प्राप्त होती है। इसे आसानी से खारिज नहीं किया जा सकता। न्यायालय ने अपने फैसले में इस सुस्थापित सिद्धांत का हवाला दिया कि किरायेदार द्वारा पूर्व मकान मालिक द्वारा निष्पादित किरायानामा के माध्यम से किराये की संपत्ति पर कब्जा प्राप्त करने के बाद, वह अपने स्वामित्व को चुनौती नहीं दे सकता। यह सिद्धांत कई पूर्व निर्णयों से समर्थित है। इनमें यह माना गया है कि धारा 116 केवल इस मूलभूत सिद्धांत का विस्तार है कि किसी भी व्यक्ति को एक ही समय में स्वीकृति और अभिस्वीकृति, दोनों की अनुमति नहीं है। यह सिद्धांत संपत्ति संबंधी न्यायशास्त्र में कई नीतिगत उद्देश्यों की पूर्ति करता है। पहला, यह किरायेदारों को संपत्ति विवादों में रणनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए अपने कब्जे की स्थिति का दुरुपयोग करने से रोकता है। दूसरा, यह किरायेदारों को वर्षों के लाभकारी कब्जे के बाद स्वामित्व के बारे में अनिश्चितता पैदा करने से रोककर मकान मालिक-किरायेदार संबंधों में स्थिरता को बढ़ावा देता है। तीसरा, यह मकान मालिकों को उन किरायेदारों द्वारा बंधक बनाए जाने से बचाता है, जो स्वामित्व पर सवाल उठाकर मकान खाली करने से इन्कार कर सकते हैं। चौथा, यह उस संभावित दुरुपयोग को रोकता है, जहां किरायेदार बेदखली से बचने के लिए प्रतिद्वंद्वी स्वामित्व का दावा करने वाले तीसरे पक्ष के साथ मिलीभगत कर सकता है। ज्योति शर्मा मामले के फैसले का एक सबसे उल्लेखनीय पहलू यह है कि सर्वोच्च न्यायालय ने निचली तीन अदालतों परीक्षण न्यायालय, प्रथम अपीलीय न्यायालय व द्वितीय अपील में उच्च न्यायालय के एकसमान निर्णयों में हस्तक्षेप करने की तत्परता दिखाई। सामान्य परिस्थितियों में, सर्वोच्च न्यायालय तथ्यों के एकसमान निष्कर्षों को बदलने में काफी संयम बरतता है, क्योंकि वे तथ्यात्मक निष्कर्षों पर पहुंचने की बेहतर स्थिति में होती है। यह मामला एक ठोस उदाहरण प्रस्तुत करता है कि कैसे सर्वोच्च न्यायालय संविधान के अनुच्छेद 136 के तहत अपने असाधारण अधिकार का प्रयोग करके गलत निर्णयों से उत्पन्न स्पष्ट अन्याय को दूर कर सकता है। यद्यपि कानून में कब्जा सर्वोपरि है, फिर भी दस्तावेजी स्वामित्व और किराये के भुगतान के माध्यम से निरंतर मान्यता स्वामित्व के दावों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण आधार तैयार करती है। भूस्वामियों को सभी स्वामित्व हस्तांतरणों का उचित दस्तावेजीकरण बनाए रखने की सलाह दी जाती है।

-विनय सैलावत

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। कमजोर उठाव के चलते गुरूवार को अनाज मंडी में सोयाबीन घटाकर बोला गया। खाद्य तेलों में नरमी दर्ज हुई। दलहनों में चना 5600 रू. प्रति क्विंटल पर बना रहा। किराना जिंसों में शक्कर मजबूत नज़र आयी। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार सोयाबीन में उठाव की सुस्तता से भावों में नरमी की स्थिति रही। सोयाबीन घटकर 5200 रू. प्रति क्विंटल पर आ गया। खाद्य तेलों में नरमी की स्थिति रही। दलहनों में चना 5600 रू. प्रति क्विंटल पर कमजोर नज़र आया। उधर, किराना जिंसों में शक्कर में ताजा पूछपरख से बाजार बड़त पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4120-4160, खोपरा गोला 320-375, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-260, ऊंझा हल्का 265-275, मीडियम 280-295, बेस्ट 300-310, हल्दी निजामाबाद 275-277, सांगली 283-285, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 760-770, गरबल 725-730, मटरदाना 790-810, खसखस अनक्लीन 1200-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 2000-2100, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरी इलायची शंकर बोल्ड 1675-1775, मीडियम 1825-1875, बेस्ट 1925-2050, एक्ट्रा बोल्ड 2250-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1575-1850, बेस्ट1900-2100, तरबूज मगज 490-550, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 860-900, कैलिफोर्निया 780-795, अखरोट 500-850, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 850-950, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2900-3100, (160) 3300-3500, (200) 3900-4100, (250) 4600-5000

तेल- सींगदाना 1720-1740, मुम्बई 1750, राजकोट तेलिया 2700, सोया साल्वेंट 1275-1280, सोया रिफाइंड 1335-1340, कपास्या 1270, धूलिया 1280, कड़ी 1280,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1700, मुम्बई पाम 1290, मुम्बई सोया 1370-1375,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2325, देवास-उज्जैन 2325, खंडवा-बुरहानपुर 2300, अकोला 3600 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6400-6700, रायडा 5300-5700, सोयाबीन 5200, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5600, एवरेज 5500-5550, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5600-5650, एवरेज 5500-5550, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, हल्की 7000-7100, तुअर महाराष्ट्र 7800-8000, उड़द बेस्ट 8600-8700, एवरेज 8400-8500, शंकर 8200-8300, हल्की 8000-8100,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7500-7800, तुअर दाल सवा नं. 8400-8800, तुअर दाल फूल 10500-10800, तुअर दाल बोल्ड 11500-11700, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 320 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 258000, चॉंदी (99) 257000, टंच 256000, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 157700,

रूपया बढ़त पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया शुरुआती कारोबार में दो पैसे की बढ़त के साथ ही 90.91 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया छह पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.85 पर खुला। डॉलर के कमजोर रुख और विदेशी निवेशकों के निवेश में वृद्धि से घरेलू मुद्रा को बल मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में सत्र की सकारात्मक शुरुआत ने स्थानीय मुद्रा को और मजबूती प्रदान की जबकि वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि तथा भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं ने रुपये की तेज बढ़त को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 90.86 पर खुला। फिर 90.85 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की बढ़त दर्शाता है।

भारतीय शेयर बाजार में मिला-जुला कारोबार

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को मिला-जुला कारोबार हुआ। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के बाद भी मुनाफावसूली हावी होने के कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 27.46 अंक टूटकर 82,248.61 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 14 .05 अंक की हल्की बढ़त के साथ 25,496.55 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान डिफेंस और हेल्थकेयर शेयरों से बाजार को सहारा मिला। निफ्टी इंडिया डिफेंस 1.48 फीसदी और निफ्टी हेल्थकेयर 1.24 फीसदी बढ़कर की तेजी के साथ बंद हुआ। इसके अलावा, निफ्टी फार्मा 1.08 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक 0.95 फीसदी, निफ्टी ऑयलएंडगैस 0.87 फीसदी, निफ्टी ऑटो 0.80 फीसदी, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग 0.78 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.39 फीसदी और निफ्टी इन्फ्रा 0.32 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ। निफ्टी मीडिया 0.68 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी 0.16 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 0.11 फीसदी और

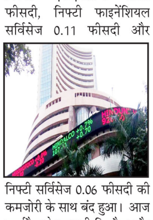

निफ्टी सर्विसेज 0.06 फीसदी की कमजोरी के साथ बंद हुआ। आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप में भी मिला-जुला कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 392.05 अंक की तेजी के साथ 59,798.15 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स एक अंक की हल्की कमजोरी के साथ 17,117.65 पर था। सेंसेक्स पैक के शेयरों में बीईएल, अदाणी पोर्ट्स, सनफार्मा, मारुति सुजुकी, भारती एयरटेल, एसबीआई, टीसीएस, टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, एचयूएल, टाइटन और टेक महिंद्रा के शेयर लाभ में रहे। ट्रेंट, पावरग्रिड, एचडीएफसी बैंक, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, एनटीपीसी, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, आईटीसी, बजाज फिनसर्व, टीएंडटी, एचसीएल टेक और एमएंडएम के शेयर नुकसान में रहे। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुले। सुबह बीएसई सेंसेक्स 82,418 के स्तर पर खुला। वहीं इसी तरह निफ्टी 50 ने भी 25,556 के स्तर पर शुरुआत की। शुरुआती मिनटों में यह 30.15 अंक की बढ़त लेकर 25,512.65 पर कारोबार करता दिखाई दिया। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि सकारात्मक वैश्विक संकेतों के बावजूद निवेशक फिलहाल सावधानी बरत रहे हैं।

भारतीय रेलवे 1 मार्च से बंद कर रहा यूटीएस ऐप, रेलवन ऐप बनेगा नया विकल्प

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय रेलवे ने घोषणा की है कि यूटीएस ऐप (अनरिजर्वड टिकटिंग सिस्टम) को 1 मार्च से बंद कर दिया जाएगा। वर्तमान में यह ऐप यात्रियों को अनारक्षित टिकट, प्लेटफॉर्म पास और सीजन टिकट बुक करने की सुविधा देता है। यूटीएस ऐप बंद होने के बाद यात्री इन सेवाओं के लिए इसे इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। रेलवे ने इसके स्थान पर रेलवन ऐप लॉन्च किया है। यह ऐप यात्रियों को अनारक्षित और रिजर्वेशन टिकट, प्लेटफॉर्म पास, सीजन टिकट और अन्य रेलवे सेवाओं का उपयोग एक ही प्लेटफॉर्म से करने की सुविधा देता है। रेलवन ऐप का इंटरफ़ेस सरल और यूज़र फ्रेंडली है, जिससे नए और मौजूदा दोनों तरह के यात्री इसका लाभ उठा सकते हैं। यात्रियों को नया अकाउंट बनाने की आवश्यकता नहीं है। यूटीएस और आईआरसीटीसी लॉगिन की मदद से सीधे साइनअप किया जा सकता है। ऐप दोनों एंड्रॉइड और आईओएस प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है और इसे निशुल्क डाउनलोड किया जा सकता है। भारतीय रेलवे यात्रियों को कैशलेस यात्रा के लिए प्रोत्साहित करने के लिए रेलवन ऐप से बुक किए गए अनारक्षित टिकटों पर 3 फीसदी की छूट दे रहा है। यह ऑफ़र 14 जनवरी से 14 जुलाई तक मान्य है। यात्री यूपीआई, डेबिट/क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग और डिजिटल वॉलेट के जरिए इसका लाभ ले सकते हैं।

भारत में पर्यटन उद्योग में तेजी, भविष्य में बनेगा वैश्विक खिलाड़ी

हर साल हो रही हैं 303 करोड़ घरेलू यात्राएं, पर्यटकों के लिए कम पड़ रहे हैं होटल

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत में पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है और यह अब केवल सेक्टर नहीं, बल्कि पूरी इंडस्ट्री बन चुकी है। विदेशी और घरेलू दोनों तरह के पर्यटन में वृद्धि हो रही है, जिससे होटलों की मांग बढ़ रही है और उनकी कीमतें भी महंगी होती जा रही हैं। वर्तमान में पर्यटन उद्योग का भारत के जीडीपी में योगदान 5 फीसदी है, जबकि 2047 तक यह 10 फीसदी तक पहुंचने का अनुमान है। इसी अवधि में केवल पर्यटन इंडस्ट्री में 200 मिलियन रोजगार मिलने की संभावना है। दिल्ली के द्वारका में आयोजित एसएटीटीई 2026 (साउथ एशिया ट्रेवल एंड टूरिज्म एक्सचेंज) में 60 से अधिक देशों के 2000 से अधिक प्रदर्शक और 3200 से अधिक ब्रांड हिस्सा ले रहे हैं। इस साल की थीम थी एन ओर्व्च्युनिटी काल इंडिया आयोजन में अजीत बजाज, अध्यक्ष, एडवेंचर टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया और पद्मश्री पुरस्कार विजेता ने पर्यटन के तेजी से बढ़ते क्षेत्र की जानकारी दी। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत आने वाले समय में वैश्विक पर्यटन का सबसे बड़ा खिलाड़ी बनेगा। इन्फॉर्मा मार्केट्स इन इंडिया के एक अधिकारी के अनुसार भारत का पर्यटन क्षेत्र 'ट्रिपल इंजन ग्रोथ' पर बढ़ रहा हैङ्क घरेलू, आउटबाउंड और इनबाउंड। हर साल देश में 303 करोड़ से अधिक घरेलू यात्राएं हो रही हैं, और भारतीयों का विदेश यात्रा खर्च 42 अरब डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है। अनुभव आधारित, आध्यात्मिक और क्षेत्रीय पर्यटन के कारण टियर-2 और टियर-3 शहरों में पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है। बताया जा रहा है कि भारत का पर्यटन केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि लोगों में निहित है। यात्रियों को आज अनुभव और जुड़ाव चाहिए और भारत इसे सबसे बेहतर रूप में प्रदान करता है। 2027 तक भारत का ट्रैवल और टूरिज्म सेक्टर 125 अरब डॉलर के घरेलू बाजार की ओर बढ़ रहा है।

मेष- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक ऊर्जा और खुशियों की सौगात लेकर आ सकता है। आसपास का माहौल हल्का-फुल्का और उत्साह भरा रहेगा, जिससे मन में नई उम्मीदें जागेंगी। कोई अच्छी खबर आपके आत्मविश्वास को और मजबूत करेगी और आपको आगे बढ़ने की प्रेरणा देगी। संतान की पढ़ाई को लेकर चल रही परेशानियों को आप धैर्य और प्यार भरी बातचीत से सुलझाने में सफल रहेंगे। सेहत को लेकर थोड़ी सावधानी जरूरी है, खासकर खान-पान और आराम पर ध्यान दें।

वृषभ- आज का दिन संतोष और सुख का एहसास कराएगा। जो लोग रोजगार या बेहतर अवसर की तलाश में थे, उन्हें कोई अच्छी खबर मिल सकती है। आर्थिक मामलों में ईमानदारी और सही रास्ता चुनना आपके लिए बेहद जरूरी रहेगा, क्योंकि गलत तरीके से कमाया गया धन परेशानी दे सकता है। किसी अजनबी पर भरोसा करके पैसे उधार देने से बचें। ससुराल पक्ष से किसी छोटी बात पर मतभेद हो सकता है, इसलिए संयम रखें।

मिथुन- आज आपको धन से जुड़े मामलों में विशेष सतर्कता बरतनी होगी। कोई भी आर्थिक निर्णय सोच-समझकर लें और उधार देने-लेने से पहले हर पहलू पर विचार करें। यात्रा या बाहर निकलने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है, जो भविष्य में काम आएगी। उच्च अधिकारियों का सहयोग आपको आत्मविश्वास देगा। पुरानी गलतियों से सीख लेकर आगे बढ़ना आपके लिए लाभकारी रहेगा, क्योंकि वही अनुभव आपको सही दिशा दिखाएंगे।

कर्क- आज का दिन खुशियों और संतुलन से भरा रहेगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम और समझदारी का माहौल रहेगा और जीवनसाथी को करियर से जुड़ी कोई अच्छी खबर मिल सकती है। परिवार में किसी सदस्य के विवाह से जुड़ी रुकावट किसी मित्र की मदद से दूर हो सकती है, जिससे घर में उत्साह बढ़ेगा। हालांकि अपने आसपास के लोगों को पहचानना जरूरी होगा, क्योंकि हर मुस्कान सच्ची नहीं होती।

सिंह- आज आपको समाज और कार्यक्षेत्र में मान-सम्मान मिलने के संकेत हैं। हालांकि कोई बड़ी डील अंतिम समय पर अटक सकती है, जिससे थोड़ी चिंता बढ़ेगी, लेकिन धैर्य बनाए रखें। लंबे समय से रुका कोई काम पूरा होने से राहत और खुशी मिलेगी। सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेने से आपकी पहचान और बढ़ेगी। दूसरों की भावनाओं का सम्मान करना आज आपके लिए विशेष महत्वपूर्ण रहेगा।

कन्या- भाग्य आज आपका साथ देता नजर आएगा और परिस्थितियाँ आपके पक्ष में रहेंगी। जीवनसाथी का सहयोग और साथ आपको मानसिक मजबूती देगा। संतान के भविष्य को लेकर मन में थोड़ी चिंता रहेगी, लेकिन सही योजना से स्थिति संभल जाएगी। कामों में सूझ-बूझ दिखाना जरूरी होगा। आसपास किसी विवाद की स्थिति बने, तो उसमें पड़ने से बचें।

तुला- आज का दिन अधूरे कामों को पूरा करने के लिए बेहद अनुकूल है। स्वास्थ्य, खासकर पेट से जुड़ी परेशानी को नजरअंदाज न करें। विद्यार्थियों को पढ़ाई में थोड़ी कठिनाई महसूस हो सकती है, लेकिन निरंतर प्रयास से सुधार होगा। पुराना लेन-देन निपटने से मानसिक बोझ हल्का होगा। जीवनसाथी को खुश करने के लिए आप कोई सरप्राइज प्लान कर सकते हैं।

वृश्चिक- आज आर्थिक मामलों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होगी। खर्चों को नियंत्रित करने के लिए सही योजना बनाना जरूरी रहेगा। अपने शौक और आराम से जुड़ी चीजों पर खर्च बढ़ सकता है और घर के नवीनीकरण का विचार भी बन सकता है। माता की सेहत को लेकर चिंता रह सकती है, इसलिए उनका विशेष ध्यान रखें।

धनु- आज आपको हर काम में धैर्य और संयम रखने की सलाह है। पिताजी की सलाह आपके लिए मार्गदर्शक साबित हो सकती है। संतान की खुशी के लिए आप कोई नई चीज, जैसे वाहन, खरीदने का विचार कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में बॉस की बातों को नजरअंदाज करना नुकसानदेह हो सकता है, इसलिए सावधानी रखें। मन की कोई पुरानी इच्छा पूरी होने से खुशी दोगुनी हो जाएगी।

मकर- आज का दिन आपके लिए निर्णयों और नई शुरुआत का संकेत दे रहा है। अपनी बुद्धिमत्ता और विवेक से लिए गए फैसले आपको आगे बढ़ाएंगे। अपनी जरूरतों और जिम्मेदारियों पर ध्यान देना जरूरी होगा, क्योंकि छोटी लापरवाही भी परेशानी दे सकती है।

कुंभ- आज आपकी निर्णय लेने की क्षमता मजबूत रहेगी और आप अपने कार्यों को आत्मविश्वास के साथ पूरा करेंगे। जरूरतमंद की मदद करने से मन को सुकून मिलेगा। परिवार में चल रही किसी समस्या को बातचीत से सुलझाने में आप महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। संपत्ति से जुड़ा कोई अवसर मिल सकता है और उसके लिए आप लोन लेने का विचार भी कर सकते हैं।

मीन- आज आपको अपनी सेहत को प्राथमिकता देने की जरूरत है और छोटी समस्या को भी नजरअंदाज न करें। कोई व्यक्ति मीठी बातों में फंसाकर आपका नुकसान करने की कोशिश कर सकता है, इसलिए व्यापार में नए लोगों पर तुरंत भरोसा न करें। प्रॉपर्टी से जुड़े काम करने वालों के लिए कोई कानूनी या आधिकारिक फैसला खुशी दे सकता है।

शब्दजाल - 8183

शब्द जाल में 10 विलोम शब्द ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

श	रा	अं	धे	रा	उ	जा	ला	झ	क	चि
खा	ली	भ	रा	रिं	लै	ता	भ	शा	को	चि
ट	र	ह	झि	दा	चि	सिं	हा	र	जी	त
प	म	दा	च	ल	क	ड़	नि	दा	र	प
व	पा	र	स्व	र्ग	न	र्क	चि	स	र	ट
ह	स	प	ए	दा	ह	ला	पू	ड़	न	ती
ट	दू	बु	अ	डी	म	ट	ह	रा	ह	क
बा	र	वा	ला	क	चो	सौ	न	ट	आ	ट
स	थो	तें	व	ह	ज	टी	ने	दा	र	धा
र	ल	प	ति	रं	ट	ऐ	बें	न	रु	थो
त	ड़	म	र्द	औ	र	त	ख	ला	ह	ट

अंधेरा उजाला, लाभ हानि, एडी चोटी, हार जीत, चित पट, पूरा आधा, मर्द औरत, पास दूर, स्वर्ग नर्क, खाली भरा

शब्दजाल - 8182 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

27 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	कुंभ में	मीन	07.15 बजे से
चंद्र	मिथुन में	मेष	08.46 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	10.26 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	12.24 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	14.37 बजे से
शुक्र	कुंभ में	सिंह	16.53 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	19.05 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	21.16 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	23.31 ब.से
		धनु	01.47 बजे से
		मकर	03.52 बजे से
		कुंभ	05.38 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

शुक्रवार 2026 वर्ष का 58 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** एकादशी 22.33 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** आर्द्रा 10.49 बजे को समाप्त। **योग** आयुष्मान 19.44 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 11.33 बजे तदनन्तर विष्टि 22.33 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 9.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 08° 25' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872633 **जूलियन दिन** 2461098.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रमजान **तारीख** 09 **विशेष** आमलकी एकादशी, योगेश्वर दयाल जयंती, चन्द्रशेखर आजाद शहीद दिवस।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23 बजे तक		रोग	05.38 से	07.1 बजे तक	
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक		काल	07.11 से	08.43 बजे तक	
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक		लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक	
काल	10.19 से	11.47 बजे तक		उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक	
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक		शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक	
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक		अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक	
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक		चर	02.51 से	04.23 बजे तक	
चर	04.10 से	05.38 बजे तक		रोग	04.23 से	05.55 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7127

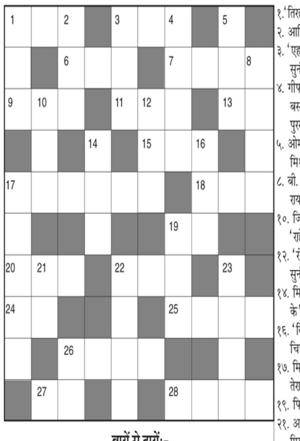

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, संजीवकुमार, सचिन, हेमा, राखी, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
३. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
७. 'नीले गगन के तले' गीत वाली सुनील दत्त, मुमताज की फिल्म-४
९. 'जुबलीकुमार' राजेंद्रकुमार की पहली फिल्म जिसकी नायिका गीता बाली थी-३
११. अशोककुमार, नादिरा की 'काहे जादू किया मुझको' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुपर हिट फिल्म 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम क्या था-२
१५. कुमार गौरव, शरनाज की 'जिंदगी कब तुम को' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'आजा आजा मैं हूँ प्यार' गीत वाली शम्मीकपूर, आशा की फिल्म-३,३
१८. सतीश कौल, सरिता की बी. आर इशारा निर्देशित १९७४ की एक फिल्म-३
१९. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम का फिल्म-२
२०. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या कर दिया' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'दुनिया में कितना' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
२४. मनोज बाजपेयी, उर्मिला की जोड़ी वाली रामगोपाल वर्मा की एक फिल्म-२
२५. 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली महीपाल, संध्या की फिल्म-४
२६. विनोद मेहरा, मौसमी की 'तेरे नैनों के मैं दीप' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'हम' में नायिका किमी काटकर के किरदार का नाम क्या था-२
२८. बलराज साहनी, लीला की 'हाये रे वो दिन क्यूं ना' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
३. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा है' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
४. गीफा अवार्ड्स में किस को फिल्म 'रंग दे बसंती' के लिये सर्वश्रेष्ठ संगीतकार का पुरस्कार मिला था-४
५. ओमपुरी, शबाना आजमी, माधुरी की सुधीर मिश्रा निर्देशित फिल्म-३
८. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीना राय की १९९२ की एक फिल्म-४
१०. जिमी, उदय चोपड़ा, इरफान, नम्रता की 'राहें लहरा के हम से' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'रंग और नूर की बारात किसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना की फिल्म-३
१४. मिथुन, सारिका की 'साथी है हम जनमों के' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली रंजन, चित्रा जयश्री की फिल्म-३
१७. मिथुन, चंकी, ऋतुपर्णा, सोमी की 'जब मैंने तेरा' गीत वाली फिल्म-३,२
१९. फिल्म 'बंदिवी' की नायिका कौन थी-३
२१. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'बेईमान पिया रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिरोज खान, मुमताज की फिल्म-४
२३. विनोद खन्ना, आमिर, सैफ, अश्विनी भावे, रवीना, नीलम की 'हम बंजारे दिल नहीं देते' गीत वाली फिल्म-४
२६. जितेन निर्देशित मिथुन चक्रवर्ती, राखी, नीता मेहता की १९८६ की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7126

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः दो थैले

हमारे गांवों में अक्सर एक कथा सुनने को मिलती है। ईश्वर ने जब मनुष्य की रचना की तो उसे अपनी अन्य सभी कृतियों से श्रेष्ठ बनाया। सुघड़ और सुंदर बनाने के साथ उसे बुद्धि भी दी। जब मनुष्य इस पृथ्वी पर पहुंचा तो बह्मा ने उससे पूछा, अब यहां आकर तुम क्या चाहते हो? मनुष्य ने कहा, प्रभु, मैं तीन बातें चाहता हूं। एक, मैं सदा प्रसन्न रहूं। दूसरा, सभी मेरा सम्मान करें। और तीसरा, मैं सदा उन्नति के पथ पर चलता रहूं। मनुष्य की ये इच्छाएं जान कर बह्मा जी ने उसे दो थैले दिए और कहा, एक थैले में तुम अपनी सभी कमजोरियां डाल दो, और दूसरे थैले में दूसरे लोगों की कमियां डालते रहो। साथ ही यह भी कहा कि इन दोनों थैलों को हमेशा अपने कंधों पर ले कर चलना। लेकिन हां, एक बात का ध्यान और रखना कि जिस थैले में तुम्हारी अपनी खामियां हैं, उसे तो अगली तरफ रखना। और जिस थैले में दूसरों की कमजोरियां रखी हैं, उन्हें पीछे की तरफ यानी पीठ पर रखना। समय-समय पर सामने वाला थैला खोलकर निरीक्षण भी करते रहना, ताकि अपनी त्रुटियां दूर कर सको। परंतु दूसरे लोगों के अवगुणों का थैला, जो पीठ पर डाला होगा, उसे कभी न खोलना और न ही दूसरों के ऐब देखना या कहना। यदि तुम इस परामर्श पर ठीक से आचरण करोगे, तो तुम्हारी तीनों इच्छाएं पूरी होंगी- तुम सदा प्रसन्न रहोगे, सबसे सम्मान पाओगे और सदा उन्नति करोगे। मनुष्य ने ब्रह्मा जी को नमस्कार किया और अपने दुनियावी कामकाज में लग गया। लेकिन इस बीच उसे थैलों की पहचान भूल गई। जो थैला पीछे डालना था उसे तो आगे टांग लिया और जिस थैले को आगे रख कर देखते रहने को कहा था, वह पीछे की तरफ कर दिया। तब से मनुष्य दूसरों के अवगुण ही देखता है, अपनी कमजोरियों पर ध्यान नहीं देता। इसी वजह से उसेफल भी उलटा ही मिलता है।

सूडोकु नवताल- 7436

★★★★☆ कठिन

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7435 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

शब्द पहेली - 8651

बाएँ से दाएँ

1. सिंह, शेर-3
6. कृषि पैदावार-3
7. कमल सरोवर-5
8. बारीक-3
10. जरा, थोड़ा-2
12. वाराणसी-4
15. टूटना, तड़कना-4
17. शराब, मदिरा-2
19. बुद्धि, मति-3
21. सेवा,, चाकरी, देखभाल-5
23. कर्म, भाग्य-3
24. यज्ञ, होम-3

ऊपर से नीचे

2. आक्रमणकारी-5
3. समा, माहौल-3
4. आर्द्रता, नमी-3
5. चट्टान (अंग्रेजी-2)
6. अंतर, फर्क-3
9. षष्ठीपूर्ति, 60 वर्ष पूरे होना-3
11. नशा, खुमार-2
13. नरम, मुलायम-3
14. एक जैसा, समान-2
16. सार-संभाल-2,3
18. अनाथ, बेसहारा-3
19. खालिस, शुद्ध-3
20. फालिज, पक्षाघात-3
22. क्रोध, खीज, गुस्सा-2

शब्द पहेली -8650 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

रजेगांव-लांजी-आमगांव फोरलेन हाईवे परियोजना को लेकर गांवों में हलचल

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लांजी।

रजेगांव लांजी आमगांव फोरलेन परियोजना की आहट ने पूरे क्षेत्र में उत्साह के साथ-साथ बेचैनी भी बढ़ा दी है। राष्ट्रीय राजमार्ग 543 (एनएच-543) के तहत रजेगांव से लांजी होते हुए महाराष्ट्र के आमगांव तक प्रस्तावित फोर लेन सडक अब सिर्फ एक योजना नहीं, बल्कि हजारों लोगों के भविष्य से जुड़ा सवाल बन चुकी है। लांजी-किरनापुर विधानसभा क्षेत्र के रहवासी अपने आशियाने, दुकान-प्रतिष्ठान और सडक किनारे बने गोदामों को लेकर आशंकित हैं, तो किसान अपनी पुश्तैनी जमीन के अधिग्रहण की संभावना से चिंतित नजर आ रहे हैं। गांव-गांव में चर्चा है कि विकास की यह रफ्तार आखिर किस दिशा से गुजरेगी ? क्या यह घरों के आंगन छूती हुई निकलेगी या आबादी से दूर नया बायपास बनाकर आगे बढ़ेगी ? क्षेत्रीय विधायक से भी अब साफ और सार्वजनिक स्थिति स्पष्ट करने की उम्मीद जताई जा रही है, ताकि लोगों की शंकाएं दूर हो सकें और अफवाहों पर विराम लगे। प्रारंभिक तकनीकी खाके के अनुसार कई स्थानों पर मौजूदा सडक का चौड़ीकरण प्रस्तावित है, जबकि घनी आबादी वाले हिस्सों में बायपास विकल्प पर विचार किया जा रहा है। अब क्षेत्र की जनता की निगाहें प्रशासन की अंतिम डीपीआर और अधिसूचना पर टिकी हैं - ताकि साफ हो सके कि विकास की यह सडक गांवों के बीच से गुजरेगी या गांवों के बाहर नया रास्ता बनाएगी।

हाईवे बायपास व भूमि अधिग्रहण पर टिकी सबकी निगाहें

रजेगांव में बाजार से बाहर निकलेगा फोरलेन

सूत्रों के मुताबिक रजेगांव में मुख्य बाजार और रिहायशी क्षेत्र को देखते हुए फोरलेन सीधे गांव के बीच से नहीं निकलेगा। यहां लगभग 1से 2 किलोमीटर लंबा बायपास प्रस्तावित माना जा रहा है, ताकि भारी वाहनों को गांव के अंदर प्रवेश न करना पड़े। इससे दुर्घटना का जोखिम घटेगा और स्थानीय यातायात सुरक्षित रहेगा। रजेगांव और लांजी के बीच का बड़ा हिस्सा कृषि भूमि से घिरा है। ऐसे क्षेत्रों में मौजूदा सडक को ही चौड़ा कर चार लेन में बदला जाएगा। हालांकि जहां सडक किनारे मकान, दुकान या धार्मिक स्थल हैं, वहां हल्का रियलाइन्मेंट संभव है। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया चरणबद्ध रूप से होगी और प्रभावित भू-स्वामियों को नियमानुसार मुआवजा दिया जाएगा।

लांजी नगर के लिए भी बायपास की तैयारी....

घनी आबादी और बाजार क्षेत्र को देखते हुए लांजी में भी बायपास की प्रबल संभावना जताई जा रही है। फोरलेन की डिज़ाइन स्पीड लगभग 100 किमी प्रति घंटा तक रखी जाती है, इसलिए सुरक्षा मानकों के तहत कस्बों के भीतर से हाईस्पीड कॉरिडोर निकालना व्यावहारिक नहीं माना जाता। यदि बायपास बनता है तो पुरानी सडक स्थानीय यातायात और बाजार गतिविधियों के लिए उपयोग में रहेगी, जबकि लंबी दूरी के वाहन नए मार्ग से गुजरेंगे।

ग्रामीणों और व्यापारियों में उत्साह भी, चिंता भी

परियोजना को लेकर क्षेत्र में दोहरी प्रतिक्रिया देखी जा रही है। युवाओं और व्यापारियों को बेहतर कनेक्टिविटी व व्यापार विस्तार की उम्मीद है। वहीं सडक किनारे स्थित दुकानदारों, गोदाम संचालकों और किसानों को भूमि अधिग्रहण तथा व्यापारिक प्रभाव को लेकर चिंता है। लोगों का कहना है कि अंतिम सर्वे और भूमि चिन्हांकन के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी। वहीं विशेषज्ञों का मानना है कि फोरलेन बनने से बालाघाट जिला से महाराष्ट्र सीमा तक यातायात सुगम होगा, उद्योग एवं व्यापार को गति मिलेगी और दुर्घटनाओं में कमी आएगी।

जनपद सदस्य श्रीमती बारेकर ने स्कूल की बाउंड्रीवाल निर्माण का किया भूमिपूजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। जनपद पंचायत लांजी के क्षेत्र अंतर्गत ग्राम घोटी (नंदोरा) स्थित शासकीय माध्यमिक शाला में छात्रों एवं शिक्षकों की लंबे समय से चली आ रही प्रमुख समस्या का समाधान होने जा रहा है। जनपद पंचायत की 15वीं वित्त आयोग की राशि से स्कूल परिसर में 4 लाख रुपये की लागत से बाउंड्रीवाल निर्माण का कार्य प्रारंभ हो गया है।

इस कार्य का भूमिपूजन 26 फरवरी को जनपद सदस्य श्रीमती सरस्वती तुकाराम बारेकर द्वारा किया गया। स्कूल स्टाफ द्वारा लगातार जनपद सदस्य को स्कूल की समस्याओं से अवगत कराया जाता रहा था। स्कूल परिसर में माध्यमिक एवं प्राथमिक शाला दोनों एक ही स्थान पर संचालित हैं। यहां से ही आसपास के वाहनों का आवागमन होता है, खुले मवेशी एवं रात के समय गायों तथा आवारा कुत्तों का झुंड परिसर में आता-जाता रहता है। स्कूल में चपरासी की कमी होने से गोबर, कचरा एवं अन्य गंदगी फैलती रहती है, जिससे अव्यवस्था बनी रहती है।

बारिश के मौसम में वाहनों एवं जानवरों के आवागमन से परिसर में गड्ढे पड़ जाते हैं और पानी जमा हो जाता है, जो छात्रों के स्वास्थ्य एवं पढ़ाई पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। इन सभी परेशानियों को देखते हुए सर्वप्रथम घोटी स्कूल परिसर के लिए ही बाउंड्रीवाल स्वीकृत की गई है। इस महत्वपूर्ण विकास कार्य से स्कूल परिसर सुरक्षित, स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनेगा, जिससे बच्चों का बेहतर शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित होगा।

भूमिपूजन कार्यक्रम में सरपंच श्रीचंद कमड़े, उपसरपंच राजेश्वर दादरे, महामंत्री तुकाराम बारेकर एवं स्कूल के समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

कृषि महाविद्यालय में जैव विविधता आधारित दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण का हुआ समापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम (मेरठ) उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित परियोजना के अंतर्गत कृषि महाविद्यालय के सभाकक्ष में जैव विविधता आधारित दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन 26 फरवरी को किया गया। प्रशिक्षण में जिले के किसानों, कृषि विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों एवं इनपुट डीलर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक स्वागत-वंदन के साथ हुआ। इस अवसर पर जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय से आमंत्रित परियोजना प्रमुख एवं सस्य विभागाध्यक्ष डॉ. नम्रता जैन का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. घनश्याम देशमुख एवं वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एन.के. बिसेन ने संयुक्त रूप से की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में वक्ताओं ने कहा कि जैव विविधता आधारित कृषि प्रणाली वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य सुधार एवं किसानों की आय वृद्धि के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। डॉ. नम्रता जैन ने कृषि की स्थिरता एवं खाद्य सुरक्षा के लिए जैव विविधता संरक्षण को अनिवार्य बताते हुए विविध फसल प्रणाली, प्राकृतिक संसाधनों के समुचित प्रबंधन एवं जैविक पद्धतियों के समावेशन पर बल दिया।

वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एस.बी. अग्रवाल ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जैव विविधता आधारित कृषि प्रणाली की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इससे उत्पादन लागत में कमी, मृदा स्वास्थ्य में सुधार तथा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता है। परियोजना के जिला समन्वयक डॉ. अतुल श्रीवास्तव ने जानकारी दी कि यह परियोजना विशेष रूप से बालाघाट जिले में प्रभावी रूप से क्रियान्वित की जा रही है। जिले में फसल जैव विविधता को बढ़ावा देने हेतु बहुफसली प्रणाली, देशी बीजों का संरक्षण, दलहनी-तिलहनी फसलों का समावेशन एवं नियमित कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि कृषि विभाग के अधिकारियों एवं इनपुट डीलर्स के सहयोग से जिले में जैव विविधता आधारित मॉडल प्लॉट भी स्थापित किए गए हैं, जो अन्य किसानों के लिए प्रेरणास्त्रोत बन रहे हैं।

प्रशिक्षण सत्रों में डॉ. शैलेंद्र भलावे, डॉ. एस.आर. धुवारे (कृषि विज्ञान केंद्र, बड़गांव), डॉ. ऋषिकेश ठाकुर, डॉ. सुरेंद्र राय, डॉ. उत्तम बिसेन, डॉ. राजू पानसे, डॉ. शरद बिसेन एवं डॉ. विक्रम सिंह गौर ने जैव विविधता के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किए। उन्होंने फसल विविधीकरण, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, एकीकृत कीट प्रबंधन एवं जैविक उपायों के माध्यम से सतत कृषि प्रणाली को सुदृढ़ करने पर बल दिया।

पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्य सभा सांसद दिग्विजय सिंह का लांजी के कुलपा में किया गया भव्य स्वागत

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश शासन के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्य सभा सांसद दिग्विजय सिंह अपने अल्प प्रवास पर 26 फरवरी को लांजी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम किरनापुर स्थित पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष सुश्री हिना कावरे के निवास पर पंहुचे। दिग्विजय सिंह के दौरा कार्यक्रम के अनुसार वे रायपुर से सडक मार्ग होते हुये महाराष्ट्र आमगांव से प्रदेश की सीमा स्थित ग्राम कुलपा होते हुये लांजी होकर किरनापुर जा रहे थे। जहां ग्राम कुलपा में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लांजी एवं बहेला के द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री जी का पुष्पमालाऐ पहनाकर ढोल नगाडे, आतिशबाजी के साथ स्वागत वंदन किया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। स्वागत समारोह में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे और पार्टी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। अपने संबोधन में पूर्व मुख्यमंत्री ने संगठन की मजबूती, जनहित के मुद्दों पर संघर्ष और आगामी कार्यक्रमों को लेकर कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर जनता से जुडकर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए कार्य करना ही कांग्रेस की प्राथमिकता है। ब्लॉक कांग्रेस पदाधिकारियों ने विश्वास दिलाया कि संगठन को सशक्त बनाने एवं जन-जन तक पार्टी की नीतियों को पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। कुलपा में स्वागत समारोह के पश्चात दिग्विजय सिंह किरनापुर के लिये प्रस्थान किये जहां वे पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष मध्यप्रदेश शासन सुश्री हिना कावरे के निवास पंहुचकर पारिवारिक भेंट कि इस दौरान वे सर्वप्रथम स्वर्गीय लिखीराम कावरे के समाधि स्थल पंहुचकर श्रृद्धा सुमन अर्पित किये। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय गण उपस्थित रहे। कुलपा में स्वागत समारोह में प्रमुख रूप बैहर विधायक एवं जिलाध्यक्ष संजय उइके, नरेश माहेश्वरी, जनपद अध्यक्ष अर्चना खोंगल, देवेन्द्र खोंगल, ब्लॉक कांग्रेस बहेला अध्यक्ष ऋषि पटेल दशरिया, राजू मेंढे, लिखेन्द्र उपराड़े, शंभु दयाल अग्रिका, राजू मस्करे, रेवाजी करहाटकरे, योगदास नगपुरे, अजित नगपुरे, कुलदीप बढ़ई, हौसलाल नगपुरे, बालकदास लिल्हारे, कुंवरलाल बिसने, कृष्णा बनौठे, राजा पठान, प्रकाश फुलबांधे, नितेश ब्राम्हणकर, सुनील पाथोड़े सहित बडी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गण सहित स्थानीय गण उपस्थित रहे।

श्रीमती कस्तूरी रावते का निधन

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम भानेगांव निवासी सेवानिवृत्त प्रधान पाठक विश्राम रावते की धर्मपत्नी श्रीमती कस्तूरी रावते का 80 वर्ष की आयु में गुरुवार 26 फरवरी को दोपहर लगभग 1=30 बजे निधन हो गया। आप अपने पीछे दो पुत्र एवं एक पुत्री का भरा-पूरा परिवार छोड़ स्वर्ग सिधार गए।

इनका अंतिम संस्कार आज 27 फरवरी को दोपहर 12 बजे ग्राम के स्थानीय मोक्ष धाम में किया जाएगा। इनके निधन पर सामाजिक बंधुओं, परिजनों, नाते रिश्तेदारों ने शोक संवेदना व्यक्त की है।

पीएम विश्वकर्मा योजना अंतर्गत जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र बालाघाट में 26 फरवरी को पीएम विश्वकर्मा योजना अंतर्गत एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक श्रीमती प्रीति मर्सकोले की उपस्थिति में आयोजित इस जागरूकता शिविर में करीब 106 हितग्राहियों ने योजना से संबंधित समस्त आवश्यक जानकारी प्राप्त की। इस दौरान विशेष अतिथि के रूप में अग्रणी जिला प्रबंधक संजीव कुमार तथा प्रो. कमला नेहरू महाविद्यालय बालाघाट जीवन मसराम भी मौजूद थे।

शिविर का आयोजन एमएसएमई इंदौर के सहयोग से किया गया, जिसमें सहायक निदेशक श्री शोएब अख्तर एवं उपनिदेशक श्री आई. तिर्की ने सहभागिता की। शिविर में श्रीमती मर्सकोले ने पीएम विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को योजना की पात्रता, लाभ, प्रशिक्षण, ऋण सुविधा एवं अनुदान संबंधी विस्तृत जानकारी प्रदान की। अग्रणी बैंक प्रबंधक श्री संजीव कुमार द्वारा बैंकिंग प्रक्रियाओं एवं ऋण संबंधी जानकारी दी गई। प्रो. श्री जीवन मसराम ने हितग्राहियों को उत्पादों की मार्केटिंग, ब्रांडिंग एवं बाजार विस्तार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

शिविर के दौरान उपस्थित हितग्राहियों की समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुनील कुमार ढोके, समन्वयक सैडमैप द्वारा किया गया। इस जागरूकता शिविर से जिले के पारंपरिक कारीगरों एवं स्वरोजगार से जुड़े हितग्राहियों को योजना का लाभ लेने हेतु आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मध्य प्रदेश विधानसभा में कांग्रेस ने कहा बगैर मुआवजे के खदान चालू हो गई, सरकार बोली सिर्फ पेड़ काटे और मिट्टी हटाई

संयुक्त जांच समिति की मांग पर हंगामा, दो बार कार्यवाही स्थगित

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा में आज गुरुवार को प्रश्नकाल के दौरान जमकर हंगामा हुआ। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने कहा कि सिंगरौली जिले की धरौली कोयला खदान मामले में उचित मुआवजा दिए बगैर सरकार ने खदान चालू करवा दी। अडानी की इस खदान से जो लोग प्रभावित हुए हैं वो दर-दर की ठोकरें खा रहे है। और सरकार ने पुलिस अफसरों को मुआवजा बांट दिया। इसके लिए विधानसभा की संयुक्त समिति से जांच होना चाहिए। बजट सत्र में विपक्ष की इस मांग पर सरकार ने सटीक जवाब नहीं दिया तो विपक्षी सदस्यों ने आसंदी के सामने आकर नारेबाजी की। बढ़ते हंगामे के बीच विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर को दो बार सदन की कार्यवाही स्थगित करना पड़ी।

दरअसल गुरुवार को विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सिंगरौली जिले की धरौली कोयला खदान का मामला उठाते हुए कहा कि सरकार ने वादा किया था भूमि अधिग्रहण के प्रभावितों को 50-50 लाख का मुआवजा देंगे। लेकिन हकीकत यह है कि वहां सिर्फ दो से लाख ढाई की ही राशि बतौर मुआवजा दी गई है। कुल आठ गांव प्रभावित हुए थे जिसमें में सरकार ने मात्र 5 गांवों के ग्रामीणों को ही मुआवजा दिया है। और तो और इससे ज्यादा अंधेर क्या होगा कि वहां कुछ थाना प्रभारी स्तर के पुलिस अफसरों को मुआवजा दे दिया गया। और आदिवासी समाज के लोग वंचित रह गए। इस पर राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने जबाव देते हुए कहा कि इस मामले की जांच करवा लेंगे और समाधान कर लेंगे। इस पर सिंघार ने कहा कि मंत्री प्रहलाद पटेल के नेतृत्व के एक विधानसभा की संयुक्त समिति बनाकर उससे जांच करा लें। इस पर सरकार तैयार होती नहीं दिखी तो कांग्रेस के सदस्यों ने हंगामा शुरु कर दिया। विधायक सचिन यादव, रजनीश सिंह, जयवर्धन सिंह सहित कई सदस्य आसंदी के सामने आ गए और नारेबाजी करने लगे। बढ़ते शोर शराबे के बीच विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने 10 मिनिट के लिए सदन की कार्यवाही स्थिगित कर दी।

इसके बाद दूसरी बाद सदन की कार्यवाही शुरु हुई तो तब भी विपक्षी दल कांग्रेस नारेबाजी करता रहा। स्पीकर तोमर ने उन्हे शांत होने और अपनी अपनी सीट पर बैठ जाने को कहा। इस पर कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक भंवर सिंह शेखावत ने कहा कि अध्यक्ष महोदय, ये सदन आपके निर्देश पर ही चलता है आप कह रहे हैं कि बैठ जाओ तो बैठ जाएंगे आप कहेंगे खड़े हो जाओ तो खड़े हो जाएंगे लेकिन सरकार स्थिति को स्पष्ट क्यों नहीं कर रही है। आपके मंत्री के ही नेतृत्व हम लोग जांच कराना चाहते हैं क्या सरकार को अपने मंत्री पर भरोसा नहीं है। यदि है तो जांच कराने में कौन सी दिक्कत है। इस पर अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि हमे प्रभारी मंत्री की बात सुनना चाहिए वो भी कुछ कहना चाहतीं हैं। इस पर मंत्री संपतिया उइके ने कहा कि मैं उस जगह पर दो बार गई हूं वहां 33000 पेड़ काटे गए हैं, कुछ मिट्टी हटाई गई है, अभी खदान चालू नहीं हुई है। इस पर कांग्रेस के सदस्य भड़क गए उन्होंने कहा इसका मतलब है खदान चालू हो गई यही तो खदान का शुरुआती काम होता है। अब संशय कहां कि खदान चालू नहीं हुई है।

थाना प्रभारी को 15,94,990 का मुआवजा

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि कोल ब्लॉक के लिए 8 गांवों की जमीन अधिग्रहित की जा रही है और कलेक्टर की सूची के अनुसार 12,998 परिवार प्रभावित हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रभावित आदिवासी परिवारों को पूरा मुआवजा नहीं मिला है। लेकिन थाना प्रभारी जितेंद्र भदौरिया की पत्नी को 15,94,990 रुपए और यातायात प्रभारी दीपेंद्र सिंह कुशवाह की पत्नी स्वाति सिंह के नाम पर 14,42,482 रुपए मुआवजा दिया गया। उन्होंने इस मामले की विधानसभा समिति से जांच कराने की मांग की।

खदान वाले क्षेत्र को छावनी बना दिया

तभी नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि हम लोग वहां जाना चाहते थे लेकिन जैसे ही खबर लगी की कांग्रेस के कुछ विधायक खदान देखने जा रहे हैं वहां 4 हजार सुरक्षाकर्मी तैनात कर दिए गए। पूरे क्षेत्र को छावनी बना दिया गया। मंत्रीजी पेड़ काटने की बात कह रहीं हैं उन पेड़ों को छत्तीसगढ भेजा जा रहा है। ये मप्र के के साथ अन्याय है। इस पर कांग्रेस विधायकों ने फिर हंगामा शुरु कर दिया और अडानी की सरकार नहीं चलेगी के नारे लगाने लगे। इस बीच अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर सदस्यों के शांत करते रहे और नियमों का हवाला देते रहे लेकिन उनकी किसी ने एक नहीं सुनी। भारी शोर शराबे को देखते हुए अध्यक्ष ने 12 बजे तक के लिए विधानसभा की कार्यवाही स्थिगित कर दी।

भोपाल के वल्लभ भवन- सतपुड़ा एवं विंध्याचल में हाजिरी पर सख्ती

- सीएम के निर्देश पर शुरू हुई मॉनिटरिंग, जीएडी के अधिकारियों ने चेक किए उपस्थिति रजिस्टर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश के बाद राजधानी के तीन प्रमुख शासकीय कार्यालय (वल्लभ भवन, सतपुड़ा भवन और विंध्याचल भवन) में अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति को लेकर बड़ी कार्रवाई शुरू की गई है। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) के अधिकारियों ने आज सुबह 10 बजे सभी प्रमुख विभागों के कार्यालय में जाकर उपस्थिति रजिस्टर चेक किए। वहीं अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों से भी ऐसा करने को कहा।

इन कार्यालयों में कौन अधिकारी-कर्मचारी कब पहुंचा और कब वापस गया, इसकी लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। सीएम के निर्देशों के अनुसार अधिकारियों-कर्मचारियों की आवाजाही पर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक विशेष निगरानी रखी जा रही है, जबकि उपस्थिति संबंधी जानकारी सुबह 10 से शाम 6 बजे तक संकलित की जाएगी। बताया गया है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव और मुख्य सचिव अनुराग जैन वर्तमान में भोपाल से बाहर दौरे पर हैं। इसके बावजूद मुख्यमंत्री के निर्देश पर मुख्यमंत्री सचिवालय और सामान्य प्रशासन विभाग को सभी संबंधित दफ्तरों में अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति, आने-जाने का समय और अनाधिकृत अनुपस्थिति की जानकारी एकत्र करने के आदेश दिए गए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग की टीमें तीनों भवनों में तैनात होकर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

समय पालन पर मुख्यमंत्री का सख्त संदेश

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा है कि जनकल्याणकारी योजनाओं और आम जनता से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक सभी अधिकारी और कर्मचारियों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने संदेश दिया है कि यदि समय पालन में कोताही पाई गई तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। राज्य सरकार का कहना है कि जनता की सुविधा और पारदर्शी प्रशासन सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसलिए सभी शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों को पूर्ण जिम्मेदारी और समयबद्धता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना होगा।

वन विभाग की शीर्ष नियुक्ति पर घमासान, दुबे ने सीएम को लिखा पत्र

भोपाल। मध्यप्रदेश के वन महकमे में नए वन बल प्रमुख की नियुक्ति को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। वन्य प्राणी एक्टिविस्ट अजय दुबे ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर 1991 बैच के आईएफएस अधिकारी शुभरंजन सेन को वन बल प्रमुख बनाए जाने के प्रस्ताव पर पुनर्विचार की मांग की है। दुबे ने अपने पत्र में कहा है कि सेन के कार्यकाल से जुड़े कथित विवादों और शिकायतों को देखते हुए उनकी नियुक्ति से पहले स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। उनका तर्क है कि वन्यजीव संरक्षण से जुड़े संवेदनशील मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही सर्वोपरि होनी चाहिए।

पत्र में वर्ष 2024 से 2026 के बीच बाघ, तेंदुआ, हाथी और अन्य संरक्षित प्रजातियों की कथित रिकॉर्ड मौतों का उल्लेख किया गया है। बालाघाट में शिकार किए गए बाघ के मामले में सबूत नष्ट करने और नर्मदापुरम में काले हिरण प्रकरण में कथित गलत रिपोर्टिंग जैसे आरोपों का जिक्र करते हुए कहा गया है कि इन मामलों में निगरानी और कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया पर सवाल उठे थे। दुबे का कहना है कि इन घटनाओं ने वन विभाग की कार्यप्रणाली और विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाया है। उन्होंने मांग की है कि शीर्ष पद पर नियुक्ति से पहले इन मामलों की निष्पक्ष समीक्षा की जाए।

प्रशासनिक पदस्थापनाओं पर आपत्ति

पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि कुछ अधिकारियों को लंबे समय तक एक ही स्थान पर पदस्थ रखा गया, सेवा विस्तार और वित्तीय स्वीकृतियों में पारदर्शिता नहीं बरती गई। टाइगर स्ट्राइक फोर्स की कार्यप्रणाली और अंतरराष्ट्रीय तस्करी से जुड़े मामलों में निगरानी की कमी को भी गंभीर मुद्दा बताया गया है। इसके अलावा, संरक्षित क्षेत्रों में विशेष अनुमति देकर फिल्मांकन की अनुमति और अन्य प्रशासनिक निर्णयों पर भी सवाल उठाए गए हैं। दुबे ने प्रधानमंत्री की 'भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहिष्णुता' नीति का उल्लेख करते हुए राज्य सरकार से निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच की मांग की है। वन विभाग की ओर से अभी तक इस मामले में आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। सूत्रों का कहना है कि नियुक्ति प्रक्रिया शासन स्तर पर विचाराधीन है। वन बल प्रमुख जैसे महत्वपूर्ण पद पर नियुक्ति को लेकर उठे ये सवाल आने वाले दिनों में राजनीतिक और प्रशासनिक बहस को और तेज कर सकते हैं। अब देखना होगा कि सरकार इन आरोपों पर क्या रुख अपनाती है और नियुक्ति प्रक्रिया में क्या निर्णय लिया जाता है।

साध्वी रंजना से अभद्रता करने वालों पर एफआईआर

-तीन हिरासत में , जाम में फंसने को लेकर हुआ विवाद

भोपाल । मिसरोद थाना क्षेत्र में शाम को ट्रैफिक विवाद के बाद निरंजन अखाड़े से जुड़ी साध्वी की कार में स्थानीय लोगों ने तोड़फोड़ कर दी, जिससे क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई। कुछ ही देर में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए और थाने का घेराव कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर की। तड़के एफआईआर दर्ज कर ली गई। तीन युवकों को पुलिस ने हिरासत में लिया है।

मिसरोद पुलिस के मुताबिक साध्वी रंजना दीदी निरंजन अखाड़े से जुड़ी हुई हैं। वह अपने भाई और बहन के साथ कार से जा रही थीं। मिसरोद थाने के पास कट पाइंट पर सामने से आई गाड़ी के कारण उनकी कार ट्रैफिक में फंस गई और जाम लग गया। गुस्से में साध्वी कार से उतरीं और सामने वाले चालक को एक तमाचा मार दिया। इसके बाद स्थानीय लोग इकट्ठा हुए और साध्वी की कार में तोड़फोड़ कर दी। घटना के बाद क्षेत्र में देर तक पुलिस बल तैनात रहा और दोनों पक्षों से बातचीत की गई।

साध्वी का कहना था कि कार चालक उन्हें घूर रहा था और गलत इशारे किए। इसलिए गुस्से में उसे तमाचा मारा। वहीं, साध्वी के साथ हुई इस घटना के बाद विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्ता मिसरोद थाने पहुंच गए थे। इसकी जानकारी मिलते ही दूसरे पक्ष के लोग भी थाने पहुंच गए। देर रात तक दोनों पक्षों के बीच बातचीत होती रही। गुरुवार तड़के साध्वी की ओर से एफआईआर दर्ज करा दी गई।

डीएलएड संस्थाओं की संबद्धता फीस बढ़ी

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने सत्र 2026-27 से डीएलएड पाठ्यक्रम संचालित करने वाली संस्थाओं के लिए संबद्धता, नवीनीकरण और अतिरिक्त इंटेक की फीस बढ़ा दी है। कार्यपालिका समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के बाद संशोधित आदेश जारी कर नई दरें लागू कर दी गई हैं। संस्थाओं को 10 मार्च 2026 तक निर्धारित शुल्क यूको बैंक की निर्दिष्ट शाखा या आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से जमा कर आवेदन की प्रति मंडल कार्यालय में प्रस्तुत करनी होगी। तय समय सीमा तक राशि जमा नहीं होने पर संबंधित संस्था की संबद्धता समाप्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

मंडल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार डीएलएड की परीक्षाओं के लिए पहली बार संबद्धता शुल्क 1 लाख 50 हजार रुपए से बढ़ाकर 2 लाख रुपए कर दिया गया है। यानी एकमुश्त 50 हजार रुपए की वृद्धि की गई है। इसी तरह प्रत्येक 50 विद्यार्थियों के अतिरिक्त इंटेक के लिए भी शुल्क 1 लाख 50 हजार से बढ़ाकर 2 लाख रुपए कर दिया गया है। यह भी एक बार देय होगा।

वार्षिक शुल्क में बढ़ोतरी

50 विद्यार्थियों के इंटेक पर शुल्क 22,500 से बढ़ाकर 30,000 रुपए किया गया है। 100 विद्यार्थियों के इंटेक पर 45,000 से बढ़ाकर 60,000 रुपए। 150 विद्यार्थियों के इंटेक पर 75,000 से बढ़ाकर 90,000 रुपए निर्धारित किया गया है। संस्थाओं को शुल्क माध्यमिक शिक्षा मंडल, भोपाल परिसर स्थित यूको बैंक, हबीबगंज शाखा में सचिव के नाम चालान के माध्यम से जमा करना होगा। किसी अन्य बैंक का चालान मान्य नहीं होगा। इसके अलावा आरटीजीएस या एनईएफटी के माध्यम से भी भुगतान किया जा सकता है। इसके लिए निर्धारित खाता क्रमांक और आईएफएससी कोड जारी किया गया है। राशि जमा होने के बाद उसकी पुष्टि सुनिश्चित करना भी संस्था की जिम्मेदारी होगी।

10 मार्च अंतिम तिथि

सत्र 2026-27 के लिए नई संबद्धता, नवीनीकरण या अतिरिक्त इंटेक के आवेदन 10 मार्च 2026 तक अनिवार्य रूप से मंडल कार्यालय में जमा करने होंगे। आवेदन के साथ शुल्क जमा करने का प्रमाण भी संलग्न करना जरूरी है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि तय तिथि तक राशि जमा नहीं होने पर पूर्व आदेश के प्रावधानों के तहत संबंधित संस्था की संबद्धता समाप्त करने की कार्रवाई की जाएगी। इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित संस्था की होगी। मंडल ने सभी संस्थाओं से समय सीमा का पालन करने और नियमों के अनुसार आवेदन प्रस्तुत करने की अपील की है, ताकि आगामी शैक्षणिक सत्र में किसी प्रकार की प्रशासनिक बाधा न आए।

विस में गूंजा आयुष्मान योजना में गडबडी का मामला

पूर्व मंत्री अर्चना चिटनीस की मामले की जांच की मांग

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा में आज पूर्व मंत्री अर्चना चिटनीस ने आयुष्मान योजना में कथित गड़बड़ियों का मुद्दा उठाया और उसकी जांच करवाने की मांग जोरदार तरीके से सरकार से की। वरिष्ठ भाजपा विधायक अर्चना चिटनीस ने इस ओर सदन का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि आयुष्मान प्रधानमंत्री की अत्यंत महत्वाकांक्षी योजना है, लेकिन इसके क्रियान्वयन में अनियमितताओं की शिकायतें सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि एक निजी अस्पताल के खिलाफ शिकायत होने पर जांच शुरू हुई, लेकिन जांच पूरी होने से पहले ही उस अस्पताल को आयुष्मान योजना से निरस्त किया गया और दोबारा बहाल कर दिया गया। उन्होंने मांग की कि ऐसी महत्वपूर्ण योजनाओं का दुरुपयोग न हो, इसके लिए कड़ी निगरानी और दोषियों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जाए। वहीं कांग्रेस विधायक भंवर सिंह शेखावत ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अनुदान मांगों पर चर्चा के दौरान सरकारी अस्पतालों और डिस्पेंसरी की स्थिति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अस्पतालों की वास्तविक स्थिति सबके सामने है और यह चिंताजनक है कि सुधार की दिशा में अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पा रहे हैं। शेखावत ने कहा कि आबादी का 80 से 85 प्रतिशत हिस्सा सरकारी अस्पतालों पर निर्भर है और गरीब व्यक्ति को सस्ता व सुलभ इलाज मिलना चाहिए।

अगर शिक्षक लगातार 7 दिन गायब तो जाएगी नौकरी

लोक शिक्षण संस्थान विभाग ने आदेश जारी किया सख्त फरमान

भोपाल। मध्यप्रदेश में अब स्कूलों से गायब रहने वाले शिक्षकों पर बड़ी कार्रवाई तय मानी जा रही है। लोक शिक्षण संस्थान विभाग के नए निर्देश के मुताबिक यदि कोई शिक्षक लगातार 7 दिन तक बिना सूचना के अनुपस्थित रहता है, तो उसकी सेवा सीधे समाप्त की जा सकती है। इस फैसले ने शिक्षा महकमे में हलचल मचा दी है। स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप ने दो टूक कहा कि विभाग में अनुशासन सर्वोपरि है। हर सिस्टम की अपनी मर्यादा होती है। अगर शिक्षक ही जिम्मेदारी नहीं निभाएंगे तो बच्चों का भविष्य कैसे सुरक्षित रहेगा? मंत्री ने साफ कर दिया कि शिक्षा व्यवस्था में ढिलाई या मनमानी अब किसी भी हाल में स्वीकार नहीं की जाएगी। आदेश में कहा गया है कि लगातार 7 दिन बिना सूचना गैरहाजिरी पर सेवा समाप्ति की कार्रवाई की जाएगी। संबंधित अधिकारी को अनुपस्थिति की रिपोर्ट देना अनिवार्य है। विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होने पर जवाबदेही तय होगी। सूत्रों के अनुसार, कई जिलों से शिक्षकों की लगातार गैरहाजिरी की शिकायतें मिल रही थीं। इससे सरकारी स्कूलों में पढ़ाई प्रभावित हो रही थी और अभिभावकों में नाराजगी बढ़ रही थी। विभाग ने इसे गंभीरता से लेते हुए सख्त रुख अपनाया है।सख्ती या सख्त संदेश?मंत्री राव उदय प्रताप ने कहा कि यह कदम किसी के खिलाफ नहीं, बल्कि व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए है। बच्चों के भविष्य से कोई समझौता नहीं होगा। जो जिम्मेदारी निभाएगा, उसे पूरा सम्मान मिलेगा; लेकिन लापरवाही पर सीधी कार्रवाई होगी। अब देखना होगा कि इस सख्त आदेश के बाद शिक्षा व्यवस्था में कितना सुधार आता है और गैरहाजिर रहने वाले शिक्षकों पर क्या असर पड़ता है। फिलहाल, शिक्षा विभाग ने स्पष्ट कर दिया है ड्यूटी से गायब रहना अब महंगा पड़ेगा।

एक प्रदेश में दो तरह का आरक्षण अन्याय

- रजक समाज के प्रदर्शन में उठी क्षेत्रीय बंधन हटाने की मांग
- तीन जिलों में एससी, बाकी 52 में ओबीसी दर्जा

भोपाल। संयुक्त मोर्चा रजक समाज के नेतृत्व में गुरुवार को राजधानी में आयोजित आंदोलन में बड़ी संख्या में समाज के लोग जुटे। सभा स्थल पर धरना-प्रदर्शन के दौरान पदाधिकारियों ने साफ कहा कि जब तक मुख्यमंत्री स्वयं आकर समाज की बात नहीं सुनेंगे, तब तक आंदोलन समाप्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन ने एहतियातन बैरिकेडिंग कर दी है। दोपहर बाद सीएम हाउस कूच की भी चेतावनी दी गई है।

संयुक्त मोर्चा के वरिष्ठ संयोजक कैलाश नाहर ने कहा कि मध्यप्रदेश में रजक समाज को केवल तीन जिलों भोपाल, सीहोर और रायसेन में अनुसूचित जाति का दर्जा मिला है, जबकि बाकी 52 जिलों में यही समाज ओबीसी में रखा गया है। उन्होंने कहा कि हम लगातार राज्य शासन से मांग कर रहे हैं कि जिस तरह तीन जिलों में एससी का दर्जा है, उसी तरह पूरे प्रदेश में लागू किया जाए। एक ही समाज के साथ अलग-अलग जिलों में अलग आरक्षण व्यवस्था सामाजिक अन्याय है। नाहर ने बताया कि समाज ने अपनी मांग को लेकर 400 से 500 किलोमीटर तक की पैदल यात्राएं कीं। प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री निवास भी पहुंचा, जहां ओएसडी से मुलाकात कर मांगें रखीं, लेकिन ठोस निर्णय अब तक नहीं हुआ। उन्होंने दो टूक कहा कि इस बार बिना मुख्यमंत्री की अनुमति और ठोस आश्वासन के हम यहां से नहीं उठेंगे।

3 साल में सवा करोड़ के बकरे कर गए चट चीते

भोपाल। तीन साल पहले कूनो नेशनल पार्क में नामीबिया से लाए गए चीतों के पुर्नवास समेत उनके रखरखाव का खर्च पहले ही 100 करोड़ के पार चला गया है, लेकिन विधानसभा में दी गई जानकारी से ये पता चला है कि कूनो में रह रहे 32 चीते बीते एक साल में 1 करोड़ 27 लाख से ज्यादा कीमत के बकरों का डिनर और लंच कर चुके हैं। विधानसभा में सरकार की ओर से दी गई जानकारी में ये बताया कि अलग से बकरों की खरीदी के लिए कोई राशि नहीं दी जाती है।

कांग्रेस के विधायक मुकेश मल्होत्रा का सवाल था कि कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीतों को भोजन के लिए एक साल में कितनी राशि खर्च की गई। इसके अलावा एक दिन में कितने बकरे खिलाए जा रहे हैं। विधायक ने पूछा कि कूनो नेशनल पार्क में अभ्यारण्य में चीतों की संख्या कितनी है? ये भी पूछा गया कि क्या राष्ट्रीय उद्यान कूनो में दिनांक 17 सितंबर 2022 से 1 वर्ष में बकरा क्रय करने के लिए 1 करोड़ 30 लाख रुपए प्रति वर्ष दिया जा रहे है? इस प्रश्न के लिखित जवाब में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने बताया कि कूनो नेशनल पार्क में चीतों के भोजन के लिए अलग से कोई बजट नहीं दिया गया, लेकिन इनकी चिकित्सीय देखभाल के साथ उनके प्रबंधन में जो अलग-अलग योजनाओं में राशि दी जाती है। वही बकरा मीट खरीदने में खर्च की गई है।

अतिथि शिक्षकों के विरोध का असर

शिक्षा विभाग ने एक हफ्ते गैरहाजिर तो रिलीव वाला लिया आदेश वापस

भोपाल । अतिथि शिक्षकों को एक हफ्ते गैरहाजिर रहने पर उन्हें सेवा से तुरंत रिलीव करने का आदेश लोक शिक्षण संचालनालय, मध्यप्रदेश ने वापस ले लिया है। अतिथि शिक्षकों के बगैर सूचना के अनुपस्थित रहने पर सेवा समाप्ति संबंधी इस आदेश का प्रदेशभर में विरोध हुआ। अतिथि शिक्षकों ने इसे कठोर बताते हुए आपत्ति जताई, जिसके बाद विभाग को कदम पीछे खींचना पड़ा।

दरअसल 20 फरवरी को जारी निर्देशों में कहा गया था कि जो अतिथि शिक्षक लगातार एक सप्ताह तक स्कूल नहीं आते, उन्हें पोर्टल पर दर्ज अटेंडेंस के आधार पर तत्काल रिलीव किया जाए। तर्क यह दिया गया था कि नियमित शिक्षकों के रिक्त पद और अवकाश की स्थिति में पढ़ाई प्रभावित न हो, इसलिए अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति की जाती है।

यह थे सख्त निर्देश

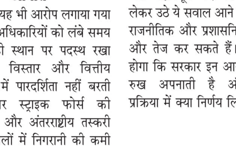

लगातार 7 दिन अनुपस्थित रहने पर अतिथि शिक्षक को कार्यमुक्त (रिलीव) करने का आदेश।

स्कूल प्रभारी और प्राचार्यों पर कार्रवाई की चेतावनी, यदि वे लंबी अनुपस्थिति के बावजूद कदम नहीं उठाते।

पोर्टल आधारित अटेंडेंस के आधार पर एक सप्ताह से अधिक गैरहाजिर शिक्षकों को तुरंत हटाने के निर्देश।

कार्रवाई नहीं करने की स्थिति में संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की बात।

अब आदेश को निरस्त किया

26 फरवरी को जारी नए पत्र में पहले वाले आदेश को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया। विभाग ने स्पष्ट किया है कि एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर आवश्यक तकनीकी व्यवस्था उपलब्ध होने के बाद इस संबंध में अलग से नए निर्देश जारी किए जाएंगे। इस फैसले के बाद अतिथि शिक्षकों को फिलहाल राहत मिली है, जबकि आगे की कार्रवाई पोर्टल अपडेट के बाद तय होगी।

अब आदिवासी अंचल में डेस्टिनेशन कैबिनेट

2 मार्च को बड़वानी में मोहन कैबिनेट की बैठक

भोपाल। मध्य प्रदेश में अब आदिवासी अंचल बड़वानी में डेस्टिनेशन कैबिनेट होगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मीटिंग आयोजित की जाएगी। बताया जा रहा है कि दो मार्च की सुबह 11.30 बजे बैठक बुलाई गई है। जिसमें आदिवासी वर्ग को लेकर महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मंथन होगा। इस दौरान एमपी सरकार कई बड़े फैसले ले सकती हैं।

मप्र में अब तक, भोपाल स्थित मंत्रालय में ही कैबिनेट की बैठकें होती थी। लेकिन डॉ मोहन यादव की सरकार ने वर्षों से चली आ रही परंपरा और ढांचे का विस्तार करते हुए अलग-अलग शहरों में कैबिनेट मीटिंग करने का फैसला लिया। जिसे 'डेस्टिनेशन कैबिनेट' का नाम दिया गया हैं।

अब तक हो चुकी हैं पांच बैठकें

बड़वानी में मध्य प्रदेश सरकार की यह छठवीं डेस्टिनेशन बैठक होने जा रही है। सबसे पहले जबलपुर के भेड़ाघाट के पास 3 जनवरी 2024 को पहली कैबिनेट बैठक हुई थी। दूसरी 5 अक्टूबर 2024 को रानी दुर्गावती की 500वीं जयंती पर उनके गांव सिंग्रामपुर में हुई थी। तीसरी 24 जनवरी 2025 को पर्यटन नगरी महेश्वर में बैठक हुई थी। इसके बाद चौथी बैठक इंदौर के राजवाड़ा में आयोजित की गई और पांचवीं डेस्टिनेशन कैबिनेट होशंगाबाद जिले के पचमढ़ी में आयोजित की गई, जो भभूत सिंह को समर्पित थी। आपको बता दें कि डॉ. मोहन सरकार में 37 और डेस्टिनेशन कैबिनेट बैठक होगी। इसे जरिए यह संकेत दिया जाएगा कि मोहन सरकार केवल राजधानी तक सीमित नहीं है, बल्कि छोटे शहरों और ऐतिहासिक स्थलों पर जाकर निर्णय लेने जनता के करीब पहुंच और साथ ही विरासत को भी जोड़ा जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका की जीत से नेट रन रेट का महत्व क्यों हुआ कम?

सेमीफाइनल के लिए भारत को अब चाहिए दो जीत

अहमदाबाद । कप्तान एडेन मार्करम की नाबाद अर्धशतकीय पारी के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को नौ विकेट से हराया। दक्षिण अफ्रीका ने इसके साथ ही टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण में लगातार दूसरी जीत दर्ज की है और सेमीफाइनल के लिए दावा मजबूत कर लिया है। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 176 रन बनाए। जवाब में मार्करम ने दमदार बल्लेबाजी की जिससे दक्षिण अफ्रीका ने 16.1 ओवर में एक विकेट पर 177 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया।

शेफर्ड-होल्डर की साझेदारी

वेस्टइंडीज का स्कोर एक समय सात विकेट पर 83 रन था। लेकिन शेफर्ड और होल्डर ने इसके बाद पारी को संभाला और दोनों बल्लेबाजों ने आठवें विकेट के लिए 57 गेंदों पर 89 रनों की साझेदारी कर वेस्टइंडीज को मुश्किल से उबारा। होल्डर आखिरी ओवर में रन आउट हुए जिससे ये साझेदारी टूट गई। होल्डर 31 गेंदों पर चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से 49 रन बनाकर आउट हुए। वेस्टइंडीज के लिए सिर्फ शेफर्ड और होल्डर ने दमदार प्रदर्शन किया जिससे टीम चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दे सकी। शेफर्ड 37 गेंदों पर तीन चौकों और चार छक्कों की मदद से 52 रन बनाकर नाबाद लौटे।

वेस्टइंडीज के लिए होल्डर और शेफर्ड के अलावा ब्रेंडन किंग ने 21, शाई होप ने 16, शेरफाने रदरफोर्ड ने 12 और मैथ्यू फोर्ड ने 11 रन बनाए, जबकि रोवमैन पोवैल 9, शिमरॉन हेटमायर 2 और रोस्टन चेज 2 रन बनाकर आउट हुए। दक्षिण अफ्रीका के लिए एनगिडी ने तीन विकेट लिए, जबकि कगिसो रबादा और कॉर्बिन बॉश को दो-दो विकेट मिले।

मार्करम ने दिलाई दमदार शुरुआत

लक्ष्य का पीछा करते हुए मार्करम ने क्विंटन डिकॉक के साथ मिलकर दक्षिण अफ्रीका को मजबूत शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 95 रन जोड़े। डिकॉक अर्धशतक की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन रोस्टन चेज ने उन्हें आउट कर दिया। डिकॉक 24 गेंदों पर चार चौकों और चार छक्कों की मदद से 47 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद मार्करम ने रेयान रिकेल्टन के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। दोनों बल्लेबाजों ने दमदार बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज पर दबाव बढ़ाया।

नाबाद रहे मार्करम

दक्षिण अफ्रीका की कोशिश मैच को जल्द से जल्द अपने नाम करने की थी जिससे नेट रन रेट और बेहतर किया जा सके। दक्षिण अफ्रीका इसमें सफल रहा क्योंकि उसने 23 गेंद शेष रहते हुए मुकाबला अपने नाम किया। दक्षिण अफ्रीका के लिए मार्करम ने 46 गेंदों पर सात चौकों और चार छक्कों की मदद से नाबाद 82 रन बनाए, जबकि रिकेल्टन 28 गेंदों पर चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 45 रन बनाकर नाबाद रहे।

वेस्टइंडीज को लगे शुरुआती झटके

इससे पहले, दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। दक्षिण अफ्रीका ने लुंगी एनगिडी की अगुआई में दमदार प्रदर्शन किया और वेस्टइंडीज को झटके दिए। हालांकि, आठवें विकेट के लिए रोमारियो शेफर्ड और जेसन होल्डर ने शानदार साझेदारी की जिससे वेस्टइंडीज दक्षिण अफ्रीका के सामने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रख सका।

भारत का समीकरण

दक्षिण अफ्रीका ने इस तरह भारत के लिए राह आसान कर दी है। अब भारत को अगले दो मुकाबले जीतने हैं जिससे वह सेमीफाइनल में जगह बना सकता है।

भारत का सामना जिम्बाब्वे से है और इसके बाद टीम को वेस्टइंडीज का सामना करना है। भारत अगर अपने दोनों मुकाबले अपने नाम कर लेता है तो उसके लिए चीजें आसान हो जाएंगी।

दक्षिण अफ्रीका का सामना अब सुपर आठ के अंतिम मैच में जिम्बाब्वे से होगा।

अगर भारत दोनों मैच जीत जाता है और फिर दक्षिण अफ्रीका भी जिम्बाब्वे को हरा देता है तो नेट रन रेट का कोई महत्व नहीं रह जाएगा।

इस स्थिति में दक्षिण अफ्रीका के तीन मैचों में छह अंक होंगे, जबकि भारत के चार अंक हो जाएंगे। वहीं, वेस्टइंडीज एक जीत के साथ दो अंक पर ही रुक जाएगा।

विश्वकप में खराब प्रदर्शन से निशाने पर आये बटलर, हैरी ने किया बचाव

कोलंबो । इंग्लैंड की टीम जीत के साथ ही सबसे पहले आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है पर अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज जोस बटलर के खराब फार्म से उसकी चिन्ताएं बढ़ गयी हैं। बटलर इस टूर्नामेंट में अभी तक लंबी पारी नहीं खेल पाये हैं। वह अब तक केवल 62 रन ही बना पाए हैं। ऐसे में वह आलोचकों के निशाने पर हैं हालांकि कप्तान हैरी ब्रूक ने बटलर का बचाव करते हुए कहा है कि वह सही समय पर लय हासिल करेंगे। हैरी ने पाकिस्तान के खिलाफ सुपर-8 मैच में शानदार शतक लगाकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी।वहीं जब ब्रूक से पूछा गया कि क्या उन्हें बटलर के फॉर्म को लेकर चिंता है, तो ब्रूक ने कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है। मैंने पहले भी कहा है बटलर एक शीर्ष स्तर के बल्लेबाज हैं। उन्होंने हर स्तर पर अपने को साबित किया है। उन्होंने एकदिवसीय और टी20 में विश्व कप जीते हैं और यह सिर्फ समय की बात है , एक अच्छी पारी के साथ ही वह लय हासिल कर लेंगे। लीग स्तर के मैचों में बटलर ने नेपाल के खिलाफ 26 रन, वेस्ट इंडीज के खिलाफ 21 रन, स्कॉटलैंड के खिलाफ तीन रन और इटली के खिलाफ केवल तीन रन बनाए। सुपर-8 में श्रीलंका के खिलाफ वह केवली सात रन बनाए और पाक के खिलाफ केवल दो रन ही बना पाये। इसी के बाद से ही वह आलोचना का शिकार होने लगे। इसी को देखते हुए ब्रूक ने प्रशंसकों से अपील की है कि उन्हें हालात के अनुसार ढ़लने के लिए कुछ समय दें। साथ कहा किविश्व क्रिकेट में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने 500 से अधिक टी20 मैच खेले हैं, इंग्लैंड के लिए 150 से अधिक मैच खेले हैं, और उनका औसत अभी भी 35 है और स्ट्राइक रेट 145 है। इसलिए वह हमारे बेशकीमती हैं। ये सही है कि अभी वह अपने नाम के अनुरुप नहीं खेल पा रहे पर हर खिलाड़ी का ऐसा दौर आत है। गौरतलब है कि बटलर ने इंग्लैंड के लिए 153 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 34 के औसत और 147 के स्ट्राइक रेट से 4012 रन बनाए हैं। हाल ही में, वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक मैच खेलने वाले इंग्लैंड के खिलाड़ी बने थे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में वापसी करने को तैयार हरमनप्रीत

होबर्ट । भारतीय महिला क्रिकेट टीम शुरुवार को यहां दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत के साथ वापसी करने उतरेगी। भारतीय टीम को पहले एकदिवसीय में 6 विके से हार का सामना करना पड़ा था ऐसे में मेजबान टीम तीन मैचों की इस सीरीज में 1-0 से आगे है भारतीय टीम के लिए राहत की बात ये है कि कप्तान हरमनप्रीत कौर भी फिट हो गयी हैं। हरमनप्रीत को पहले एकदिवसीय में चोट लग गयी थी। ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने कहा है कि हरमनप्रीत अब ठीक है और खेलने जा रही हैं। पहले एकदिवसीय में बल्लेबाजी के दौरान घुटने में चोट लगने से हरमनप्रीत मैदान पर नहीं लौट पाई थीं, जिससे टीम की चिंताएं बढ़ गई थीं।

वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से कहा गया है कि हरमनप्रीत को बल्लेबाजी के दौरान चोट लगी थी और मेडिकल स्टाफ उनकी स्थिति पर नजर रखे हुए है। कप्तान के नहीं होने से उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने

टीम की कमान संभाली। वहीं अब अब कप्तान की वापसी से प्रबंधन को भी राहत मिली है।

पहले मुकाबले में भारतीय टीम 48.3 ओवर में 214 रन ही बना पायी थी जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने छह विकेट शेष रहते 38.2 ओवर में ही जीत हासिल कर ली थी। अब भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर जीत दर्ज करना रहेगा।

दीप्ति ने कहा कि टीम ने पहले एकदिवसीय में अच्छा प्रदर्शन किया था हालांकि टीम जीत हासिल करने में सफल नहीं रही। उन्होंने कहा कि टीम दूसरे मुकाबले में और प्रयास करेगी। साथ ही कहा कि टीम अपनी पिछली गलतियों से उबरकर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय टीम ने एकदिवसीय सीरीज से पहले शानदार प्रदर्शन कर टी20 सीरीज जीती थी और उसी प्रदर्शन से टीम प्रेरित होकर उतरेगी। भारतीय टीम जानती है कि ऑस्ट्रेलिया जैसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ निरंतरता बनाए रखना उसके लिए आसान नहीं रहेगा।

टी20 विश्वकप सेमीफाइनल से अब कौन सी टीम बाहर होगी ?

अहमदाबाद। टी20 विश्वकप सुपर-8 से अब तक एक टीम श्रीलंका बाहर हो गयी है। उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। वहीं अब एक और टीम का बाहर होना तय है। ये मुकाबला मैच ग्रुप-1 में वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के बीच अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं भारतीय टीम के प्रशंसक वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका की जीत चाहेंगे क्योंकि इससे भारतीय टीम के सेमीफाइनल की उम्मीदें बनी रहेंगी।

दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज, दोनों का रनरेट बहुत अच्छा है। ऐसे में इस मुकाबले की विजेता टीम के पास सेमीफाइनल में पहुंचने का अच्छा अवसर है।

ग्रुप-1 की अंकतालिका पर नजर डालें तो चारों टीमों ने अपना एक-एक सुपर 8 मैच खेल लिया है। वेस्टइंडीज दो अंक और सबसे बेहतर रनरेट प्लस 5.350) के साथ नंबर-1 पर बनी हुई है। उसने जिम्बाब्वे को 107 रनों से हराया था। वहीं दूसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका की टीम के भी दो अंक हैं। दक्षिण अफ्रीका का रनरेट प्लस 3.800 है। भारत के खिलाफ जीत के साथ ही उसे दो अंक मिले थे। वहीं भारत और जिम्बाब्वे को टीमें अपना-अपना पहला सुपर 8 मैच हारकर तीसरे और चौथे स्थान पर हैं।भारत का रनरेट -3.800 है, जबकि जिम्बाब्वे का रनरेट -5.350 है। भारत और जिम्बाब्वे के मुकाबले में हारने वाली टीम सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो जाएगी।

टी20 विश्ककप : घरेलू मैदान में मिली हार निराशाजनक - शनाका

हमने प्रशंसकों का दिल तोड़ा

नई दिल्ली । श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के कप्तान दासुन शनाका अपनी टीम के टी20 विश्वकप से बाहर होने से बेहद निराश हैं। शनाका के अनुसार घरेलू धरती पर मिली हार सबसे अधिक दुखदायक है। टीम पिछले एक दशक से किसी भी आईसीसी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक में नहीं पहुंच पायी है। इस बार वह दूसरे सुपर-8 मुकाबले में न्यूजीलैंड के हाथों मिली हार के बाद सुपर-8 से बाहर हो गयी। दासुन शनाका के अनुसार अपनी ही धरती पर जीत नहीं पाने से प्रशंसकों को भी निराशा होती है।

न्यूजीलैंड से मिली हार के बाद शनाका ने कहा, ये हमारे लिए शर्म की बात है। प्रशंसकों का हमे भरपूर समर्थन मिला है। हमने मैच में अच्छी शुरुआत भी की थी पर किवी टीम ने अच्छी बल्लेबाजी कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। हम उन्हें 130 के आसपास रोकना चाहते थे पर हमारे गेंदबाज सफल नहीं रहे। विरोधी टीम की ओर से मिच सेंटनर और कॉलिन कोल ने काफी अच्छा खेला।

वहीं हमें अच्छी शुरुआत नहीं मिली। वहीं अब हमारा लक्ष्य अंतिम मैच में पाकिस्तान के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। हमें उम्मीद है कि हम उस मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे। जीत के लिए एक दो बल्लेबाजों पर निर्भर नहीं रहा जा सकता है। पूरी टीम को ही अपने ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। साथ ही कहा कि जिम्मेदारी के साथ ही जोखिम लेने की भी जरुरत है जिससे बाद में किसी बात का पछतावा न रहे।

ज्वेरेव हुए अलटफेर के शिकार, केकमानोविच ने तीन सेटों में हराया

अकापुल्को। सर्बिया के मियोमिर केकमानोविच ने जर्मनी के टेनिस स्टारा अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर एक बड़ उलटफेर करते हुए मेक्सिकनो टेलसेल टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर-फाइनल में प्रवेश किया है। केकमानोविच ने तीन सेट के रोमांचक मुकाबले में चौथी वरीयता प्राप्त ज्वेरेव के खिलाफ 6-3, 6-7(3), 7-6(4) से ये जीत दर्ज की । इस मुकाबले में केमानोविच ने बेहतरीन प्रदर्शन कर विरोधी खिलाड़ी को कोई अवसर नहीं दिया। । मैच के बाद केकमानोविच ने कहा, जीत से वह खुश है पिछले कुछ साल उनके लिए कठिन रहे हैं। इसलिए उन्हें इस बातक की खुशी है कि इस मैच में सब कुछ उनके अनुसार हुआ। वह विशेष अवसर पर आक्रामक रहे जिसका भी लाभ उन्हें मिला। वहीं अनुभवी ज्वेरेव निरंरतता के लिए संघर्ष करते दिखे। उन्होंने 17 गलतियां कीं, जबकि केकमानोविच ने छह गलतियां कीं। इस जीत के साथ ही केकमानोविच ने ज्वेरेव के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 2-2 से बराबर कर लिया और एटीपी 500 इवेंट के आखिरी आठ में पहुंच गए हैं। यहां उनका मुकाबला फ्रांस के टेरेंस एटमाने से होगा, एटमाने ने एक अन्य मुकाबले में राफेल जोडार को 6-2, 4-6, 6-1 से हराया था। एक अन्य मुकबाले में फ्लेवियो कोबोली ने डालिबोर स्वर्सिना को 6-4, 6-4 से हराया और अब उनका अगला मैच चीन के वू यिबिंग से होगा जिन्होंने जापान के शो शिमाबुकुरो को 6-3, 7-6(4) से हराया।

पीएसजी ने चैंपियंस लीग फुटबॉल में मोनाको को हराकर अगले दौर में जगह बनायी

पेरिस। पेरिस सेंट जर्मन (पीएसजी) क्लब यूईएफए चैंपियंस लीग फुटबॉल में जीत के साथ ही अंतिम-16 में पहुंच गयी है। पीएसजी ने प्ले-ऑफ के दूसरे लेग में एएस मोनाको के साथ 2-2 से ड्रॉ खेलते हुए कुल 5-4 की बढ़त के साथ ही अंतिम-16 में जगह बनायी है। इस मुकाबले के पहले हाफ से ही मोनाको ने अच्छी शुरुआत करते हुए एक गोल दागकर 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। वहीं दूसरे हाफ में पीएसजी के कप्तान मार्क्विनहोस ने डेसिरे डूए के क्रॉस पर गोल दागकर अपनी टीम को 1-1 से बराबरी पर ला दिया। इसके बाद ख्विचा क्वारात्सखेलिया ने एक गोल कर टीम को 2-0 से आगे कर दिया। वहीं मोनाको के स्थानापन्न खिलाड़ी जॉर्डन टेजे ने अतिरिक्त समय में गोल कर मुकाबले को 2-2 से बराबरी पर लाकर एक बार फिर रोमांचक बना दिया। अंत में पीएसजी ने 5-4 की बढ़त हासिल करते हुए मुकाबला अपने नाम किया।

वहीं पीएसजी के कोच लुइस एनरिक ने कहा, हम काफी कठिन टीमों से खेलना पड़ा है। अब हमें चेल्सी और बार्सिलोना जैसी बेहतरीन टीमों से खेलना है। इस इस प्रकार के मुकाबले के लिए तैयार हैं।

वहीं एक अन्य मुकाबले में गैलाटसराय ने जुवेंटस को वापसी नहीं करने दी और 7-5 के कुल स्कोर से राउंड ऑफ 16 में जगह बनायी। गैलाटसराय एस.के. ने जुवेंटस एफसी को रोमांचक मुकाबले में हराकर शानदार जीत दर्ज की। पहले लेग के बाद तीन गोल से पिछड़ने के बावजूद मेजबान टीम ने हार नहीं मानी और मुकाबले को अतिरिक्त समय तक खींच

वेस्टइंडीज के खिलाफ अधिक प्रयोग से बचे भारतीय टीम - पोंटिंग

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारतीय टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाले सुपर-8 मुकाबले को देखते हुए एक अहम सलाह दी है। पोंटिंग का कहना है कि इस मैच में भारतीय टीम को अधिक बदलाव नहीं करते हुए वहीं अंतिम ग्यारह उतारनी चाहिये जो अबतक तक खेलती आई है। पोंटिंग के अनुसार अधिक प्रयोग कि रणनीत नुकसानेह साबित हो सकती है। इस पूर्व कप्तान के अनुसार बड़े टूर्नामेंट में स्थिरता और संतुलन से ही जीत मिलती है। इससे पहले भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में अपना संयोजन बदला था जिससे उसे काफी नुकसान हुआ था। उस मैच में दक्षिण अफ्रीकी टीम में बाएं हाथ के अधिक बल्लेबाजी होने के कारण उपकप्तान अक्षर पटेल की जगह वॉशिंगटन सुंदर को अवसर दिया था पर ये प्रयोग विफल रहा। उस मैच में सुंदर बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो में ही विफल रहे थे। पोंटिंग ने कहा कि केवल विरोधी टीम में अधिक बाएं हाथ के बल्लेबाज होने के कारण ही बदलाव नहीं किया जाना चाहिये। इस कारण अक्षर को बाहर रखना सही फैसला नहीं था। उनके अनुसार कप्तान को अपनी समझ के अनुसार गेंदबाजों का सही समय पर इस्तेमाल करना चाहिये। पोंटिंग का मानना है कि बड़े टूर्नामेंट में जरुरत से अधिक रणनीतिक बदलाव कभी-कभी विपरीत प्रभाव डालते हैं। उन्होंने कहा कि भारत को अब सरल सोच अपनानी चाहिए और अपनी सबसे संतुलित टीम मैदान में उतारनी चाहिए।दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी आक्रमण के सामने भारतीय बल्लेबाजी बेबस नजर आयी थी।

इंग्लैड-न्यूजीलैंड मैच पर टिकीं पाकिस्तान की संभावनाएं

कोलंबो। न्यूजीलैंड की श्रीलंका के खिलाफ जीत से न केवल सह मेजबान श्रीलंकाई टीम आईसीसी टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल से बाहर हो गयी है बल्कि इससे पाकिस्तान की संभावनाएं भी घटी हैं। न्यूजीलैंड की टीम अब प्लस 3.050 के रन रेट से अंक तालिका में काफी आगे बढ़ गयी है। ऐसे में पाक टीम के सेमीफाइनल की संभावनाएं अब दूसरी टीमों के परिणामों पर निर्भर हो गयी है। पाक टीम अब उम्मीद करेगी कि हैरी ब्रूक की कप्तानी वाली इंग्लैंड की टीम शुक्रवार को होने वाले मुकाबले में न्यूजीलैंड को हरा दे। इस मुकाबले में अगर इंग्लैंड की टीम न्यूजीलैंड को हरा देती है, तो पाकिस्तान के पास अपने अंतिम मैच में श्रीलंका को बड़े अंतर से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने का अवसर रहेगा। इस दौरान पाक टीम चाहेगी कि न्यूजीलैंड की हार और उनकी अपनी जीत का अंतर इतना बड़ा हो कि वह न्यूजीलैंड का नेट रन रेट (प्लस 3.050 को पीछे छोड़ सके। पाक टीम के लिए सकारात्मक बात ये है कि इंग्लैंड के खिलाफ उसे बड़ी हार नहीं मिली थी। ऐसे में उसका नेट रन रेट अभी भी अच्छा बना हुआ है।

अगले माह भारत में खेला जाएगा एफआईएच महिला हॉकी विश्वकप क्वालीफाइंग टूर्नामेंट

हैदराबाद । 15-30 अगस्त तक बेल्जियम के वावरे और नीदरलैंड्स के एम्सटलवीन में होने वाले एफआईएच महिला हॉकी विश्वकप में प्रवेश हासिल करने को लेकर आठ टीमों के बीच टक्कर होगी। इन टीमों के बीच ये मुकाबला अगले माह 8-14 मार्च तक हैदराबाद, तेलंगाना, में होगा। ये सभी 8 टीमें विश्वकप में प्रवेश के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। विश्वकप में कुल 16 टीमें भाग लेंगी। कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप और एफआईएच हॉकी प्रो लीग पहले ही नौ क्वालिफायर तय कर चुकी हैं, इसलिए यह इवेंट इन आठ टीमों के लिए विश्वकप में जगह बनाने का अंतिम मौका है। इस टूर्नामेंट का प्रारुप चार टीमों को चार टीमों के दो पूल में बांटता है, जिसमें हर पूल से शीर्ष दो टीमें फाइनल में पहुंचेंगी। वहीं सेमीफाइनल और कांस्य पदक विजेता मैच के विश्वकप में प्रवेश हासिल करेंगे। इसके अलावा, दोनों महिला क्वालिफायर इवेंट्स में हैदराबाद और सैंटियागो में चौथे नंबर पर आने वाली सबसे ऊंची रैंक वाली टीम को भी विश्व कप में जगह मिलेगी।शुरुआती क्वालीफाइंग राउंड रविवार 8 मार्च को शुरू होगा और सभी मैच हैदराबाद के जीएमसी बालयोगी हॉकी ग्राउंड (लोकल टाइम) पर खेले जाएंगे। आठ टीमें, दो पूल में बांटी गयी हैं। पूल ए में ऑस्ट्रिया, इंग्लैंड, इटली, कोरिया वहीं पूल बी = भारत, स्कॉटलैंड, उरुग्वे, वेल्स जैसी टीमें हैं। इसमें 8 से 11 मार्च तक टीमें पूल स्टेज में सेमीफाइनल और क्लासिफ़िकेशन मैच तय करने के लिए मुकाबला करेंगी। वहीं सेमीफाइनल 13 मार्च को खेला जाएगा। उसके बाद कांस्य पदक मैच और फाइनल 14 मार्च 2026 को होगा।

द हंड्रेड से पाकिस्तानी खिलाड़ियों को बाहर नहीं किया जाएगा - ईसीबी

लंदन। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा है कि द हंड्रेड क्रिकेट लीग से पाकिस्तानी खिलाड़ियों को बाहर नहीं किया जाएगा। ईसीबी के अनुसार इस प्रकार की जो भी आशंकाएं लगायी गयी हैं। वे सही नहीं हैं। इससे पहले एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि लीग में आईपीएल से जुड़ी फ्रैंचाइजियां पाकिस्तानी खिलाड़ियों को नहीं खरीदेंगी। द हंड्रेड की 4 फ्रेंचाइजी ऐसी हैं जिनका मालिकाना अधिकार भारतीयों के पास है औये पाक खिलाड़ियों को नहीं लेगी। वहीं अब ईसीबी और द हंड्रेड की 8 फ्रेंचाइजियों की तरफ से संयुक्त बयान जारी किया गया है कि द हंड्रेड में इस प्रकार का कोई भेदभाव नहीं होगा और अगर कोई टीम ऐसा करती है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी।

इस सप्ताह एक रिपोर्ट में कहा गया गया था कि आईपीएल टीमों के मालिकों से जुड़ीं 4 फ्रेंचाइजी मैनचेस्टर सुपर जॉइंट्स (आरपीएसजी ग्रुप), एमआई लंदन (रिलायंस), सदर्न ब्रेव (जीएमआर) और सनराइजर्स लीड्स (सन ग्रुप) द हंड्रेड की नीलामी के लिए पंजीकृत पाकिस्तानी खिलाड़ियों से दूरी बनाये रख सकती हैं।गौरतलब है कि साल 2008 के मुंबई आतंकी हमले के बाद से ही विदेशी लीग में आईपीएल से जुड़ी फ्रेंचाइजियों में पाकिस्तानी क्रिकेटर बहुत ही कम नजर आये हैं। हालांकि भारतीयों के द हंड्रेड की फ्रेंचाइजियों को खरीदने से पहले पाकिस्तानी खिलाड़ी इस लीग में बहुत कम रुचि दिखा रहे थे। पिछले साल के टूर्नामेंट में सिर्फ 2 पाक खिलाड़ी खेलत दिखे थे। इतना ही नहीं, द हंड्रेड के अब तक हुए सभी 5 सीजन में कुल मिलाकर 9 पाकिस्तानी खिलाड़ी ही दिखे हैं। फ्रेंचाइजी के नए मालिक इस सीजन से कामकाज संभालेंगे।

ईसीबी और द हंड्रेड की फ्रेंचाइजियों की ओर से जारी संयुक्त बयान में कहा गया है, लीग को नए दर्शकों तक पहुंचने, क्रिकेट के खेल के विकास और हर किसी को हमारे खेल से जोड़ने के लिए बनाया गया है। इस लीग में खिलाड़ियों को राष्ट्रीयता के आधार पर बाहर नहीं किया जाना चाहिए।बयान में आगे कहा गया है, 'टूर्नामेंट को चलाने के लिए जिम्मेदार आयोजक के तौर पर ईसीबी यह पक्का करने के लिए प्रतिब्ध है कि इसमें कहीं कोई भेदभाव न हो और ऐसे किसी व्यवहार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के नियम मौजूद हैं।' संयुक्त बयान में कहा गया है, सभी 8 टीमें प्रतिबद्ध हैं कि चयन सिर्फ क्रिकेट से जुड़े प्रदर्शन, उपलब्धता और हर टीम की जरूरत पर आधारित होगा। गौरतलब है कि द हंड्रेड के लिए इस बार पाकिस्तान के कुल 67 खिलाड़ियों ने नीलामी के खातिर रजिस्ट्रेशन कराया है। इसमें 63 पुरुष और 4 महिला खिलाड़ी हैं।

शाह ने अवैध घुसपैठ पर भरी हुंकार...यह कोई चुनावी वादा नहीं है, सरकार ऐसा करके दिखाएगी

जनसांख्यिकीय परिवर्तन से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र बंगाल, झारखंड और बिहार

अररिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि हम एक-एक घुसपैठिए को भारत की भूमि से चुन-चुन कर बाहर करने वाले है। उन्होंने कहा कि यह कोई चुनावी वादा नहीं है, यह मोदी सरकार का संकल्प है। अब यह सिर्फ वादा नहीं है, हम जल्द ही ऐसा करने वाले हैं। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने बिहार के अररिया में बॉर्डर आउट पोस्ट लेटी व इंदरवा के उद्घाटन और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के विभिन्न कार्यों के ई-लोकार्पण, ई-शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत-नेपाल सीमा सड़क योजना के तहत 556 किलोमीटर बॉर्डर रोड को स्वीकृत किया है। इसमें 18 खंडों में से 14 खंडों में कार्य पूर्ण किया जा चुका है। चार खंडों में भी कार्य तेज गति से हो रहा है। वह भी जल्द पूरा हो जाएगा। इसके पूर्ण होने से जहां निगरानी की क्षमता बढ़ेगी, वहीं नागरिकों की सुविधाएं भी बढ़ जाएंगी। विकास के कार्यक्रम अंतिम सीमा तक पहुंचाने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने एसएसबी की प्रशंसा कर कहा कि ये सीमा की सुरक्षा का जिम्मा उठा रहे हैं। यह सही है कि हम एक मित्र देश के साथ लगी सीमा की सुरक्षा कर रहे हैं, उस देश के साथ जिसके हमारे देश के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध हैं।

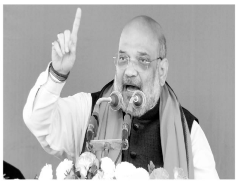

उन्होंने कहा कि यह भी जरूरी है कि हमारे देश के दुश्मन और देश को नुकसान पहुंचाने वाले तत्व उस रास्ते का उपयोग कर देश में प्रवेश न करें। इसलिए सशस्त्र सीमा बल को अपनी नजर पैनी रखनी पड़ेगी और अपने सूचना के स्रोतों को भी बहुत मजबूत करना होगा। इसके लिए जरूरी है कि सीमांत गांवों के अंदर जवानों और अधिकारियों के साथ संवाद और संपर्क भी अच्छे स्तर पर हों। तभी हमें गांवों से सही सूचना मिल सकती है।

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि सीमा के 10 किलोमीटर के अंदर जितने अवैध अतिक्रमण हैं, उन सभी अतिक्रमणों को इस अभियान के अंतर्गत ध्वस्त कर घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें भारत से बाहर भेजने का कार्य भी शुरू होगा। जनसांख्यिकीय परिवर्तन से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र बंगाल, झारखंड और बिहार हैं। बंगाल में अभी चुनाव है और मुझे पूरा विश्वास है कि इस बार वहां भाजपा की सरकार बनने वाली है। वहां सरकार का पहला एजेंडा सीमा पर बाड़ का काम समाप्त करना और एक-एक घुसपैठिए को बाहर करना है।

उन्होंने कहा कि आमतौर पर नेताओं के वादे जनता को याद करने होते हैं, लेकिन आज मैं सीमांचल की जनता को अपना वादा याद दिलाना चाहता हूं, क्योंकि मुझे सीमांचल की जनता का सहयोग चाहिए। घुसपैठिए सिर्फ चुनाव को प्रभावित नहीं करते हैं, वे गरीबों के राशन में भी हिस्सेदारी ले जाते हैं, रोजगार में युवाओं की संभावनाओं को क्षीण करते हैं, और राष्ट्र की सुरक्षा के लिए भी बहुत बड़ी चुनौती हैं। यह अभियान जल्द सीमांचल में शुरू होगा।

दिल्ली हाईकोर्ट ने सैनिकों के हक में सुनाया फैसला- लाइफस्टाइल डिसऑर्डर कहकर नहीं रोक सकते दिव्यांग पेंशन

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया कि सशस्त्र बलों के कर्मियों की दिव्यांगता पेंशन सिर्फ यह कहकर रोकी नहीं जा सकती कि बीमारी 'लाइफस्टाइल डिसऑर्डर' है या पीस एरिया (शांतिपूर्ण तैनाती) में हुई। हाईकोर्ट ने माना कि सेना में सेवा हर परिस्थिति में तनावपूर्ण होती है और इससे गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

हाईकोर्ट में जस्टिस वी. कामेश्वर राव और जस्टिस मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की डिवीजन बेंच ने आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल (एएफटी) के उस आदेश को रद्द किया, जिसमें भारतीय वायुसेना के रिटायर्ड अधिकारी की दिव्यांग पेंशन याचिका खारिज कर दी गई थी। याचिकाकर्ता उच्च रक्तचाप (हाइपरटेंशन) और कोरोनरी आर्टरी डिजीज से पीड़ित हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि यह मायने नहीं रखता कि बीमारी फील्ड एरिया में हुई या पीस पोस्टिंग में। असली सवाल यह है कि क्या बीमारी का संबंध सेवा परिस्थितियों से है। इस केस में मेडिकल बोर्ड यह स्पष्ट नहीं कर सका कि अफसर की बीमारियां सेवा से जुड़ी नहीं थीं।

कोर्ट ने विशेष रूप से कहा कि बिना ठोस वजह के बीमारी को 'लाइफस्टाइल डिसऑर्डर' कहना

कानूनन सही नहीं। मेडिकल बोर्ड ने भी माना था कि बीमारियां अधिकारी की लापरवाही या गलत आदतों से नहीं हुई थीं। मोटापा, धूम्रपान या शराब से जुड़े तर्क खारिज कर दिए गए क्योंकि रिपोर्ट में इन्हें कारण नहीं बताया गया था।

एएफटी द्वारा वजन और लाइफस्टाइल के आधार पर निष्कर्ष निकालना और हृदय रोग को सिर्फ पिछले 14 दिनों की ड्यूटी से जोड़ना भी तर्कसंगत नहीं माना गया। कोर्ट ने साफ किया कि बीमारी का मूल्यांकन पूरी सेवा अवधि और परिस्थितियों को ध्यान में रखकर होना चाहिए।

40 साल की सेवा, 50 फीसद दिव्यांगता, अब पेंशन सुरक्षित

याचिकाकर्ता अफसर ने वायुसेना में 40 साल से अधिक सेवा दी और ज्वाइनिंग के समय पूरी तरह से फिट थे। उन्हें 1999 में हाइपरटेंशन और 2016 में गंभीर कोरोनरी आर्टरी डिजीज हुई, जिसके लिए ओपन-हार्ट सर्जरी करानी पड़ी। उनकी दिव्यांगता 50 फीसद आंकी गई थी, लेकिन पेंशन रोक दी गई थी। हाईकोर्ट ने याचिका मंजूर करते हुए अफसर को 50 प्रतिशत आजीवन दिव्यांग पेंशन देने का निर्देश दिया। साथ ही रिटायरमेंट की तारीख से बकाया भुगतान 8 सप्ताह के भीतर जारी करने और देरी होने पर 12 प्रतिशत सालाना ब्याज देने का आदेश भी दिया।

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने तेल कंपनियों को जारी हुआ निर्देश

1 अप्रैल से देश भर में एथेनॉल ब्लेंड ई20 पेट्रोल बेचना अनिवार्य

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पेट्रोल को लेकर एक अहम फैसला लिया है, जिसका सीधा असर आम लोगों और ऑटोमोबाइल सेक्टर पर पड़ेगा। केंद्र सरकार ने तेल बेचने वाली कंपनियों को साफ निर्देश दिया है कि 1 अप्रैल 2026 से देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एथेनॉल ब्लेंडेड (ई20) पेट्रोल बेचा जाए। इस पेट्रोल में अधिकतम 20 प्रतिशत इथेनॉल होगा और इसका न्यूनतम रिसर्च ऑक्टेन नंबर यानी आरओएन95 होना जरूरी होगा।

यह आदेश केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की ओर से जारी किया गया है। 17 फरवरी को जारी नोटिफिकेशन में मंत्रालय ने कहा है कि तेल कंपनियां वही पेट्रोल सप्लाई करें जो ई20 मानकों पर खरा उतरता हो। यह पेट्रोल ब्यूरो ऑफ इंडिया स्टैंडर्ड के तय मानकों के अनुसार होना चाहिए और पूरे देश में एक समान क्वॉलिटी के साथ उपलब्ध कराया जाना होगा। हालांकि कुछ खास हालात में सीमित समय के लिए कुछ इलाकों को छूट दी जा सकती है। ई20 फ्यूल एक ऐसा पेट्रोल मिश्रण है जिसमें 20 फीसदी एथेनॉल और 80 फीसदी पारंपरिक पेट्रोल होता है। रिसर्च ऑक्टेन नंबर यानी आरओएन यह बताता है कि पेट्रोल इंजन में नॉकिंग के अगेंस्ट कितना मजबूत है। नॉकिंग से इंजन को नुकसान और पावर लॉस हो सकता है। ज्यादा आरओएनवाला पेट्रोल प्रेशन में भी स्टेबल रहता है। इथेनॉल का ऑक्टेन रेटिंग करीब 108 होता है, इसलिए जब इसे पेट्रोल में मिलाया जाता है तो फ्यूल क्वॉलिटी और गुणवत्ता बेहतर हो जाती है।

राज्यसभा चुनाव : महाराष्ट्र में एक सीट पर एमवीए में मच सकता है घमासान

आदित्य ठाकरे ने ठोका दावा, शरद पवार की दावेदारी से कांग्रेस भी टेंशन में

नई दिल्ली। राज्यसभा चुनाव में देशभर की 37 सीटों पर 16 मार्च को मतदान होना है, लेकिन सबसे दिलचस्प मुकाबला महाराष्ट्र की सात सीटों को लेकर बन गया है। एनडीए जहां छह सीटें जीतती दिख रही है, वहीं एक सीट विपक्षी महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के लिए प्रतिष्ठा और एकजुटता की परीक्षा बन गई है। एमवीए में शरद पवार की एनसीपी (एसपी), उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस शामिल हैं। मौजूदा विधानसभा गणित के मुताबिक तीनों दलों के पास मिलकर इतनी ताकत है कि वे एक उम्मीदवार को जिता सकते हैं, लेकिन इसके लिए अतिरिक्त समर्थन की जरूरत होगी। ऐसे में सीट किसे मिले यही सबसे बड़ा सवाल है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने विधायकों की संख्या के आधार पर राज्यसभा सीट पर दावा ठोका है। पार्टी का तर्क है कि 2020 में उसने एनसीपी को समर्थन दिया था, इसलिए इस बार उसका हक बनता है। पार्टी की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी का कार्यकाल समाप्त हो रहा है और उन्हें दोबारा भेजने की मांग उठ रही है। वहीं कुछ नेताओं का मानना है कि खुद उद्धव ठाकरे को भी राज्यसभा भेजा जा सकता है।

दूसरी ओर शरद पवार का राज्यसभा कार्यकाल खत्म हो रहा है और एनसीपी (एसपी) उन्हें दोबारा सदन भेजने के पक्ष में है। उनकी बेटी और बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ने साफ कहा है कि पार्टी और कार्यकर्ता चाहते हैं कि शरद पवार ही फिर राज्यसभा जाएं। पार्टी नेताओं ने सहयोगी दलों से बातचीत के संकेत दिए हैं। यहीं से सियासी उलझन बढ़ जाती है। अगर सीट पवार को दी जाती है तो शिवसेना (यूबीटी) को पीछे हटना पड़ेगा। वहीं अगर शिवसेना को प्राथमिकता मिलती है तो एनसीपी (एसपी) में असंतोष की स्थिति बन सकती है।

कांग्रेस फिलहाल अपने पत्ते नहीं खोल रही है। पार्टी नेतृत्व गठबंधन की व्यापक रणनीति और संभावित भविष्य के समीकरणों को ध्यान में रखकर फैसला लेना चाहता है। कांग्रेस को एनसीपी के दोनों गुटों के संभावित समीकरणों को लेकर भी सतर्कता है। माना जा रहा है कि कांग्रेस समर्थन के बदले विधान परिषद चुनावों में समायोजन चाहती है। इससे साफ है कि महाराष्ट्र की जो एक सीट सिर्फ राज्यसभा चुनाव नहीं, बल्कि महाविकास अघाड़ी के भीतर नेतृत्व, संतुलन और भविष्य की राजनीति का संकेत भी बनेगी। अब सबकी नजर गठबंधन की अगली बैठक और अंतिम फैसले पर टिकी हैं।

बालाघाट
शुक्रवार 27 फरवरी 2026

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

दिग्गी राजा की मौजूदगी ने एक 'फ्रेम' में सबको ला दिया!!

एक साथ दिखे जिले भर के कांग्रेस के विधायक,नेता और संगठन के लोग

पदमेश विशेष
पदमेश न्यूज। बालाघाट।

संगठन की शिथिलता के लिए मशहूर बालाघाट जिला कांग्रेस आज ऊर्जा से भरपूर नजर आया. यह अवसर था पूर्व मुख्यमंत्री और राज्य सभा सांसद दिग्विजय सिंह के बालाघाट जिले के प्रवास का. जिसमे सारे विधायक, पूर्व सांसद, आम कार्यकर्त्ता और संगठन के लोग एक साथ एक फ्रेम में नजर आ ही गए।

छत्तीसगढ़ के राजनांदगाव से सीधे किरनापुर पहुंचे दिग्विजय सिंह के स्वागत के लिए सारे चिर परिचित चेहरे किरनापुर में नजर आये.जहां दिग्विजय सिंह सबसे पहले कावरे चौक स्थित स्व लिखीराम कावरे की समाधि स्थल गए. जहां उन्होंने पुष्पांजलि अर्पित कर उनके निवास गए जहां पर पूर्व विधायक श्रीमती पुष्पलता कावरे और कांग्रेस कमेटी की सचिव हिना कावरे से मिले. इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और विधायक संजय उइके, पूर्व सांसद बोधसिंह भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरसवार, रणजीत सिंह चौहान, शफकत खान, अनूप सिंह बैस, सहित भारी तादाद में कांग्रेस संगठन के लोग मौजूद थे।

पार्टी कार्यकर्ताओं ने भेंट कर किया गर्मजोशी से स्वागत

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह गुरुवार को अल्प प्रवास पर किरनापुर पहुंचे। सड़क मार्ग लांजी से होते हुए श्री दिग्विजय सिंह सर्वप्रथम किरनापुर के कावरे चौक पहुंचे जहां उन्होंने पूर्व मंत्री स्वर्गीय लिखीराम जी कावरे की समाधि स्थल पर पहुंचकर पुष्प अर्पित करते हुए अपनी श्रद्धांजलि दी। तत्पश्चात् पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष हीना कावरे के निज निवास ग्राम सोनपुरी पहुंचकर कावरे परिवार से पारिवारिक भेंट की। तत्पश्चात् पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर पार्टी संगठन की गतिविधियों के बारे मे जानकारी ली। इस दौरान कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा श्री सिंह का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। चर्चा के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि वे आज यहां पारिवारिक भेंट करने के सिलसिले मे आए हुए थे। इस दौरान पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष हीना कावरे, पूर्व सांसद बोधसिंह भगत, पूर्व विधायक पुष्पलता कावरे, बालाघाट कांग्रेस कमेटी जिलाध्यक्ष एवं बैहर विधायक संजय ऊईके, बालाघाट विधानसभा विधायक अनुभा मुंजारे, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार,ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष यूसुफ पटेल, पूर्व ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष बेनीराम खोटेले, पूर्व जनपद पंचायत उपाध्यक्ष हिम्मतलाल गवंशी, जनपद सदस्य मनीष भीमटे, जनपद सदस्य मुकेश सिंह चौहान, जनपद सदस्य हरीश लिलहारे, कांग्रेस मंडलम अध्यक्ष किरनापुर मंगल प्रसाद रैकवार, ग्राम पंचायत किरनापुर सरपंच प्रतिनिधि जे पी रामटेके, सहित लांजी किरनापुर कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या मे मौजूदगी रही।

स्वास्थ्य समिति की बैठक में खुली महकमें की पोल!!

8 बीएमओ को शोकॉज नोटिस, 9 बीपीएम और 7 बीसीएम के वेतन काटने के आदेश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में 26 फरवरी को जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में स्वास्थ्य, आयुष एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान गर्भवती माताओं के सुरक्षित प्रसव एवं बच्चों के कुपोषण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये गए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप, सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन, जिला आयुष अधिकारी डॉ. मिलिंद चौधरी, सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास प्रशांतदीप ठाकुर, सभी बीएमओ, बाल विकास परियोजना अधिकारी एवं बीपीएम उपस्थित थे।

हाईरिस्क वाली गर्भवती माताओं के सुरक्षित प्रसव प्रबंधन की व्यवस्था की जाए

बैठक में स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा के दौरान अनमोल पोर्टल पर सभी गर्भवती माताओं का अनिवार्य रूप से पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गए। माता के गर्भवती होते ही उसका पंजीयन अनमोल पोर्टल पर हो जाना चाहिए और उसके नियमित टीकाकरण एवं जांच पर विशेष ध्यान देना है। अनमोल पोर्टल पर पंजीकृत गर्भवती माताओं में से हाईरिस्क वाली माताओं को चिन्हित कर उनके सुरक्षित प्रसव के लिए उचित प्रबंधन अनिवार्य रूप से किया जाना है। कलेक्टर श्री मीना ने सख्त निर्देश दिये कि अनमोल पोर्टल पर किसी भी तरह से गलत एंट्री नही होना चाहिए। जिस एएनएम द्वारा गलत एंट्री की जा रही है उसके विरूद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए।

कलेक्टर श्री मीना ने समीक्षा के दौरान ए. एन. सी.पंजीयन, ए. एन. सी. 4 जांच तथा हाई रिस्क महिलाओं के पंजीयन सहित आयरन शुक्रोज में लक्ष्य से कम उपलब्धि प्राप्त करने पर बैहर एवं परसवाडा बीएमओ डॉ. हरीश मशराम, बिरसा बीएमओ डॉ. सुनील सिंह, कटंगी बीएमओ डॉ. विनोद भलावी, लालबर्रा बीएमओ डॉ.रितु धुर्वे, लामता बीएमओ डॉ. थैलेश गपाले, लाँजी बीएमओ डॉ.अक्षय उपरो, किरनापुर बीएमओ डॉ वर्ष चौबे, खैरलाँजी बीएमओ डॉ.खिलेन्द्र पाल को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही बैहर बीपीएम अर्चना वासनिक, बिरसा बीपीएम मनीष ओ, कटंगी बीपीएम जवाहर बिसेन, लालबर्रा बीपीएम भुवनेश बोपचे, लाँजी बीपीएम मनीष पांडे, खैरलाँजी बीपीएम विजयानन्द मेश्राम, लामता बीपीएम किशोर टेम्भुर्ने, परसवाा बीपीएम अनिल कुके, किरनापुर के प्रभारी बीपीएम मनीष दुबे का एक-एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिये गए। इसी प्रकार खैरलाँजी बीसीएम सिरीश पाठक, बैहर प्रभारी बीसीएम सोनू चापेकार, बीसीएम परसवाा संतोष चौधरी, बीसीएम लॉलबर्रा सपना धुर्वे, बीसीएम लांजी अरुणा रणदिवे, बीसीएम किरनापुर संतोष सोनेकर, बीसीएम लामता प्रभारी बीसीएम खेमसिंह सहारे का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिये गए है।

कोस्ते में वृद्धा की कुएं में गिरने से मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम कोस्ते में इसी ग्राम की एक वृद्धा की उसी के घर के कुएं में गिरने से मौत हो गई। यह घटना 25 दिसंबर को 3ः00 बजे करीब हुई। किरनापुर पुलिस ने इस वृद्धा रामवती बाई पति पतिराम दान्द्रे 73 वर्ष का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार रामवती बाई की शादी ग्राम साक ?ी में हुई थी। किंतु पति के साथ सामंजस्य बिगड़ जाने के कारण वह अपने ससुराल को छोड़कर 30 वर्ष से अपने मायके ग्राम कोस्ते अपने भाई नंदकिशोर पांचे के परिवार के साथ में रह रही थी। नंदकिशोर पांचे वर्तमान में ग्राम रजेगांव में रहते हैं। जो अपने पैतृक गांव कोस्ते रोजाना आने जाना करते थे और अपनी बहन की देखरेख और खाना खिलाते रहते थे। रामवती बाई की उम्र 73 वर्ष होने और आंख में कम दिखाई देने से वह घर में ही रहती थी। 25 फरवरी को नंदकिशोर पांचे अपने रजेगांव घर में था। तभी ग्राम कोस्ते के सरपंच पति गोवर्धन मेश्राम ने उन्हें फोन कर बताया कि आपकी बहन रामवती बाई तुम्हारे घर के पीछे कुएं में गिर गई है। यह सुनते ही नंदकिशोर तुरंत अपने गांव कोस्ते घर पहुंचे। देखें उनकी बहन रामवती बाई कुएं के अंदर पानी में डूबी हुई थी। नंदकिशोर पांचे ने गांव वालों की सहयोग से अपनी बहन रामवती को कुएं से बाहर निकाले जिसकी मौत हो चुकी थी। संभावना व्यक्त की गई है कि रामवती आंख में कम दिखाई देने के कारण घर के पीछे बॉ ?ी तरफ बाथरूम तरफ जाते समय अचानक वह कुएं में गिर गई। इस घटना की रिपोर्ट किरनापुर पुलिस थाना में नंदकिशोर द्वारा की गई थी। सहायक उप निरीक्षक ग्लैडविन क्षत्रिया ने ग्राम कोस्ते पहुंच कर मृत्यु का रामबत्ती बाई का शव बरामद किए और पंचनामा कार्यवाही पश्चात किरनापुर अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए।

अवकाश के दिनों में भी खुले रहेंगे पंजीयन कार्यालय

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दस्तावेजों के पंजीयन में जनसामान्य की सुविधा और राजस्व को दृष्टिगत रखते हुये राज्य शासन ने होली के अवकाश को छोकर माह मार्च में शनिवार और रविवार सहित सभी सार्वजनिक अवकाश के दिनों में पंजीयन कार्यालयों को खुले रखने के आदेश दिये हैं। शासन द्वारा जारी आदेशानुसार बालाघाट जिले में भी मार्च माह में होली के अवकाश को छोकर शनिवार और रविवार सहित सभी सार्वजनिक अवकाश के दिनों में शासकीय कार्य एवं दस्तावेजों के पंजीयन के लिये जिला पंजीयक कार्यालय और उप पंजीयक कार्यालय खुले रहेंगे।

ईमली टेकरी में हिन्दु युवक के मंदिर प्रवेश पर रोक!!

युवक बोला-मंदिर जाता हूं तो घर से ऊठा ले जाती है पुलिस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय से करीब 7 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत हीरापुर से एक अजीबो गरीब मामला सामने आया है। जहां के एक युवक ने गांव के ही कुछ लोगों पर उसके मंदिर में प्रवेश करने पर रोक लगाए जाने का आरोप लगाया है।युवक का आरोप है कि जब भी वह मंदिर में प्रवेश करता है तो उसे पुलिस उठा ले जाती है, जिस पर अपनी नाराजगी जताते हुए युवक विकाश उर्फ लालू प्रसाद धानेश्वर ने अपने साथियों के साथ कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौंपते हुए उन्हें इंसाफ दिया जाने की गुहार लगाई है। जहां सौपे गए ज्ञापन में युवक लालू प्रसाद धानेश्वर ने बताया कि वह धर्म से हिंदू है, वही ग्राम हीरापुर इमली टेकरा स्थित श्री विष्णु धाम मंदिर में बतौर समिति सदस्य काम कर रहा है,बावजूद इसके भी उसके मंदिर में प्रवेश पर रोक लगाई जा रही है।

मंदिर में प्रवेश पर रोक लगाने वालों के खिलाफ की जाए दंडात्मक कार्यवाही- विकाश

विकास उर्फ लालू पिता धनेन्द्र धानेश्वर ने बताया कि वे इमली टेकरा विष्णुधाम मंदिर के पास ही निवास करता है और पिछले कई वर्षों से वह मंदिर में सेवा भाव से पूजा अर्चना करते आ रहा है।लेकिन कुछ लोगो ने द्वेश भाव से उसकी झूठी रिपोर्ट पुलिस थाने में की गई है।वही मंदिर आने पर रोक लगा दी गई।युवक ने बताया कि वह कल शाम के वक्त मंदिर गया था,पूजा अर्चना करके निकला तो किसी ने उसका विडियो बनाया था। कुछ देर बाद उसे घर से पुलिस वाले उठाकर द्वारा थाने ले गए और 2 घण्टे थाने में बैठाकर रखा गया गया। युवक का आरोप है कि पुलिस वालों ने उससे कहा है कि वह मंदिर ना जाए यदि वह ऐसा करता है तो उसे मजबूरन एक-दो दिन के लिए जेल भेजना पड़ेगा, ऐसी धमकियां दी जा रही है। युवक ने बताया कि वह हिंदू है, फिर भी उसे मंदिर में प्रवेश करने पर रोक लगाई जा रही है, युवक ने बताया कि वह अकेला रहता है कभी भी किसी भी वक्त उसके साथ कोई मारपीट कर सकता है ऐसी आशंका जताते हुए उसने अपने साथियों के साथ कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन सौपा है।युवक ने बताया कि पूर्व में भी उसे मंदिर जाने से रोका गया है और कल भी रोका गया और कहा गया कि तू मंदिर नही जाना तू मंदिर आने जाने लायक नही है।मुझे बार बार धर्म विरोधी कहा जा रहा है।जिससे मुझे बहुत आत्म ग्लानी हो रही है पुलिस द्वारा मुझे बिना वजह घर से उठाकर थाने ले जाया गया था।इस तरह मेरे संवैधानिक अधिकार का हनन किया गया और मुझे उक्त व्यक्तियो से जान का खतरा भी है। जिसने ज्ञापन के माध्यम से उसके मंदिर में प्रवेश करने पर रोक लगाने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आरोपी को 20 वर्ष का सश्रम कारावास

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के विशेष न्यायाधीश गौतम सिह मरकाम की अदालत ने नाबालिग बालिका से दुष्कर्म के मामले में एक आरोपी को कठोर सजा सुनाई है। विद्वान अदालत ने लांजी थाना क्षेत्र के आरोपी लक्ष्मीकांत उर्फ निकेश उमरे पिता ओमकारलाल लोधी 22 वर्ष को 20 वर्ष का सश्रम कारावास के अलावा 7 हजार रुपये अर्थदंड से भी दंडित किये।

अभियोजन के अनुसार, 16 मार्च 2024 को फरियादी ने थाना लांजी में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी छोटी ल ?की जिसकी उम्र13 वर्ष है वह परिवार के साथ पूजा कार्यक्रम में पड़ोसी के घर गई थी। 4 बजे परिवार के लोग घर वापस आ गये थे। लेकिन उसकी लड़की शाम तक वापस नहीं लौटी। तब पड़ोसी के घर जाकर देखे, लड़की वहा पर भी नही थी। परिजनों द्वारा खोजबीन के बाद भी उसका पता नहीं चला। जांच के दौरान 23 फरवरी 2025 को नाबालिग पीड़िता को ग्राम कारंजा चौक से दस्तयाब किया गया। पीड़िता ने अपने कथनों में बताया कि आरोपी लक्ष्मीकांत उर्फ निकेश ने उसे बहला-फुसलाकर और जबरन भगा कर अपने साथ पूना ले गया और उसके साथ शादी करना बताया था। प्रकरण में धारा 366क 376, 376(2)(ढ), 376(3) भादवि एवं 5(रु)/6 पॉक्सो एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज निकेश उर्फ लक्ष्मीकांत को इस अपराध में गिरफ्तार किया गया। विवेचना उपरांत विद्वान अदालत में चालान प्रस्तुत किया गया था। हाल ही में यह मामला लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के विशेष न्यायाधीश गौतमसिह मरकाम की अदालत में चला।

सुनवाई के दौरान प्रस्तुत साक्ष्यों एवं गवाहों के आधार पर विद्वान अदालत ने आरोपी लक्ष्मीकांत उर्फ निकेश उमरे को दोषी करार देते हुये उसे भारतीय दंड संहिता की धारा 376(2)(एन) के तहत 10 वर्ष का सश्रम कारावास, भारतीय दंड संहिता की धारा 376(3) एवं लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 की धारा 6 के तहत 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 7हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किये।इस मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक श्रीमती आरती कापले ने पैरवी की। यह कार्रवाई सहायक संचालक (अभियोजन) कपिल कुमार डहेरिया के मार्गदर्शन में संपन्न हुई।

REQUIREMENT

Subject	Requirement	Qualification
English	- 01	Graduation D.Ed, B.Ed
Science	- 01	
Maths	- 01	
SST	- 01	
Computer Operator	- 01	

पता-अनुपमा रॉयल एकेडमी इंग्लिश मीडियम स्कूल
आशा निवास के पीछे वार्ड नं. 02 भटेरा चौकी, बालाघाट (म.प्र)
मो. 9399010324, 9981250403, 9893083276

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायलयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट